सोमवार

03 जून 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

काउंटिंग से पहले पप्पू यादव को बड़ी राहत, मतदान से जुड़े केस में मिली जमानत

2

नमामि गंगे का दूसरा चरण पूरा होने पर स्वच्छ और निर्मल होगी गंगा की जलधारा, दूर होगा प्रदूषण

- राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के पदाधिकारियों ने किया बड़ा दावा
- सीवरेज क्षमता में भी 3,108 एमएलडी तक की होगी अभूतपूर्व वृद्धि
- बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड का स्तर भी निर्धारित मानकों के भीतर हुआ

केटी न्यूज/लखनऊ

गंगा में सफाई पर मचे सियासी बवाल के बीच नमामि गंगे योजना से राहत भरी खबर आयी है। नमामि गंगे का दूसरा चरण पूरा होने पर गंगा में प्रदूषण का स्तर तो कम होगा ही जलधारा भी निर्मल होगी। यही नहीं सीवरेज क्षमता में भी 3,108 एमएलडी तक की अभूतपूर्व वृद्धि होगी। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के पदाधिकारियों ने बताया कि नमामि गंगे योजना 2014 में शुरू हुई थी। इसके तहत गंगा समेत इसकी सहायक नदियों में प्रदूषण कम करने और सीवरेज क्षमता बढ़ाने पर खासा ध्यान दिया गया, जिसका नतीजा है कि नमामि गंगे मिशन के दूसरे चरण के पूरा होने तक अतिरिक्त 3,108 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) क्षमता हासिल कर ली जाएगी। जबकि मार्च 2014 में यह क्षमता केवल 1,221 एमएलडी थी, जो मौजूदा एसटीपी के पुनर्वास और नई क्षमताओं के विकास के बाद बढ़कर 3,110 एमएलडी हो गई है।सीपीसीबी की रिपोर्ट में सुधार के संकेत

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा गंगा नदी में प्रदूषण पर केंद्रित एक रिपोर्ट जल की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार को इंगित करती है। रिपोर्ट की मानें तो बॉयोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) की मात्रा मानक के अनुसार पायी गई।

इससे स्पष्ट होता है कि नदी के पारिस्थितिकी तंत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) का स्तर भी निर्धारित मानकों के भीतर है। वहीं दूसरी ओर यह माना जा रहा है कि मंजूरी मिलने के बाद इस परियोजना का अमली जामा शीघ्र पहनाया जाएगा। भारत सरकार की ओर से यह प्रयास किया जा रहा है कि गंगा को निर्मल व स्वच्छ बनाया जाए। क्योंकि देश में गंगा नदी का अतिमहत्वपूर्ण स्थान है। धार्मिक रूप से इसकी महत्ता अधिक है। उत्तर भारत हो या दक्षिण भारत इस नदी में स्नान करने या यहां का जल अपने घरों में पूजा पाठ के लिए ले जाते है।.इस आस्था को भी ध्यान में रखकर केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है। पहले चरण में सरकार को काफी हद तक सफलता भी प्राप्त हो गई है।

वाराणसी में 4.5 गुना बढ़ी सीवरेज क्षमता

एनएमसीजी अधिकारियों ने बताया कि नमामि गंगे के तहत सीवरेज प्रोजेक्ट भविष्य की जरुरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। अकेले वाराणसी की ही बात करें तो एसटीपी क्षमता 2014 में 100 एमएलडी से 4.5 गुना तक बढ़ गई है। वर्तमान में 55 एमएलडी का एक अतिरिक्त एसटीपी निमार्णाधीन भी है। नमामि गंगे के तहत अब तक 38,696 करोड़ रुपये की लागत वाले 465 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है।

आईआईटी के विशेषज्ञ ने जताया संतोष

आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर और सेंटर फॉर गंगा रिवर बेसिन मैनेजमेंट एंड स्टडीज (सी-गंगा) के संस्थापक डॉ. विनोद तारे ने बताया कि ह्लनमामि गंगे कार्यक्रम के तहत सीवेज उपचार के लिए अपनाई गई सभी तकनीकें निर्धारित मानकों के अनुसार फेकल कोलीफॉर्म का उपचार करने में सक्षम हैं। इसके परिणामस्वरूप गंगा बेसिन के भीतर जलीय जीवन में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा बेहतर जल गुणवत्ता और सीवरेज बुनियादी ढांचे में सुधार ने नदी में जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली में अभूतपूर्व योगदान दिया है। यही नहीं इससे गंगा डॉलफि न, ऊदबिलाव और कछुओं की आबादी भी बढ़ी है।

एसडीएफ के मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग ने दो सीटों से चुनाव लड़ा था दोनों हार गए

विधानसभा चुनाव : सिक्किम में केएमएस अरुणाचल में बीजेपी फिर सरकार बनाएगी

- अरुणाचल की 60 सीटों में से 46 सीटें भाजपा ने जीती
- सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा 32 में से 31 सीट जीती
- पीएम ने ईटानगर में किया था रोड़ शो

एजेंसी/नई दिल्ली

अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा चुनावों का नतीजा रविवार 2 जून को आया। अरुणाचल की 60 सीटों में से 46 सीटें जीतकर भाजपा लगातार दूसरी बार सरकार बनाएगी। वहीं, सिक्किम में सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा 32 में से 31 सीट जीतकर फिर से सरकार बनाने जा रहा है। दोनों राज्यों में 19 अप्रैल को एक चरण में वोटिंग हुई थी। अरुणाचल भाजपा को 60 में से 46 सीट पर जीत मिली। पार्टी ने पहले ही 10 सीटों पर निर्विरोध जीत दर्ज कर ली थी। इसलिए चुनाव 50 सीटों पर ही हुए थे। राज्य में भाजपा का नेशनल पीपुल्स पार्टी के साथ गठबंधन है। एनपीपी को 5 सीटें मिलीं। इस लिहाज से अरुणाचल में एनपीपी के पास 51 सीटें हैं। अरुणाचल में भाजपा ने सभी 60 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जबकि कांग्रेस ने केवल 19 सीटों पर कैंडिडेट्स उतारे थे। सभाओं-रोड शो की बात करें तो पीएम नरेंद्र मोदी ने 9 मार्च को ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) में रोड शो किया था। राहुल-प्रियंका गांधी ने यहां सभा नहीं की। 2019 के आम चुनावों के बाद एसकेएम का भाजपा के साथ गठबंधन हुआ था, लेकिन इस बार चुनावों से पहले भाजपा ने सिक्किम में अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान करके गठबंधन तोड़ दिया था।सिक्किम में सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा ने सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट का सफाया कर दिया। 25 साल (1994-2019) सत्ता में रहे एसडीएफ को इस बार महज एक सीट मिली। एसडीएफ के मुख्यमंत्री रहे पवन कुमार चामलिंग ने दो सीटों से चुनाव लड़ा था और वे दोनों से हार गए। इससे जनता का सरकार के प्रति आक्रोश स्पष्ट नजर आ रहा है। जनता से शीरे से नाकार दिया।

सिक्किम में एसकेएम के जीतने की 3 वजहें

- **इन चुनावों से पहले सिक्किम में युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई और राज्य में मुख्यमंत्री की योजनाओं का भी बड़ा असर रहा।**
- **देश में पीएम आवास योजना तो है ही, लेकिन सिक्किम में भी मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत लोगों को घर दिए गए, जिससे जनता में सकारात्मक संदेश गया।**
- **चुनाव में एसडीएफ ने सत्ताधारी एसकेएम पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। चुनाव से ठीक पहले जब बाढ़ आई, तो एसडीएफ के शासन में बनी योजनाओं के अधूरेपन और भ्रष्टाचार के आरोपों की पोल खुल गई। इसका एसडीएफ पर नकारात्मक असर पड़ा और जनता ने भरोसा जताया।**

तमांग ने जिद और जज्बे से बनाया मुकाम

प्रेम सिंह तमांग पश्चिम सिक्किम से आते हैं। 1990 के दशक की शुरूआत से सक्रिय राजनीति करने वाले प्रेम सिंह तमांग ने 2019 में सिक्किम की 25 वर्षों की पुरानी पार्टी को पवन चामलिंग की सत्ता को उखाड़ फेंका। उल्लेखनीय है कि 1993 में प्रेम सिंह तमांग सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट में शामिल हुए। वे 1994 में चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे और उन्हें राज्य सरकार में मंत्री भी बनाया गया। 2009 तक वे कैबिनेट मंत्री बने रहे। इसके बाद उन्होंने बगावत 2013 में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा का गठन किया। 2019 में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा। 2019 में एसकेएम ने राज्य की 32 में 17 सीटों पर जीत हासिल की और प्रेम सिंह तमांग राज्य के मुख्यमंत्री बने। प्रेम सिंह तमांग ने राज्य के 25 साल तक मुख्यमंत्री रहे पवन चामलिंग को हराया था। उल्लेखनीय है कि 1994 से लगातार पवन कुमार चामलिंग सिक्किम के मुख्यमंत्री थे।एसकेएम की आंधी में डटे रहे तेनजिंग नोरबू 2019 में 15 सीट जीतने और 25 वर्षों तक सिक्किम में राज करने वाली पार्टी एसडीएफ का इस बार सूपड़ा साफ हो गया। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा की इस आंधी एक विपक्षी उम्मीदवार ऐसा भी रहा जिसने डटकर मुकाबला किया और जीत भी दर्ज की।

कांग्रेस के जयराम रमेश का आरोप...गृहमंत्री अमित शाह ने 150 डीएम को किया है फोन

केटी न्यूज/नई दिल्ली

भारत के चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश से जवाब तलब किया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर रमेश ने आरोप लगाया था कि गृहमंत्री अमित शाह ने मतगणना से कुछ दिन पहले 150 जिला मजिस्ट्रेटो को फोन किया है। चुनाव आयोग ने रमेश से तथ्यात्मक जानकारी और विवरण मांगा है। आयोग ने उन्हें दो जून की शाम तक का समय दिया है। पत्र में आयोग ने कही यह बात कांग्रेस महासचिव रमेश को लिखे पत्र में चुनाव आयोग ने कहा कि मतों की गिनती की प्रक्रिया प्रत्येक आरओ पर डाला गया एक पवित्र कर्तव्य है। एक वरिष्ठ, जिम्मेदार और अनुभवी नेता द्वारा इस तरह के सार्वजनिक बयान संदेह पैदा करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, किसी भी डीएम ने अनुचित प्रभाव की सूचना नहीं दी है। आयोग ने जयराम रमेश से 150 डीएम का विवरण और जानकारी मांगी है, जिन्हें अमित शाह ने प्रभावित किया है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया था कि गृह मंत्री अमित शाह डीएम/कलेक्टरों को फोन कर रहे हैं। उन्होंने इसे भाजपा की हताशा कहा था। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को धमकी के दबाव में नहीं आना चाहिए। अब तक उन्होंने 150 लोगों से बात की है। चार जून को पीएम मोदी, अमित शाह और भाजपा सत्ता से बाहर हो जाएगी और इंडी गठबंधन विजयी होगा। अधिकारियों को किसी भी दबाव में नहीं आना चाहिए और संविधान को बनाए रखना चाहिए। भारत एक लोकतांत्रिक देश है। यहां जनादेश को समर्थन मिलना चाहिए। यदि इसमें बदलाव होता है तब देश संकट में आ जाएगा। अंतिम चरण के मतदान के बाद एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) सामने आ चुके हैं। सभी सर्वे में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया है। इनमें सत्तारूढ़ गठबंधन राजग के तमिलनाडु और केरल में अपना खाता खोलने का अनुमान लगाया गया है। इसके साथ ही कर्नाटक में फिर से एकतरफा जीत हासिल करने का अनुमान भी जताया गया है। भाजपा ने अपने गठबंधन के लिए 400 पार का नारा दिया था। फिलहाल तीन सर्वे में भाजपा+ को 400 या उससे ज्यादा सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं दूसरी ओर एग्जिट पोल के आसार आने के बाद आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। हर कोई अपना ठीकरा दूसरे के सिर पर फोडने का प्रयास कर रहा है। अगर एग्जिट पोल सच साबित होते हैं, तो मोदी अपनी पार्टी को लगातार तीसरी बार चुनाव में जीत दिलाने के मामले में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे।

एलओसी पार लॉन्च पैड सक्रिय, 70 आतंकी घुसपैठ की फिराक में

एजेंसी/गोंडा

सुरक्षा बल सतर्क पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि रंजन स्वैन ने कहा कि नियंत्रण रेखा के पार लॉन्च पैड सक्रिय हैं। करीब 70 आतंकवादी घुसपैठ की फिराक में हैं। सीमा पर सुरक्षाबल पूरी सतर्कता के साथ तैनात हैं। दुश्मन के किसी भी नापाक इरादे को कामयाब नहीं होने देंगे। सुरक्षा को लेकर हुई विभिन्न बैठकों में यह निष्कर्ष सामने आया है कि सीमा पार से घुसपैठ कर आतंकियों, हथियार नशे की खेप को भेजने के प्रयास अब भी किए जा रहे हैं, जिन्हें सतर्क सुरक्षा बल नाकाम बना रहे हैं। डीजीपी ने कहा कि अलग-अलग स्थानों पर पांच या छह के समूहों में लगभग 60-70 घुसपैठिये सीमा में घुसने की फिराक में हैं। सेना, अर्धसैनिक बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस पूरी तरह से दृढ़ हैं कि विरोधी को सफल नहीं होने देंगे। डीजीपी ने कहा कि प्रदेश में सक्रिय स्थानीय आतंकवादियों की संख्या अब केवल 22 रह गई है। आतंकवाद का केंद्र बिंदु अब स्थानीय आतंकवाद से विदेशी आतंकवाद की ओर स्थानांतरित हो गया है।

केजरीवाल ने तिहाड़ जेल में सरेंडर किया, आधे घंटे बाद कोर्ट ने 5 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार (2 जून) की शाम 5 बजे तिहाड़ जेल में सरेंडर किया। इससे पहले वे आम आदमी पार्टी के दफ्तर गए और कार्यकताओं से मिले। उन्होंने कहा कि मैं देश बचाने के लिए जेल जा रहा हूं। मुझे नहीं पता कब वापस आऊंगा। वहां मेरे साथ क्या-क्या होगा, मुझे नहीं पता।'दिल्ली सीएम ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल कल सामने आए। लिखकर ले लीजिए, ये सभी एग्जिट पोल फर्जी हैं। एक एग्जिट पोल ने राजस्थान में बीजेपी को 33 सीटें दी थीं, जबकि वहां सिर्फ 25 सीटें हैं। असली मुद्दा यह है कि उन्हें ऐसा क्यों करना पड़ा? उन पर दबाव बनाया गया होगा।'वहीं, सरेंडर करने के करीब 30 मिनट बाद ही राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल को 5 जून तक ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया। एजेंसी ने केजरीवाल की कस्टडी के लिए आवेदन दायर किया था। दिल्ली सीएम के अंतरिम जमानत पर होने के चलते आवेदन पेंडिंग था। ड्यूटी जज संजीव अग्रवाल ने सुनवाई की और आवेदन को स्वीकार किया। केजरीवाल को जेल से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था। केजरीवाल पहले राजघाट गए, फिर हनुमान मंदिर में पूजा कीदिल्ली के मुख्यमंत्री पहले राजघाट पहुंचे। यहां उन्होंने महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद केजरीवाल ने कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में भी दर्शन किए। इसके बाद वे आम आदमी पार्टी के ऑफिस पहुंचे। दिल्ली शराब नीति मामले में उनकी अंतरिम जमानत शनिवार (1 जून) को खत्म हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को चुनाव प्रचार के लिए उन्हें अंतरिम जमानत दी थी।

सत्ता मिलेगी या 2004 के बाद पहली बार बहुमत से रह सकते हैं दूर, कड़े मुकाबलें की संभावना

ओडिशा में सीएम नवीन पटनायक की अग्निपरीक्षा

केटी न्यूज/भुवनेश्वर

देश के पूर्वी राज्य ओडिशा में लोकसभा चुनावों के साथ विधानसभा के लिए भी वोट पड़े थे। इसके परिणाम भी 4 जून को सामने आने हैं। 4 जून को पता चल पाएगा कि ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल सत्ता में वापसी करती है या जनता इस बार भाजपा को मौका देने वाली है। ओडिशा में विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ, चार चरणों में, 13 मई से 1 जून के बीच हुए। एक्सिस माय इंडिया एग्जिट पोल के लोकसभा चुनाव परिणामों के अनुमान के मुताबिक बीजेपी राज्य में 18-20 सीटें जीत सकती है, जबकि बीजेडी को 2 महज सीटें मिलने का अनुमान है। एग्जिट पोल के मुताबिक इंडिया ब्लॉक को ओड़िशा एक सीट से संतोष करना पड़ सकता है। टुडेज चाणक्य के एग्जिट पोल में लोकसभा चुनाव की बात करें तो ओडिशा में भाजपा को सभी 16 सीटों पर जीत सकती है। जन की बात एग्जिट पोल के मुताबिक, बीजेपी 15-18 सीटें जीत सकती है वहीं बीजेडी 3-7 सीटें जीत सकती है। वहीं विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल की बात करें तो ओड़िशा में दोनों की पार्टियों बीजेपी और बीजेडी को बराबर सीटें मिलने का अनुमान है।ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल लगातार छठी बार सरकार बनाने के दावे कर रही है। हालांकि, यहां की 147 सदस्यीय विधानसभा के समीकरणों में बदलाव की बात कहते हुए भाजपा ने दावा किया है कि पूर्वी भारत के इस राज्य में सत्ता परिवर्तन तय है। इस बार राज्य 17वीं विधानसभा का गठन होगा। जानिए, फिलहाल किस दल के पास कितनी सीटें हैं:इस बार इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया के ओड़िसा विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल के मुताबिक राज्य में सत्तारूढ़ नवीन पटनायक की पार्टी बीजू जनता जनता दल को 62 से 80 सीटें मिल सकती हैं। वहीं दूसरी ओर, भाजपा को भी 62 से 80 सीटें मिलने का अनुमान जताया जा रहा है। एग्जिट पोल के आंकड़ों के मुताबिक कांग्रेस पार्टी को राज्य विधानसभा में पांच से आठ सीटें जीतने का अनुमान है। ओड़िसा विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल आंकड़ों के अनुसार राज्य में बीजू जनता दल 2004 के बाद पहली बार बहुमत के आंकड़े से दूर रह सकती है।

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने जारी की तिथि : जून 11 से एसटीईटी के दूसरे पेपर की परीक्षा

- अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश पत्र 5 जून को समिति की वेबसाइट पर होगा अपलोड

केटी न्यूज/पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बिहार बोर्ड) द्वारा आयोजित एसटीईटी-2024 के प्रथम पेपर-2 की परीक्षा 11 जून से शुरू होगी। यह परीक्षा 19 जून तक चलेगी और दो पालियों में सीबीटी (कंप्यूटर आधारित टेस्ट) माध्यम से निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश पत्र 5 जून को समिति की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। अभ्यर्थी अपने यूजर आईडी के रूप में एप्लीकेशन नंबर और पासवर्ड के रूप में अपनी जन्मतिथि का उपयोग करके समिति की वेबसाइट से अपना मूल प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा में शामिल होने के लिए यह प्रवेश पत्र आवश्यक होगा, इसलिए अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे इसे समय पर डाउनलोड कर लें और परीक्षा के दिन इसे साथ लेकर आएं।

सारण जिले में स्थगित परीक्षा की नई तिथि: सारण जिले में 22 मई से 26 मई तक स्थगित की गई परीक्षा अब 9 जून को पटना जिला मुख्यालय में आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा का प्रवेश पत्र 3 जून को समिति की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को अपने प्रवेश पत्र को जल्द से जल्द डाउनलोड कर लेना चाहिए और परीक्षा केंद्र पर इसे लेकर जाना अनिवार्य होगा।

परीक्षा की तैयारी और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी: परीक्षा की तैयारी के लिए अभ्यर्थियों को कुछ महत्वपूर्ण बातें ध्यान में रखनी चाहिए। सबसे पहले, परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचना अनिवार्य है ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। साथ ही, अपने प्रवेश पत्र के साथ एक वैध फोटो पहचान पत्र भी साथ लेकर आएं। परीक्षा केंद्र पर किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जैसे मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, कैलकुलेटर आदि ले जाने की अनुमति नहीं है। परीक्षा के दौरान अनुशासन बनाए रखें और निर्देशों का पालन करें।

समिति की वेबसाइट और अन्य जानकारी: बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की आधिकारिक वेबसाइट पर परीक्षा से संबंधित सभी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध होगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे समय-समय पर वेबसाइट चेक करते रहें ताकि कोई भी महत्वपूर्ण सूचना उनसे छूट न जाए। इसके अलावा, यदि किसी अभ्यर्थी को प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में किसी प्रकार की कठिनाई होती है, तो वे तुरंत समिति के हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। समिति के अधिकारी इस संबंध में आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे। एसटीईटी-2024 की परीक्षा एक महत्वपूर्ण अवसर है और अभ्यर्थियों को अपनी पूरी तैयारी के साथ इसमें शामिल होना चाहिए। परीक्षा की तिथियों का ध्यान रखते हुए, अपने अध्ययन की योजना बनाएं और समय का सदुपयोग करें। बिहार बोर्ड द्वारा निर्धारित सभी निर्देशों का पालन करें और परीक्षा के दौरान शांत और संयमित रहें। यह परीक्षा आपके भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे गंभीरता से लें और सफलता की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाएं।

दुर्घटनाग्रस्त होते-होते बची ट्रेन, बच्चे की सूझ-बूझ से टला बड़ा रेल हादसा

केटी न्यूज/पटना

समस्तीपुर में एक बड़ा रेल हादसा टल गया है। यहां एक बच्चे की सूझबूझ से समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड पर हावड़ा से काठगोदाम जा रही बाघ एक्सप्रेस दुर्घटना का शिकार होने से बच गयी। जानकारी के अनुसार, समस्तीपुर रेलवे स्टेशन से आगे अप लाइन पर रेल की पटरी टूटी हुई थी। उसी समय न्यू कॉलोनी निवासी मो. शकील का 14 वर्षीय पुत्र मो. शाहबाज रेल लाइन होकर अपने घर जा रहा था। उसकी नजर टूटी हुई पटरी पर पड़ी। उसी समय से ट्रेन भी दिख गई। उसने अपने गले में लपेटा लाल रंग का गमछा हिलाना शुरू कर दिया। उसे गमछा हिलाते देख ट्रेन के चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दी तब तक ट्रेन की तीन बोगी टूटी पटरी को पार कर चुकी थी। वहीं, ट्रेन रोकने के बाद लोको पायलट विद्यासागर नीचे उतरे और किशोर से गमछा हिलाने का कारण पूछा तो उसने पटरी टूटी होने की जानकारी दी। लोको पायलट व गार्ड ने टूटी पटरी देखने के बाद विभाग को सूचना दी। जिसके बाद ट्रैक मेंटनेंस टीम पहुंची।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह दिल्ली दौरा निजी कारणों से बताया जा रहा है

दिल्ली पहुंचते ही नीतीश ने किया बड़ा दावा...पीएम नरेंद्र मोदी लगाएंगे हैट्रिक

- भाजपा और जदयू दोनों को कुछ सीटों पर कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ सकता है
- एग्जिट पोल में एनडीए को प्रचंड बहुमत मिलता दिख रहा है

केटी न्यूज/पटना

2024 के चुनावी रण में फैसले की घड़ी आ चुकी है। 4 जून को वोटों की गिनती के साथ लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आएंगे। हालांकि, नतीजों से पहले सियासी पारा चढ़ता दिख रहा है। राहुल गांधी रविवार अचानक कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। उधर, बिहार के सीएम नीतीश कुमार दिल्ली आए हैं। वे सुबह करीब 11 बजे सीएम आवास से हवाईअड्डे के लिए रवाना हुए और दोपहर में दिल्ली पहुंचेंगे। सीएम नीतीश का यह दिल्ली दौरा निजी कारणों से बताया जा रहा है। हालांकि ऐसी भी खबर है कि वे दिल्ली में एनडीए के कुछ नेताओं से मिलेंगे। इसमें लोकसभा चुनावों से जुड़ी संभावनाओं पर चर्चा हो सकती है। सीएम नीतीश का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब 4 जून को आम चुनाव के नतीजे आयेंगे। उनके इस दौरे से सियासी अटकलों का दौर गर्म है। इस बीच, एग्जिट पोल में एनडीए को प्रचंड बहुमत मिलता दिख रहा है। बिहार के एग्जिट पोल में भाजपा,जदयू और लोजपा (रा) को जीत का अनुमान है, ऐसे में सीएम नीतीश के दिल्ली दौरे से कयासों का बाजार गर्म है। एक्जिट पोल में यह भी देखने को मिला है कि बिहार में एनडीए को कुछ सीटों पर बड़ा झटका लग सकता है। भाजपा और जदयू दोनों को कुछ सीटों पर कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ सकता है। एनडीए ने पिछले लोकसभा चुनाव में बिहार में 40 में 39 सीटों पर जीत हासिल की थी जो इस बार कुछ सीटों पर पिछडती नजर आ रही है। ऐसे में सीएम नीतीश के दिल्ली दौरे में अगर एनडीए नेताओं की मुलाकात होती है तो इस पर भी चर्चा हो सकती है। सूत्रों के अनुसार सोमवार को नीतीश दिल्ली से वापस भी लौट आएंगे। अपने व्यस्त दौरे में वे कुछ निजी कार्यों को संपन्न करेंगे। संयोग से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी दिल्ली दौरे पर हैं। वे एक दिन पहले ही दिल्ली गये थे और इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल हुए थे। अब दिल्ली में नीतीश कुमार का दौरा होना कई किस्म की चर्चा को जन्म दिए हुए है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी दावा किया है कि एक बार फिर से देश में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी। वहीं, इस बार का चुनाव पिछले चुनावों से बिल्कुल अलग है। विपक्ष इस बार इंडिया गठबंधन के तहत सयुक्त चुनाव लड़ रहा है। जिसके बाद इंडिया और एनडीए गठबंधन के बीच काफी तकरार भी देखने को मिली। इस दौरान बिहार की काफी चर्चा होती रही। सीएम नीतीश कुमार ने ही इंडिया गठबंधन की नींव रखी थी और पहली बैठक पटना में हुई थी. हालांकि सीएम नीतीश बाद में इंडिया गठबंधन छोड़कर एनडीए में शामिल हो गए थे. जिससे बिहार में इंडिया का समीकरण बदलता दिखा. अब सबकी नजर नतीजों पर है। बता दें कि बिहार में सभी सात चरणों में चुनाव हुए। प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है। 4 जून को सबकुछ स्पष्ट हो जाएगा। उससे पहले बिहार में लोकसभा की 40 सीटों के लिए अलग-अलग एग्जिट पोल एनडीए की बड़ी बढ़त के अनुमान की पुष्टि कर रहे हैं, लेकिन एनडीए के प्रदेश की सभी 40 सीटों पर जीत के दावे पर मुहर लगाते नहीं दिख रहे।

युवती की हत्या कर शव को पेड़ से लटकाया, प्रेम प्रसंग में मर्डर की आशंका

पटना। सीतामढ़ी में बदमाशों ने एक युवती की हत्या करने के बाद उसके शव को पेड़ से लटका दिया। पेड़ से लटका युवती का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। प्रेम प्रसंग में युवती की हत्या की बात सामने आ रही है। दरअसल, घटना बथनाहा थाना क्षेत्र के दिग्घी पंचायत के हरि बेला गांव की है, जहां एक युवती की हत्या करने के बाद उसके शव को फंदे के सहारे पेड़ से लटका दिया गया है। घटना के सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने घटनास्थल से आधार कार्ड, दो सेट कपड़ा और मोबाइल बरामद किया है। युवती की पहचान खुशबुदा खातून के रूप में हुई है, जो यूनुस अंसारी की बेटी बताई जा रही है। खुशबुदा बीती देर रात से ही गायब थी। रविवार को इसका शव पेड़ से झूलता बरामद हुआ है। लड़की का पैर जमीन पर टिका है, इससे यह आशंका जाहिर की जा रही है कि पहले युवती की हत्या की गई उसके बाद इसे आत्महत्या के का रूप देने की नीयत से पेड़ को शव को पेड़ से लटका दिया गया है। मौके पर पहुंची बसना पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

काउंटिंग से पहले पप्पू यादव को बड़ी राहत, मतदान से जुड़े केस में मिली जमानत

- पप्पू यादव सहित तीन लोग कोर्ट में हाजिर हुए
- कोर्ट ने 10-10 हजार के दो मुचलकों पर जमानत पर मुक्त करने का दिया आदेश

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव की काउंटिंग से पहले पप्पू यादव को बड़ी राहत मिल गई है। उन्हें एक केस में कोर्ट से जमानत मिल गई है। पप्पू यादव सहित तीन लोग कोर्ट में हाजिर हुए। पूर्व सांसद को न्यायालय से जमानत दिया गया। वह पूर्णिया से निर्दलीय कैंडिडेट हैं। हालांकि, चुनाव के समय में वो कांग्रेस में शामिल हुए थे लेकिन यह सीट राजद के खाते में चली गई थी। लिहाजा, पप्पू ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। दरअसल, पूर्णिया में दूसरे चरण के लोकसभा चुनाव के दौरान वाहन से प्रचार सामग्री और कैश बरामदगी के मामले में कोढ़ा थाना में पूर्व सांसद पप्पू यादव और अन्य पर हुए केस दर्ज किया गया था। जिसके बाद पप्पू यादव सहित तीन लोग शनिवार को कोर्ट में हाजिर हुए। जहां पूर्व सांसद को न्यायालय से जमानत दिया गया। उक्त वाद में तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश समरेन्द्र गांधी की अदालत ने पप्पू यादव सहित अन्य को को 10-10 हजार के दो मुचलकों पर जमानत पर मुक्त करने का आदेश दिया था। वहीं, उक्त आदेश के आलोक में पूर्व सांसद के साथ बलराम यादव एवं मोहम्मद अजमल ने बंध पत्र दाखिल किया। विदित हो कि कोढा अंचलाधिकारी अंजू कुमारी ने कोढा थाना में मामला दर्ज कराया था। निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव के 11 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं डमी ईवीएम के साथ थार गाड़ी से चुनाव प्रचार करते चार लोगों को भी पुलिस ने रात में गिरफ्तार किया था। चुनाव को लेकर सदर एसडीपीओ पुष्कर कुमार के नेतृत्व में छापामारी की गई थी।

केके पाठक को मिली लंबी छुट्टी मंजूर, नीतीश के नजदीकी माने जाने वाले एस सिद्धार्थ को मिली शिक्षा विभाग की कमान

केटी न्यूज/पटना

बिहार के शिक्षा विभाग से आखिरकार बहुचर्चित अधिकारी केके पाठक का वास्ता खत्म हो गया है। केके पाठक ने सरकार के पास लंबी छुट्टी का आवेदन दिया था। सरकार ने उनकी छुट्टी का आवेदन स्वीकार करने के साथ ही मुख्यमंत्री के खास माने जाने वाले अधिकारी को विभाग का प्रभार दे दिया है। केके पाठक ने पूरे जून महीने के लिए छुट्टी मांगी थी. वे 3 जून से 30 जून तक अवकाश में रहेंगे। बता दें कि भीषण गर्मी में सरकारी स्कूलों में छुट्टी को लेकर केके पाठक का सरकार से विवाद हुआ था। बिहार में भीषण गर्मी के कारण सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करीब साढ़े तीन सौ बच्चे एक दिन में बीमार हो गये थे। इसके बाद भी शिक्षा विभाग स्कूलों को बंद करने को तैयार नहीं हुआ था। इसके बाद मुख्यमंत्री ने खुद हस्तक्षेप कर सारे स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया था। लेकिन केके पाठक ने मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद भी शिक्षकों को स्कूल आने का फरमान जारी कर दिया था. पाठक के इस आदेश से नीतीश नाराज थे।

एस सिद्धार्थ को प्रभार : केके पाठक शिक्षा विभाग का प्रभार संभालने के बाद कई दफे छुट्टी पर गये हैं। उनकी छुट्टी के दौरान विभाग में सचिव पद पर तैनात अधिकारी बैद्यनाथ यादव अपर मुख्य सचिव का प्रभार संभालते रहे हैं। लेकिन केके पाठक की स्थायी छुट्टी का मन बना चुकी राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव एस. सिद्धार्थ को शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव का प्रभार सौंप दिया है। एस. सिद्धार्थ कैबिनेट विभाग के भी अपर मुख्य सचिव हैं।केके पाठक से सरकार की नाराजगी तब भी झलकी थी जब शिक्षा विभाग के माध्यमिक शिक्षा निदेशक पद पर तैनात कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव को सरकार ने एक्सटेंशन देने से मना कर दिया था। कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव को केके पाठक का करीबी अधिकारी माना जाता था। 31 मई को वे रिटायर हो रहे थे। उससे पहले केके पाठक ने उन्हें सेवा विस्तार देने का आग्रह सरकार से किया था लेकिन सरकार इसके लिए राजी नहीं हुई थी।सरकारी सूत्र बता रहे हैं कि केके पाठक की शिक्षा विभाग से स्थायी छुट्टी तय हो गयी है। 4 जून तक चुनाव आचार संहिता लागू है। तब तक कोई भी ट्रांसफर पोस्टिंग करने के लिए राज्य सरकार को चुनाव आयोग से अनुमति लेना पड़ता है। सरकार इस फेरे में नहीं पड़ना चाहती। इसलिए 4 जून तक का इंतजार किया जा रहा है। उसके बाद केके पाठक के ट्रांसफर का आदेश जारी होना तय है। केके पाठक ने लगातार मुख्यमंत्री के आदेश को भी नहीं माना है। राज्यपाल से उनका लगातार टकराव चल रहा है। राज्यपाल भी केके पाठक से काफी नाराज हैं। ऐसे में राज्य सरकार शिक्षा विभाग से उनकी परमानेंट विदाई का फैसला ले चुकी है। सिर्फ आचार संहिता खत्म होने का इंतजार किया जा रहा है।

ईवीएम ले जा रहे दारोगा की मौत

पटना। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के मतदान के बाद चुनावी ड्यूटी के दौरान ईवीएम मशीन ले जा रहे दरोगा की इलाज के दौरान पटना एम्स में मौत हो गई। घटना के बाद उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स में रखा गया है। घटना की पुष्टि नवादा थाना के कौवाकोल के प्रभारी प्रदीप कुमार ने की है। दरोगा राम भजन सिंह की मौत की खबर सुनते ही पुलिस महकमे में सन्नाटा पसर गया है। कौवाकोल थाना के प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि दरोगा राम भजन सिंह नवादा के कौवाकोल थाना में दारोगा के पद पर तैनात थे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि राम भजन सिंह मूल रूप से बलिया जिला के गांगहरा गांव के निवासी थे। उनकी मृत्यु की खबर उनके परिजनों को भेज दी गई है और उनके परिवार को इस कठिन समय में समर्थन देने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

पावापुरी मेडिकल कॉलेज में दूसरे दिन भी कामकाज ठप, इमरजेंसी सेवा बाधित

केटी न्यूज/पटना

नालंदा के पावापुरी में डॉक्टर की पिटाई के विरोध में मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर हड़ताल पर हैं। अस्पताल में लगातार दूसरे दिन डॉक्टर और कर्मियों ने इमरजेंसी सेवा ठप कर रखा है। डॉक्टरों और कर्मियों की मांग है कि पिटाई करने वाले को पुलिस जल्द से जल्द गिरफ़्तार किया जाए। ऐसे में ओपीडी सेवा के साथ -साथ इमरजेंसी सेवा ठप रहने से गंभीर रोगी और उसके परिजनों को काफी परेशानियों का सामान करना पड़ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, पावापुरी मेडिकल कॉलेज में मरीज के परिवार द्वारा डॉक्टर के साथ किए गए मारपीट के विरोध में रविवार को इमरजेंसी सेवा बंद कर दिया गया। जिससे मरीज और उनके परिवार काफी परेशान है। यहां पावापुरी ओपी क्षेत्र के पूरी गांव निवासी स्व कमला सिंह के पुत्र सुनील सिंह की तबियत खराब हो गया था। जिन्हें इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं,मृत घोषित किये जाने के बाद परिवार द्वारा चिकित्सक से मृत्यु प्रमाण पत्र का मांग किया। इसी दौरान डॉक्टर के साथ मारपीट किया गया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में पावापुरी ओपी में मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक द्वारा 3 नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक आरोपियों की गिरफ्तारी के मांग को लेकर इमरजेंसी सेवा बंद कर दिया है। उधर, इस संबंध में अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरुण कुमार सिन्हा ने स्थानीय मीडिया को बताया कि डॉक्टरों से बात किया जा रहा है। जल्द ही इलाज शुरू हो जाएगा. अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि डॉक्टर से पूछताछ की गयी है।

रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में हुआ सर्वाधिक मतदान, ब्रह्मपुर में आगे रहीं महिलाएं

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर संसदीय क्षेत्र का चुनाव संपन्न हो गया है। इस चुनाव में सर्वाधिक मतदान रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में हुआ है। यहां एक खास बात और देखने को मिली है कि पुरूष व महिला मतदाताओं का प्रतिशत लगभग बराबर रहा है।

वहीं, ब्रह्मपुर विधानसभा में सबसे कम वोटिंग हुई है। हालांकि, पूरे संसदीय क्षेत्र में मात्र इसी

विधानसभा क्षेत्र में महिला वोटर पुरूषों से आगे रही है। जिला निर्वाचन कोषांग से मिली जानकारी के अनुसार बक्सर लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में कुल 55.39 प्रतिशत मतदान हुआ है। विधानसभा वार मतदान प्रतिशत इस प्रकार है।

बक्सर संसदीय क्षेत्र का फाइनल मतदान प्रतिशत

विधानसभा क्षेत्र	मतदान प्रतिशत	पुरुष	महिलाएं
199- ब्रह्मपुर	52.23 %	51.22 %	52.97 %
200- बक्सर	57.69 %	58.82 %	56.45 %
201- डुमरांव	53.55 %	53.87 %	53.19 %
202- राजपुर	57.83 %	58.62 %	56.97 %
203- रामगढ़	58.67 %	58.70 %	58.65 %
210- दिनारा	53.10 %	54.58 %	51.46 %

भाजपा, राजद व बसपा को बताया जा रहा दावेदार, ददन पहलवान से नहीं हुई जनता प्रभावित

बक्सर में कांटे की रहेगी त्रिकोणीय लड़ाई

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर संसदीय क्षेत्र का चुनाव संपन्न होते ही राजनीतिज्ञ हार जीत के अलग अलग दावे कर रहे है। कुछ लोग मोदी मैजिक के सहारे मिथिलेश तिवारी को विजेता बता रहे है तो कुछ कह रहे है कि इस बार बक्सर से लालटेन जल गई है। वही बसपा के अनिल सम्राट भी अपने जीत के दावे कर रहे है। राजनीतिक प्रेक्षकों की मानें तो अबतक जो आंकड़े सामने आए है, उसमें बक्सर संसदीय सीट की लड़ाई त्रिकोणीय बन गई है। इसमें भाजपा के मिथिलेश तिवारी के साथ ही राजद के सुधाकर सिंह तथा बसपा के अनिल सम्राट के बीच कांटे का मुकाबला बताया जा रहा है।

वहीं, निर्दलीय प्रत्याशी पूर्व आईपीएस आनंद मिश्र को भी जनता का बड़ा समर्थन मिला है। उन्हें पढ़े लिखे लोगों, युवा वर्ग तथा कुछ ऐसे मतदाता जो प्रत्याशी पसंद नहीं आने पर नोटा का बटन दबाते आ रहे है का साथ मिला है। राजनीतिक प्रेक्षकों का कहना है कि भले ही उन्हें बड़ी तादात में लोगों ने पसंद किया है, लेकिन चुनाव के ऐन दिन लोगों का मन बदला तथा उनके जगह भाजपा को वोट दिए है। इसके अलावे भाजपा को मोदी मैजिक पर पूरा भरोसा है। बताया जाता है कि भले ही आनंद मिश्र व सुधाकर सिंह के चलते भाजपा के कुछ ब्राह्मण व राजपूत वोटों में सेंध लगी है, लेकिन इस वर्ग के अधिकांश वोट भाजपा के खाते में ही आए है। इसके अलावे जदयू, लोजपा तथा हम आदि सहयोगी दलों के वोट के चलते भाजपा इस बार भी अपनी जीत के दावे कर रही है। भाजपा को उम्मीद है कि केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं का लाभ लेने वाले मतदाताओं ने भाजपा के पक्ष में मतदान किया है। वही दूसरी तरफ राजद को अपने आधार वोट माई समीकरण पर पूरा भरोसा है। माई वोटरों ने खुलकर राजद के पक्ष में मतदान भी किया है। जबकि राजपूत वर्ग से आने के कारण राजद प्रत्याशी को अपने जाति का वोट मिलने से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसके अलावे वामपंथी संगठनों, वीआईपी व कांग्रेस के वोटरों का साथ मिला है। इसके अलावे पूर्व आईपीएस आनंद मिश्र ने भाजपा के वोट में बड़ी सेंधमारी की है, जिससे राजद खेमा भी अपने जीत के प्रति आश्वस्त नजर आ रहा है।

2019 में भी बसपा प्रत्याशी तीसरे नंबर पर : बसपा खेमे में भी जीत की चर्चा हो रही है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी बसपा प्रत्याशी तीसरे नंबर पर रहे थे। इस बार बसपा प्रत्याशी अनिल कुमार पर भरोसा जताया है। वे बसपा के आधार वोटरों के साथ ही कुशवाहा तथा यादव समाज के कुछ वोटरों को साधने में सफल रहे है। बसपा सुप्रिमो मायावती के बक्सर आने का विशेष फायदा उन्हें मिला है। बसपा प्रत्याशी की मानें तो इस बार उन्हें सभी वर्गों का समर्थन मिला है। जिस कारण उनकी जीत निश्चित है। वही पूर्व विधायक रामचंद्र यादव तथा जाप नेता राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव का समर्थन मिलने के बाद बसपा खेमा काफी उत्साहित है। ऐसे में उनके बसपा से चुनाव जीत दिल्ली जाने से इंकार नहीं किया जा सकता है।

भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी।

राजद प्रत्याशी सुधाकर सिंह।

बसपा प्रत्याशी अनिल कुमार।

निर्दलीय प्रत्याशी आनंद मिश्रा।

लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहे आनंद

लोकसभा चुनाव के दौरान बतौर निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में उतरने वाले असम कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे आनंद मिश्र इस चुनाव में लोगों के दिलों में जगह बनाने में कामयाब रहे है। वे अपने सरल स्वभाव, वाकपटुता, सुलझे छवि के कारण खासकर युवा समाज, पढ़े लिखे लोगों, बुद्धिजीवियों, किसानों के साथ ही महिलाओं की पहली पसंद बन गए थे। एक तरफ कहा जा रहा है कि चुनाव के दिन उनके वोटों में बदलाव हुआ है। लेकिन मतदाताओं की चुप्पी पर पूर्व आईपीएस को पूरा भरोसा है। वे भी अपनी जीत के प्रति आश्वस्त नजर आ रहे है। मतदान के बाद भी मतदाताओं की चुप्पी के बीच पूर्व आईपीएस भी गुल खिला सकते है।

विस चुनाव से ही खिसक गई ददन की जमीन

डुमरांव विधान सभा से लगातार दो बार समेत कुल तीन बार चुनाव जीतने वाले बिहार सरकार के पूर्व मंत्री ददन पहलवान की जमीन पिछले विधानसभा चुनाव से ही खिसक गई है। भले ही इस बार वे काफी ताम झाम के साथ चुनावी मैदान में उतरे थे, शुरू में उनके पक्ष में मतदाताओं की गोलबंदी भी हुई थी। लेकिन, जैसे जैसे चुनाव नजदीक आते गया, वे मतदाताओं के बीच अपना प्रभाव कायम नहीं रख सकें। यह चुनाव उनके राजनीतिक जीवन के लिए भी खास होने वाला है। हालाकि ददन को भी अपने समर्थकों पर भरोसा है। लेकिन प्रेक्षक इस बार उन्हें लड़ाई से बाहर मान रहे है।

का ए काका... अबकी बार एहिजा केकर सरकार बनी!

चुनाव संपन्न होने के बाद लोगों में चर्चा शुरू

चौपाल में जीत हार की चर्चा करते ग्रामीण

प्रकाश कुमार बादल/केसठ

♦ महागठबंधन और एनडीए प्रत्याशियों में कड़ी टक्कर देखने को मिली

लोकसभा चुनाव में कहीं मतदान मुद्दों के आधार पर हुआ, तो कहीं यह मुद्दे अंतिम क्षणों तक हवा-हवाई साबित हुए। महागठबंधन और एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में उनके मतदाता गोलबंद हुए। तो अन्य का झुकाव निर्दलीय प्रत्याशी आनंद मिश्र की ओर भी रहा। कहीं राष्ट्रवाद और विकास पर मतदान हुआ तो कही रोजगार व महंगाई मुद्दा बना के नाम पर वोट मांगा जा रहा था। तो कहीं बदलाव, बेरोजगारी सहित अन्य मुद्दों पर वोट मांगे गए थे।

मतदान पर एक बार फिर जातिवाद हावी : मतदान के दौरान भी जातिगत मुद्दों पर चर्चा और झुकाव देखा गया। महागठबंधन और एनडीए प्रत्याशियों में कड़ी टक्कर देखने को मिली। मतदाताओं में भी यहीं ट्रेंड देखा गया। मतदान पर एक बार फिर जातिवाद हावी रहा और कई जगहों पर केवल इसी आधार पर वोट डाले गए। शनिवार को मतदान संपन्न होने के बाद अब लोगों के बीच हार-जीत की गणना होने लगी है। मतदान के बाद लोग पास-पड़ोस, नाते-रिश्तेदार से मिलकर यह जानने को उत्सुक दिखे की औरों ने किस प्रत्याशी को वोट किया। लोग अलग अलग प्रत्याशियो के गुणों का भी आपस में चर्चा कर रहे है। ऐसा ही नजारा नया बाजार केसठ के एक चाय के दुकान पर देखा गया, जहां बैठे चाय की चुस्की के रहे लोगो में केंद्र में इस बार किसकी सरकार बनेगी इस विषय पर चर्चा कर रहे थे। वही कुछ पार्टियों के समर्थक अपने अपने दल की सरकार बनने का दावा भी कर रहे है। जबकि कुछ बुजुर्गों का कहना है कि सरकार किसी की भी बने देश, राज्य और जिले का विकास होनी चाहिए। कहा है कि अब तो 4 जून को ही पता चलेगा की किसकी सरकार बन रही है।

समर्थकों के बीच जमकर बहश हुई : एक ऐसा ही नजारा नया बाजार स्थित एक फास्ट फूड दुकान पर देखने को मिला कहा लोग एनडीए और इंडिया के समर्थकों के बीच जमकर बहश हुई। कुछ एनडीए के पक्ष में तो कोई इंडी गठबंधन की बात कर रहे थे। वही युवाओं का कहना है कि सरकार किसी की बने हमे रोजगार चाहिए है। लोगों के बीच की ये चर्चा देखने में काफी रोचक लग रहा था। अब देखना ये है कि बक्सर सीट पर किसके सिर ताज चढ़ेगा।

चुनाव ड्यूटी में लगे एक दर्जन जवान अस्पताल में इलाजरत, कई डिस्चार्ज

केशव न्यूज/डुमरांव

एक ओर गर्मी का प्रकोप कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है, जिसके कारण आम जनजीवन काफी प्रभावित हो गया है। आए दिन लोग बीमार पड़ अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं। इस गर्मी का असर चुनाव ड्यूटी में लगे जवानों पर काफी पड़ा है। कई बीमार होकर अपनी इलाज करा रहे हैं तो कई इलाज करा स्वस्थ्य हो लौट गए। अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव में अनुमंडल क्षेत्र के बूथों पर बीमार पड़े जवानों का इलाज हुआ। वहीं आधा दर्जन का इलाज रविवार को भी चल रहा था। मतदान करने गए कई मतदाता भी बीमार हो अस्पताल में भर्ती हो इलाज करा रहे थे।

इस भीषण गर्मी मतदान के दौरान ड्यूटी पर तैनात लगभग एक दर्जन जवान बीमार हो गए। सभी का उल्टी और लूज मोशन की शिकायत रही है। लिहाजा अस्पताल में भर्ती करा उन्हें पानी चढ़ाया जा रहा है। बीमार जवानों में जतीन, दीपक, बीएमपी-19 बेगूसराय की यास्मीन जहां, स्वीटी सिन्हा जो इलाजरत थे। उन्होंने बताया की तेज धूप में ड्यूटी करने से हमलोग बीमार पड़े हैं। हालांकि ड्यूटी से उन्हें कोई नाराजगी नहीं है। गर्मी इतनी पड़ रही है कि सूर्य की तिखी धूप लोगों को विचलित कर देती है। बीमार जवानों में अधिक उल्टी और लूज मोशन के शिकार थे। अस्पताल में जो व्यवस्था थी, उससे सभी संतुष्ट थे। जवानों ने बताया की कुछ बीमार जवान ठीक होकर लौट गए हैं। यह भी धीरे-धीरे स्वस्थ्य हो रहे थे। इसमें कुछ ऐसे बीमार मरीज थे, जो इस गर्मी से बीमार पड़े हुए थे। छोटी बच्ची युवती स्वीटी सिन्हा ने बताया की गर्मी के कारण परेशानी हुई है। चिकित्सक भी आकर पूछताछ कर हैं, अब कोई परेशानी नहीं है। इस दौरान डॉक्टर लोगों को गर्मी से बचाव की सलाह भी दे रहे थे।

मतगणना की तैयारी में प्रशासन, दस्तावेजों की हुई समीक्षा

♦ 30 बूथों पर मिली थी कदाचार एवं ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत

केटी न्यूज/बक्सर

लोकसभा चुनाव संपन्न होते ही भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चुनाव प्रेक्षक एके जॉय, एवं निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम अंशुल अग्रवाल मतगणना की तैयारियों में जुट गए है। इसी कड़ी में रविवार को दोनों अधिकारियों ने मतदान समाप्ति के उपरांत प्रारूप 17क तथा अन्य दस्तावेजों की समीक्षा बाजार समिति बक्सर में की। सामान्य प्रेक्षक एवं निवार्ची पदाधिकारी द्वारा विधानसभा वार ऐसे 30 मतदान केन्द्रों के दस्तावेजों की जांच पड़ताल की जहां पर मतदान के दौरान कदाचार से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई या फिर वैसे मतदान केंद्र जहां ईवीएम में तकनीकी खराबी की सूचना मिली थी। इसके अलावे जिन मतदान केन्द्रों के दस्तावेजों का निरीक्षण किया गया, उनमें वैसे मतदान केन्द्र शामिल थे, जहां मतदान अभिकर्ता की अनुपस्थिति में या सिर्फ एक मतदान अभिकर्ता की उपस्थिति में मतदान संपन्न हुआ। मतदाताओं की संख्या जिन्होंने अपना मतदान ईपिक अथवा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी वैकल्पिक दस्तावेजों के द्वारा किया हो जिनकी संख्या मतदान केंद्रों पर कुल मतदान की संख्या के 25 प्रतिशत से ज्यादा हो। मतदान केंद्र जहां 10 प्रतिशत से ज्यादा ऐसे मतदाता मतदान किए हो जो एएसडी के रूप में पहचाने गए हो।

समीक्षा में कम या अधिक मतदान प्रतिशत वाले बूथों पर भी रहा नजर : सामान्य प्रेक्षक तथा डीएम के संयुक्त समीक्षा के दौरान ऐसे मतदान केन्द्रों के दस्तावेजों का निरीक्षण भी किया गया जहां मतदान प्रतिशत 15 प्रतिशत ज्यादा या 15 प्रतिशत कम हुआ था। इसके अलावे ऐसे समीक्षा में ऐसे मतदान केन्द्र के दस्तावेजों का अवलोकन भी किया गया जहां कम से कम 05 निविदत या अभ्याक्षेपित की सूचना मिली हो। उक्त बिंदुओं के आलोक में समीक्षा की सम्पूर्ण प्रक्रिया में उपस्थित अभ्यर्थी व निर्वाचन अभिकर्ता की सक्रिय भागीदारी रही एवं सभी लोग समीक्षा की प्रक्रिया से संतुष्ट रहें। इस समीक्षा के बाद संसदीय क्षेत्र में निष्पक्ष मतदान पर मुहर भी लग गई है।

बाजार समिति में सुबह आठ बजे से शुरू हो जाएगी मतगणना

लोकसभा चुनाव की मतगणना मंगलवार को बाजार समिति परिसर में की जाएगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए निवार्ची पदाधिकारी सह डीएम अंशुल अग्रवाल ने बताया कि मतगणना की प्रक्रिया सुबह आठ बजे से शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि एक साथ पोस्टल बैलेट व ईवीएम दोनों की काउंटिंग शुरू की जाएगी। इसके लिए बाजार समिति के गोदाम संख्या 7 एवं आठ को मतगणना कक्ष बनाया गया है। गोदाम संख्या सात में दो विधानसभा क्षेत्र व पोस्टल बैलेट की गिनती की जाएगी जबकि गोदाम संख्या आठ में चार अन्य विधानसभा क्षेत्र क ईवीएम मशीनों की काउंटिंग होगी। डीएम ने बताया कि मतगणना के लिए प्रत्येक विधानसभा में 14-14 टेबल बनाए गए है। जहां एक साथ प्रत्येक विधानसभा के 14-14 ईवीएम मशीन की काउंटिंग शुरू होगी। उन्होंने कहा कि मतगणना 22 से 25 राउंड तक की जाएगी। इसके बाद ही परिणाम सामने आएगा। उन्होंने कहा कि मतगणना कक्ष पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है। काफी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया जाएगा। इसके अलावे सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए है। उन्होंने बताया कि मतगणना पूरी निष्पक्षता के साथ पारदर्शी तरीके से की जाएगी।

एक नजर

मुंगाव में चलती ऑटो पर आम का पेड़ गिरने से महिला की मौत, तीन लोग जख्मी

डुमरांव। रविवार की दोपहर एनएच 120 पर एक चलती ऑटो रिक्शा पर आम का विशाल पेड़ उखड़कर गिर गया। इस घटना में एक महिला यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टेम्पो चालक व उसकी पत्नी समेत कुल तीन यात्री आंशिक रूप से घायल हुए है। घटना दोपहर 12.15 बजे कोरानसराय सराय थाना क्षेत्र के मुंगाव मोड़ के पास की है। घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल डायल 112 तथा स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा उसे उठाकर इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजी। मृतका की पहचान नावानगर थाना क्षेत्र के आथर गांव निवासी बिरेन्द्र सिंह की 46 वर्षीय पत्नी कौशल्या देवी के रूप में हुई है। घटना के बाद से मृतका के स्वजनों का रो रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार मृतका दोहपर में अपने घर से डुमरांव के साफाखाना रोड स्थित अपनी छोटी बहन ललिता देवी पति जगतधारी सिंह से मिलने उसके घर टेम्पो से जा रही थी। जैसे ही उसका ऑटो मुंगाव मोड़ के पास पहुंची कि सड़क किनारे खड़ा एक आम का विशाल पेड़ अचानक टूटकर गिर पड़ा। जिसमें दबने से उसकी मौत हो गई। कोरानसराय थानाध्यक्ष अभय कुमार सिंह ने बताया कि मुंगाव मोड़ के पास पेड़ गिरने से एक महिला यात्री की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

परिजनों की चिख पुकार से गमगीन हो गया था माहौल : महिला की मौत की खबर के बाद घटना स्थल पर पहुंचे परिजनों की चिख पुकार से माहौल गमगीन हो गया था। अनुमंडलीय अस्पताल में मौत की पुष्टि होने के बाद तो परिजन दहाड़े मारकर रोने लगे थे। जानकारी के अनुसार मृतका की दो पुत्रियां तथा दो पुत्र है। बड़ा पुत्र आर्मी की नौकरी करता है। मां की मौत की सूचना मिलते ही वह अपनी ड्यूटि से छुट्टी ले गांव के लिए चल पड़ा है। जबकि पति, छोटे पुत्र तथा दोनों पुत्रियों का रो रोकर बुरा हाल था। उनके आंसू थमने के नाम नहीं ले रहे थे।

बेलहार में मोड़ के पास 24 पीस अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, भेजा जेल

नावानगर। सिकरौल पुलिस ने रविवार को बेलहरी मोड़ के पास से 24 पीस अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्कर को गिरफ्तार किया है। साथ ही उनकी बाइक को जब्त किया है। गिरफ्तार दोनों तस्कर रोहतास जिला के चतरा गांव निवासी चंदन कुमार एवं दिनारा थाना के मनोहरपुर गांव निवासी सुमित कुमार के रूप में हुई है। दोनों तस्कर बाइक पर झोले में शराब रखकर अपने गांव की तरफ जा रहे थे। सिकरौल थानाध्यक्ष बिरेंद्र प्रसाद ने बताया कि गुप्त सूचना पर बक्सर मुख्य नहर मार्ग पर बेलहरी मोड़ के पास वाहन जांच के दौरान एक बाइक पर से बाइक सवार दो युवकों की तलाशी लिया गया। तलाशी के दौरान झोला में रखे कुल 24 पीस अंग्रेजी शराब बरामद हुआ। बरामद अंग्रेजी शराब रॉयल स्टेज 750 एमएल की 12 तथा 375 एमएल की 12 बोतल था। शराब बरामद होने के बाद दोनों युवक को पुलिस ने धर दबोचा। साथ ही दोनों शराब तस्कर के साथ उनकी बाइक को थाना ले आए। जहां गिरफ्तार दोनों तस्कर पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया।

पिछले वर्ष जिले में पाया गया था 1.4 एमएफ रेट, दो प्रखंडों में कम पाया गया था फाइलेरिया का प्रसार

1 % व इससे अधिक एमएफ रेट होने पर प्रखंडों में चलेगा एमडीए

केटी न्यूज/बक्सर

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में 10 अगस्त को सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) राउंड शुरू होने वाला है। जिसके लिए जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण विभाग तैयारियों में लगा हुआ है। फिलवक्त एमडीएम के पूर्व होने वाले नाईट बल्ड सर्वे (एनबीएस) के लिए लैब टेक्नीशियन्स को प्रशिक्षित किया जाना है। जिसके बाद अधिकारियों और कर्मियों को प्रशिक्षित कर एनबीएस को निर्धारित अवधि में सम्पादित किया जाएगा। एनबीएस के आधार पर ही जिले में एमडीए अभियान के संचालन का निर्णय लिया जाएगा।

सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने बताया कि जिले के ग्रामीण व शहरी इलाकों में फाइलेरिया (हाथीपांव) के कई मरीज मौजूद हैं। कई मरीजों में हाथीपांव के गंभीर मामले भी देखने को मिले हैं। उन्होंने बताया कि नाइट ब्लड सर्वे जिले में फाइलेरिया मरीजों को पता लगाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। सर्वे की मदद से फाइलेरिया प्रसार दर का पता लगाया जाता है। नाइट ब्लड सर्वे अभियान की मदद से जिले में हाथी पांव समेत फाइलेरिया से बचाव को लेकर माइक्रो प्लान तैयार करने में सहायता होती है। इससे फाइलेरिया प्रभावित क्षेत्रों पर स्वास्थ्य विभाग अपना ध्यान केंद्रित कर सकेगा और प्रसार दर के अनुसार हाथीपांव से बचाव के लिए लोगों को सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम को सफल बनाने की दिशा में काम करेगा।

लक्षण दिखने पर अनिवार्य रूप से कराई जाए जांच : जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया, फाइलेरिया से बचाव के लिए शुरूआती दौर में ही बीमारी की सही जानकारी जरूरी है। यह तभी संभव है, जब लोगों में शुरूआती यानी लक्षण दिखने पर जांच अनिवार्य रूप से करायी जाए। इसलिए फ्रंटलाइन वर्कर्स के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया का कोई पर्याप्त इलाज संभव नहीं है। लेकिन, इसे शुरूआत में ही पहचान करते हुए रोका जा सकता है। इसके लिए संक्रमित व्यक्ति को फाइलेरिया ग्रस्त अंगों को पूरी तरह स्वच्छ पानी से साफ करना चाहिए। साथ ही सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही डीईसी व अल्बेंडाजोल की दवा का नियमित सेवन करना चाहिए।

चौसा और राजपुर में एक से कम था प्रसार दर

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पिछली बार की एनबीएस रिपोर्ट के अनुसार जिले में माइक्रो फाइलेरिया रेट 1.4 प्रतिशत थी। जिसमें चौसा व राजपुर में एमएफ रेट कम था। वहीं, जिले के सदर प्रखंड, इटाढ़ी, डुमरांव, ब्रह्मपुर नावानगर, सिमरी, केसठ, चौगाई व चक्की प्रखंड में की एनबीएस रिपोर्ट एक से अधिक थी। इसलिए फाइलेरिया प्रसार को देखते हुए जिले के सभी प्रखंडों में एमडीए राउंड चलाया गया था। उन्होंने बताया कि इस बार नाइट बल्ड सर्वे के लिए अन्य साइट्स का चयन किया जाएगा। इसके लिए सभी प्रखंडों से उनके क्षेत्र के मरीजों की जानकारी मांगी गई है। जिसके आधार पर सेंटिनल साइट का चयन कर वहां पर एनबीएस संचालित कराया जाएगा।

समेकित कृषि प्रणाली लघु किसानों के लिए बेहतर विकल्पः डॉ. ए पटनायक

केटी न्यूज/बक्सर

जिलें के कृषकों की समस्या एवं सुझाव लेकर कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर की आगामी कार्ययोजना निर्धारण तथा वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक की तैयारियों के लिए कृषक-वैज्ञानिक संवाद सह वैज्ञानिक सलाहकार समिति की पूर्व बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ए पटनायक, पूर्व निदेशक, भाकृअनुप, भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची, डॉ. अनुप दास, निदेशक, भाकृअनुप का पूर्वी अनुसंधान परिसर पटना तथा उपस्थित

प्रगतिशील किसान बंधुओं द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

प्रक्षेत्र निरीक्षण के बाद कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर के वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रमुख डॉ. देवकरन ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण द्वारा प्रशिक्षण, अग्रिम पंक्ति एवं क्लस्टर प्रदर्शन, प्रक्षेत्र एवं सहभागी बीज उत्पादन, प्रक्षेत्र परीक्षण, प्रसार गतिविधियां तथा चल रहे विविध परियोजना कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। जबकि डॉ. उज्ज्वल कुमार, विभागाध्यक्ष एवं नोडल अधिकारी कृविके, भाकृअनुप का पूर्वी अनुसंधान परिसर पटना ने किसानों को मधुमक्खीपालन तथा संस्थान द्वारा चलाये जा रहे ह्लप्रयासह्व कार्यक्रम की जानकारी दी। निकरा परियोजना अन्तर्गत भीतीहरा गांव के प्रगतिशील किसान राजु पासवान एवं नंदजी को संयुक्त रूप से लघु चूजा उत्पादन हैचरी मशीन (क्षमता-50 इकाई) दिया गया। विशेषज्ञ हरिगोबिंद एवं रामकेवल ने किसानों को खरीफ फसलों की जानकारी दी।

जलवायु परिवर्तन के दौर में लाभकारी है समेकित कृषि : कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. अनुप दास ने समेकित कृषि प्रणाली के महत्व एवं उपयोगिता की जानकारी देते हुए किसानों को निश्चित रूप से इस मॉडल को अपनाने पर बल दिया। जलवायु परिवर्तन एवं बदलते परिवेश में प्रकृति संबंद्ध विविधतापूर्ण तकनीकी प्रयोगों को अपनाने की बात कही तथा रांची संस्थान एवं वहां के किसानों के अनुभव को साझा किया।

समेकित कृषि अपना आय बढ़ा सकते है किसान : मुख्य अतिथि डॉ. ए पटनायक ने समेकित कृषि प्रणाली के प्रसार पर बल देते हुए ज्यादा से ज्यादा किसानों को इससे विविध फसल उत्पादन द्वारा आय अर्जन करने की बात कहीं। तथा इसे अपनाने वाले कृषकों के अनुभवों को साझा किया। साथ ही कुक्कुट पालन एवं बीमारियों के समय पर टीकाकरण पर अधिक जोर दिया। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान हरिनाथ राम, कमलेश कुमार पाण्डेय, घनश्याम मिश्रा, रामप्रवेश दूबे, रितेश चौबे, अजय कुमार पाण्डेय, हरेन्द्र यादव, संजय चौधरी, आदि समेत 31 प्रतिभागी उपस्थित थे तथा इस केन्द्र के आरीफ प्रवेज, राकेश मणि, रवि चटर्जी, राजेश राय, सरफराज अहमद खान, मुकेश, अरविंद, संदीप आदि ने सहयोग किया।

चार जून को आयेगा 14 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला, प्रत्याशियों की बढ़ी धड़कनें

मतदान के आंकलन में जुटे प्रत्याशी और समर्थक, खूब हो रही हार-जीत की चर्चाएं

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर लोकसभा क्षेत्र में अंतिम चरण में हुए मतदान की समाप्ति के बाद 14 उम्मीदवारों का भाग्य इवीएम में कैद होने के साथ जीत हार को लेकर कयास लगाने का दौर शुरू हो गया। हालांकि मतदान के दौरान ही सभी दल के नेता व कार्यकर्ता एक दूसरे के यहां हुए मतदान का रूझान जानने के लिए मोबाइल पर एक दूसरे के संपर्क में बने रहे। लेकिन जैसे ही मतदान समाप्त हुआ प्रत्याशी व उनके समर्थक वोट का आंकड़ा जुटाने में जुट गये। हालांकि मुख्य मुकाबला एनडीए व महागठबंधन के उम्मीदवारों में था, लेकिन बसपा व निर्दलियों की उपस्थिति ने चुनाव का रुख बदल दिया।

उधर आम मतदाता पूरी तरह चुप्पी साध सभी की धड़कन बढ़ाए रखा। मतदान के पश्चात अब हार-जीत को लेकर चचाओं का बाजार गर्म हो उठा है। स्थिति यह रही कि चाहे वह किसी के दरवाजे का चौखट रहा हो या फिर चाय-पान व नास्ते की दुकान, चट्टी-चौराहे रहे हो या फिर खेत-खलिहान, चार लोग जुटे नहीं कि शुरू हो गया हार-जीत की आंकड़ेबाजी का खेल। जमा जुबानी चलने वाले इस खेल में जहां जिस प्रत्याशी हजारों मत के अंतर से जिताया जाता तो पलक झपकते उसी को हरा देने में कोई हिचक नहीं हो रही थी। चाय-पान की दुकानों, बाजारों, गांवों की चौपालों पर समर्थक अपने प्रत्याशी की जीत का दावा ठोक रहे हैं। जीत के लिए बाजियां भी लगाई जा रही हैं। विभिन्न लोगों की मानें तो मोदी लहर का जादू इस चुनाव में भी भाजपा के काम आ रहा है तो कइयों को तेजस्वी यादव की सुनामी दिख रही। वहीं कइयों ने निर्दलियों के पक्ष में खुलकर समर्थन दिया।

सोशल मीडिया पर खूब लग रहे जीत-हार के दांव

सोशल मीडिया पर भाजपा, राजद, बसपा व निर्दलियों के समर्थक अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। मतदान होने से पूर्व सभी प्रत्याशियों के समर्थक सोशल मीडिया पर काफी मुखर रहे हैं। मतदान होने के साथ ही जीत व हार का मंथन का दौर शुरू हो गया है। समर्थकों में आपस में तकरार बढ़ रही है। बातों-बातों में लोगों के सुर तेज होते जा रहे हैं। गांवों से लेकर शहरों तक की अमूमन यही स्थिति है। राजनीतिक लोग चारों ओर मतगणना के पूर्व ही अपने राजनीति गणित के आधार पर जीत-हार का फैसला करते हुए एक-दूसरों के साथ चचाओं में मशगूल हैं। अभी मतगणना तक सब यूं ही चलने वाला है, बस आपस की तल्खियां न बढ़ाएं, ऐसी बुजुर्ग सभी को सलाह दे रहे हैं।

चुनाव प्रक्रिया समाप्त होते ही हार-जीत का आंकलन शुरू

डुमरांव। मतदान का दिन बित गया, अब हार-जीत का घोषणा होना बाकी है। इसको लेकर रविवार को पूरे दिन उम्मीदवार अपने समर्थकों के साथ अपने कार्याल में बैठ पोलिंग एजेंटों से जानकारी ले रहे थे। उसी जानकारी को लेकर हारजीत का गुणा-गणित बैठाने में जुटे हुए थे। विदित हो की इस लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दलों व निर्दलीय सहित कुल 14,प्रत्याशी चुनाव मैदान में खड़े थे। हर कोई अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहा है, फाईनल तो मतदान के दिन होगा। प्रत्याशी और उनके समर्थक महिलाओं के वोट पर गहन विचार कर रहे हैं। इसलिए की उनकी पुरूषों से कम भागीदारी नहीं है, लेकिन कोई आकलन नहीं लगा रहा है कि इनका वोट कहां गया है। महिलाएं भी इसको राज रखी हुई हैं। महिलाओं को उनके परिवार के वोट से सभी आकलन लगा रहे थे, लेकिन मार्केट में इस बात की काफी चर्चा है कि इनका वोट निर्णायक साबित होगा।

इधर चौक-चौराहा, पान, चाय की दुकानों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लोग आपसी बात कर प्रत्याशी को हरा और जीता रहे थे। दुकानदार भी खुश थे की उनकी विक्री बढ़ रही थी। इसमें कुछ ऐसे लोग भी थे, जो कुछ बात बोल लोगों को आक्रोशित भी कर रहे थे। हालांकि दुकानदार इस बात से डर रहे थे की कहीं मारपीट नहीं आपस में कोई कर ले, लेकिन सभी अपने में संयत बरते हुए थे। मतदान का प्रतिशत देखते हुए सभी जीतहार का फासला कम अंतर से होने का अनुमान लगा रहे थे। बहरहाल आगे जो हो वह तो 4 जून को सबके सामने आ जाएगा।

चार को आयेगा 14 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला : अंतिम चरण में शनिवार को बक्सर संसदीय क्षेत्र में मतदान संपन्न हुआ। इस तरह से चुनाव लड़ रहे कुल 14 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में एनडीए समर्थित बीजेपी उम्मीदवार मिथिलेश तिवारी, राजद उम्मीदवार सुधाकर सिंह, बसपा से अनिल कुमार, निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पूर्व आईपीएस आनंद मिश्र, पूर्व मंत्री ददन पहलवान सहित कुल 14 शामिल है। इन उम्मीदवारों में से ही अपना सांसद चुनने को लेकर जिले में मतदाताओं ने मतदान किया। चार जून को मतों की गिनती होगी तो इन उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। अपने समर्थन और विरोध में गये वोटों का अनुमान इन प्रत्याशियों द्वारा लगाया जाता रहा।

एक नजर

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने अपने पैतृक गांव आकर किया मतदान

डुमरांव। लोकतंत्र का महापर्व कितना खास होता है, इसकी बानगी शनिवार के चुनाव में देखने को मिली। दिल्ली विश्वविद्यालय में बतौर इतिहास विभाग के प्रोफेसर व दिल्ली भाजपा से जुड़े प्रो. अखिलेश दूबे मतदान करने के लिए करीब एक हजार किलोमीटर का सफर तय कर अपने पैतृक गांव सिमरी प्रखंड के दुबौली पहुंचे। जहां, उन्होंने अपने बूथ प्राथमिक विद्यालय दुबौली के मतदान केन्द्र संख्या 59 पर मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद उन्होंने कहा कि उन्होंने राष्ट्रहित में मतदान किया है। प्रो. दूबे ने कहा कि लोकतंत्र का यह महापर्व पांच वर्षों के बाद आता है। हमें इसमें चुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान सोंच समझकर करना चाहिए, क्योंकि हमारे द्वारा दिए गए मत से ही सरकार बनती है। वही, मतदान के बाद वे मठिला में चल रहे प्रख्यात संत श्री विश्वकशेन श्री त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के परम शिष्य श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज के महायज्ञ में शामिल होने पहुंचे तथा जीयर स्वामी जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि बक्सर उनकी जन्मभूमि व शिक्षा स्थली भी है। इस भूमि के विकास के लिए उन्होंने कई योजनाएं तैयार की है। जिसे अमली जामा पहनाने का काम आदर्श आचार संहिता बितते ही शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खासकर बक्सर में शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार सृजन कर युवाओं को आत्म निर्भर बनाया जाएगा।

डुमरांव में खुला फिजीयोथेरेपी एंड रिहैब सेंटर, डॉ. बिरेन्द्र राम ने किया उद्घाटन

डुमरांव। डुमरांव में एमके फिजीयोथेरेपी एंड रिहैब सेंटर का उद्घाटन किया गया है। यह सेंटर नगर के स्टेशन रोड स्थित लंगटू महादेव मंदिर के पास खोला गया है। जिसका उद्घाटन प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. बिरेन्द्र राम ने किया है। उद्घाटन के मौके पर उन्होंने बताया कि आज के आधुनिक युग में जब हर कोई सर्वाइकल तथा जोड़ों के दर्द से परेशान हो रहा है, ऐसे में यह फिजीयोथेरेपी व रिहैब सेंटर मरीजों के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने कहा कि फिजीयोथेरेपी चिकित्सा का ही एक महत्वपूर्ण अंग है। इसके सहारे जोड़ो के दर्द, हड्डी टूटने के बाद उसमें आए सूजन तथा उसके संचालन में इसका बड़ा महत्व है। सर्वाइकल बीमारियों में भी फिजीयोथेरेपी की राय दी जाती है। उन्होंने बताया कि यह सेंटर हड्डी तथा नस सहित कई अन्य तरह के मरीजों के लिए काफी उपयोगी होगा। वही फिजीयोथेरेपिस्ट डॉ. एमडी आबिद ने बताया कि इस सेंटर पर गर्दन, बांह, कंधा, पीठ, कमर, घुटना, एड़ी, अंगुली सहित शरीर के किसी भी भाग की हड्डी जोड़ या नस और मांसपेशियों में किसी भी प्रकार के दर्द के अलावे साईटिका, गठिया, कनकनी-झुनझुनी, सूजन, तनाव, जकड़न, लकवा, किसी भी तरह की दिव्यांगता तथा सीपी चाईल्ड आदि का इलाज अत्याधुनिक मशीनों एवं अन्य चिकित्सकीय एक्सरसाईज द्वारा किया जाएगा। मौके पर डॉ. जैनुल होदा उर्फ बब्लू, प्रफ्फुल पांडेय, कुश चौबे, रवि कुमार तिवारी, डॉ. अनवर हुसैन, मकसूद अंसारी, डॉ. हैदर अली, अम्मार अहमद समेत कई अन्य थे।

फेसबुक लाइव आने के बाद पत्रकार ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/ डुमरांव

रविवार की रात एक टीवी चैनल के पत्रकार ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली है। घटना ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में घटित हुई है। मृतक हरी पाठक उम्र 50 वर्ष पिता चंद्रशेखर पाठक मूल रूप से इसी थाना क्षेत्र के कैथी गांव का रहने वाला था तथा लंबे समय से उसका परिवार रघुनाथपुर में घर बना रहता था। आत्महत्या करने से पहले हरि ने फेसबुक लाइव आकर अपने मित्रों तथा शुभचिंतकों को इसकी जानकारी दी और बताया कि वह अपने लाइफ से परेशान हो चुका है इस कारण आत्महत्या करने जा रहा है। इसकी जानकारी मिलते ही तत्काल स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच शव को कब्जे में ले जांच पड़ताल में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार मृतक आरा में रहकर पत्रकारिता करता था तथा वह कई बड़े टीवी चैनलों के लिए काम कर चुका था। उसने शादी भी की थी तथा एक बेटा भी था, लेकिन पत्नी से विवाद के बाद तलाक हो चुका था। अभी कुछ महीना पहले एक जमीन विवाद में फायरिंग करने के आरोप में पुलिस ने उसे तथा उसके पिता को गिरफ्तार कर जेल भी भेजा था। जेल से छूटने के बाद वह अपने जीवन की परेशानियों से जूझ रहा था। इसी बीच रविवार की रात करीब 9:30 बजे उसने अपने कमरे में फांसी लगा आत्महत्या कर लिया। डुमरा डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

राजद नेता पप्पू यादव को पितृशोक

केटी न्यूज/केसठ

केसठ राजद के वरिष्ठ नेता सुनिल कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव के 90 वर्षीय पिता किशोरी यादव का रविवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। जैसे ही इसकी खबर लोगों को लगी, शोकाकुल परिवार से मिल सांत्वना जताने वालों का जमवाड़ा उनके दरवाजे पर उमड़ पड़ा।

लालबाबू कुशवाहा, संतोष कुमार, मोहन यादव, जितेंद्र पहलवान, शिक्षक राजेंद्र प्रसाद जाकिर हुसैन सहित सैकड़ों लोगो ने शोकाकुल परिवार को संवेदना देते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किए। जानकारी देते हुए उनके पुत्र केसठ पंचायत मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान ने कहा कि सोमवार की सुबह सात बजे दाह संस्कार किया जाएगा। बता दें कि वे अपने पीछे दो पुत्रों तथा नाती पोतों से भरा पूरा परिवार छोड़ गए है। उनकी एक पुत्रवधु विद्याभारती अभी कुछ महीने पहले तक बक्सर जिप की चेयरमैन थी। वही सुनील कुमार सिंह उर्फ पप्पू यादव राजद के कद्दावर नेता है तथा वे डुमरांव विधानसभा क्षेत्र से पार्टी का प्रत्याशी भी रह चुके है।

कुमार आर्थोपेडिक क्लिनिक
डा0 अजित किशोर
M.B.B.S (N.M.C.H. Patna) M.D. (P.M.C.H. Patna)
Consultant Physician, Medical Officer (Bihar Govt.)
छाती, पेट एवं शुगर रोग विशेषज्ञ
मो0-9122226720

सारण एसपी ने मंगलवार के लिए पूरे शहर में स्पेशल ट्रैफिक प्लान लागू किया

छपरा में कल होगी मतगणना, तैयारी पूरी

केटी न्यूज/छपरा

छपरा में लोकसभा चुनाव में मतगणना को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। मतगणना के दिन मंगलवार के लिए पूरे शहर में स्पेशल ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। साथ ही सभी चौक चौराहों पर चाक चौकस व्यवस्था किया गया है। मतगणना में राजनीतिक कार्यकताओं के भीड़ के मद्देनजर नए रूट के साथ पार्किंग और इंट्री के लिए कई गेट बनाये गए है।

मतगणना स्थल के 100 मीटर के परिधि में किसी भी वाहन के लिए प्रतिबंध रहेगा। इसको लेकर एसपी कुमार आशीष ने प्रेस विज्ञप्ति जारी किया है। साथ ही सभी मतगणना अभिकर्ता का वाहन साढ़ा में हैलजवुड स्कूल और जगदंबा हार्डवेयर सेंटर के पास होगा। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के अंतर्गत 19- महाराजगंज एवं 20-सारण संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का मतगणना दिनांक चार जून को कृषि उत्पादन बाजार समिति, छपरा में होना निर्धारित है।

छपरा शहर के अंदर और बाहर के लिए जारी ट्रैफिक प्लान, सुरक्षा के कड़े इंतेजाम

1. छपरा शहरी क्षेत्र में भारी/मालवाहक वाहनों का प्रवेश पूर्णतः निषेध रहेगा।

2. मांझी, रिविलगंज, एकमा कोपा, सिवान के तरफ से आने वाले सवारी वाहन बह्मपुर मोड तक मलमलिया, बनियापुर, जलालपुर के तरफ से आने वाले सवारी वाहन मेथवलिया चौक तक तथा पटना, मुजफ्फरपुर, मशरक, मढौरा, गरखा के तरफ से छपरा आने वाले सवारी वाहन मेथवलिया चौक तक एवं आरा, डोरीगंज के तरफ से आने वाले सवारी वाहन भिखारी ठाकुर चौक तक ही आयेगें। उसके आगे सभी प्रकार के सवारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

3. मेथवलिया चौक से मठिया मोड़ के बीच में आवश्यक सेवाओं,प्रशासनिक कार्यों में संलग्न वाहनों,मतगणना अभिकर्ताओ एवं अभ्यर्थियों के वाहन के अलावे अन्य वाहन का परिचालन बंद रहेगा।

4. छपरा शहर से बाहर जाने वाले छोटी वाहन साढा ढाला, मठिया मोड़,नेवाजी टोला चौक होकर अपने गंतव्य को जायेगें।

5. बनियापुर, मशरक, एवं गरखा के तरफ से आने वाले छोटी वाहन जिन्हें छपरा आना हो वे मेहिया ओवरब्रिज होकर नेवाजी टोला, गरखा ढाला, गांधी चौक होते हुए अपने गंतव्य को जायेगें। नेवाजी टोला चौक से मठिया मोड़ की ओर आवश्यक सेवाओं, प्रशासनिक कार्यों में संलग्न वाहनों,मतगणना अभिकर्ताओ एवं अभ्यर्थियों के वाहन के अलावा अन्य वाहन का परिचालन बंद रहेगा।

6. मठिया मोड़ से नेवाजी टोला जाने वाले रोड में हैजल वुड स्कुल के पुरब में स्थित खाली जमीन में एवं जगदम्बा हार्डवेयर दुकान के पीछे स्थित श्री विजय सिंह के खाली जमीन में मतगणना अभिकर्ताओ एवं अभ्यर्थियों के वाहनों की पार्किंग की जायेगी।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
HARNAHI ROAD, DUMRAON, BUXAR- 802119
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
REGISTRATION & ADMISSION STARTED
ELIGIBILITY CRITERIA
• DIRECT ADMISSION with INTERVIEW FOR CLASS X (2024) PASS OUT STUDENTS OF CAMBRIDGE GROUP OF SCHOOLS with 80% MARKS for PCM, 70% for PCB and 60% for COMMERCE STREAM.
• ADMISSION TEST & INTERVIEW WILL BE CONDUCTED FOR THE STUDENTS OF OTHER SCHOOLS.
SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 95% & ABOVE WILL BE GIVEN FULL FREESHIP (100% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
CHAIRMAN - MR. T.N. CHOUBEY
TOPPERS IN AISSCE (Std. XII)
1st SHAKSHI KUMARI 94.80%
2nd ANKIT KUMAR 92.60%
3rd SANJANA KUMARI 92.00%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• English Core - 97 • Mathematics - 95 • Accountancy - 95
• Hindi Elective- 95 • Biology - 96 • Business Studies- 93
• Physics - 95 • Chemistry - 95 • Economics - 94
TOPPERS IN AISSE (Std. X)
1st ARADHYA GUPTA 96.80%
2nd RUKHSAR NAAZ 95.00%
3rd SANANDAN DUBEY 94.80%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• English - 94 • Hindi - 95 • Science - 96
• Sanskrit - 100 • Mathematics - 100 • Social Science - 100
INFORMATION
REGISTRATION FORMS are AVAILABLE and can be OBTAINED from the ADMISSION CELL at CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON, (Junior Wing, Dr. Jagnarayan Hospital Campus) on all working days from 08 AM to 2 PM.
8210918840, 7319972175, 6396686958
www.cambridgeschooldumraon.in
www.facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
LIMITED SEATS Hurry Up

जहानाबाद में राजद व जदयू ने अपनी अपनी जीत का किया दावा

- चौक चौराहों पर हो रहे है जीत हार के दांवे
- अरुण हो सकते है गेम चेंजर

केटी न्यूज/जहानाबाद

लोकसभा चुनाव का मतदान संपन्न होने के बाद जीत हार की चर्चा जोर पकड़ लिया है। आगामी 4 जून को जहानाबाद जिला मुख्यालय स्थित से कॉलेज में मतगणना होनी है। मतगणना में ही साफ होगा कि किसके सिर पर जीत का सेहरा बनेगा। वैसे एनडीए और इंडिया दोनों पार्टी के प्रत्याशी अपने-अपने जीत का दावा कर रहे हैं। वही पूर्व सांसद अरुण कुमार के गेम चेंजर होने की बात सामने रही है ।एक तरफ जहां एनडीए से जदयू प्रत्याशी चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी का कहना है कि जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्र पर हर जाति धर्म के लोगों ने मुझे वोट किया है। मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा किए गए विकास कार्यों के आधार पर वोट मिला है। ऐसी स्थिति में मेरी जीत सुनिश्चित है। तो वही इंडिया गठबंधन के राजद प्रत्याशी सुरेंद्र प्रसाद यादव का कहना है कि इस बार मुझे लोगो का अपार समर्थन मिला साथ ही हर जगह से मुझे बहुत भारी वोट भी प्राप्त हुए है। इसलिए मेरी जीत तय है। मेरी लड़ाई किसी से नहीं है। जितना वोट पोल हुआ है उसमें आधा मेरे पक्ष में है और शेष आधा में बाकी अन्य प्रत्यशियों का है। उन्होंने एग्जिट पोल में एनडीए को दिखाई गई 400 सीट पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पूरे क्षेत्र के लोग भूखे और प्यासे हैं। ऐसी स्थिति में 405 एग्जिट पोल में दिखाना हास्यपद है। उन्होंने साथ तौर पर कहा कि प्रशासन के लोग सत्ता पक्ष के प्रत्याशियों के जीतने के लिए कोई कसर छोड़ना नहीं चाह रहे हैं। यही कारण है कि मतदान के 20 घंटा बीत जाने के बाद भी मुझे अब तक वोट पोलिंग प्रशेंट का लिस्ट नही दिया गया है जबकि इसके लिए मैंने निर्वाचन पदाधिकारी समेत कई अधिकारियों को लिखित आवेदन भी दिया है। उन्होंने कहा कि इस बार चाहे कुछ भी हो हम छोड़ने वाले नही है। इसके लिए कुछ भी करना पड़े ।इधर बीएसपी उम्मीदवार पूर्व सांसद अरुण कुमार के भूमिहारों और दलित वर्ग के साथ समाज के सभी वर्गों के थोड़ा थोड़ा वोट मिलने से उनके गेम चेंजर होने के कयास लगाए जा रहे हैं ।बहरहाल चुनावी दावे जो हों असली परिणाम तो वोटों के गिनती के बाद ही नजर आयेंगे।

रेलवे पुलिस ने यात्री के गुम मोबाइल खोज कर किया वापस

डिहरी ऑन-सोन। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट निरीक्षक राम बिलास राम ने बताया कि डिहरी ऑन सोन स्टेशन प्लेटफार्म संख्या 04 पर ड्यूटी में तैनात आरक्षी हरेराम कुमार को किसी अज्ञात व्यक्ति का खोया हुआ मोबाइल प्राप्त हुआ। उक्त मोबाइल पर आ रहे कॉल से पता चला कि उक्त मोबाइल अरुण कुमार पाठक उम्र 35 वर्ष पिताविजय पाठक ग्राम पांडेडीह थाना चरपोखरी जिला भोजपुर का है तथा उन्होंने बताया कि उक्त मोबाइल डिहरी ऑन सोन स्टेशन में 31मई 2024 को गुम हुआ है।

एक नजर

प्रोजेक्ट संगिनी के तहत नोबा जीएसआर द्वारा सेल्फी विद सैनिटरी पैड कार्यक्रम का आयोजन

सासाराम (रोहतास)। नोबा जीएसआर ने अपने प्रोजेक्ट संगिनी के तहत जिला के तीन स्थानों पर सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसके तहत जिला के बीएमपी, डेहरी ऑनसोन, बम हाई स्कूल, देवरिया, और गोपाल नारायण सिंह यूनिवर्सिटी के युवा छात्र छात्राओं ने भाग लिया। अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में रोहतास के युवाओं ने अहम भूमिका निभाई। अवसर बताया गया कि आने वाले वक्त में नोबा जीएसआर इस मुहिम के तहत रोहतास के दूरदराज इलाकों में भी सैनिटरी पैड मुहैया कराने का प्रयास करेगा, ताकि महिलाओं को सैनिटरी पैड आसानी से उपलब्ध हो सके। साथ ही पूर्विका जो कि नोबा जीएसआर के साथ मिलकर रोहतास में काम कर रही हैं। जो रोहतास की आधी से अधिक महिला आबादी आज भी माहवारी के वक्त कपड़े का इस्तेमाल कर रही है। जिससे इन्फेक्शन का खतरा बढ़ रहा है। इसलिए हमें पैड मुहैया कराने के साथ इसके जागरूकता अभियान चलाना जरूरी है। जिसमें पुरुषों और महिलाओं को साथ मिलकर इस मुहिम में आगे बढ़ना होगा।

चुनावी विवाद में हुई मारपीट महिला समेत तीन जख्मी, 11 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

नोखा (रोहतास)। थाना क्षेत्र के भंवरह गांव में शनिवार की शाम चुनाव में वोगस वोट मारने की शिकायत के बाद उभरे विवाद को लेकर मतदान के बाद दो गुटों के बीच मारपीट में महिला सहित तीन लोग जख्मी हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम एवं एसपी भंवरह पहुंच कर मामले की जानकारी ली। घटना के बाद उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर पुलिस गांव में कैंप कर रही है व पुलिस द्वारा स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। इस संबंध में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालाकार ने बताया कि इस संबंध में नंदलाल सिंह के द्वारा ग्यारह लोगों के खिलाफ मारपीट करने व जान से मारने की धमकी दिए जाने को लेकर एफआईआर दर्ज कराई है।

जनता का मिला है पूरा साथ: उपेंद्र कुशवाहा

डिहरी ऑन-सोन (रोहतास) : राजनीति के केंद्र बिंदू कपूर्री चौक डिहरी में रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री एनडीए के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा ने आज के मतदान में भारी मतों से जीत का दावा किया। वे यहां परिवार और कार्यकताओं संग चाट और गोलगप्पे का आनंद ले रहे थे। चाट दुकान पर उनकी पत्नी स्नेहलता, बेटा और बहु साक्षी मिश्रा कुशवाहा सहित कार्यकर्ता मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अब तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार काराकाट की जनता ने उन्हें आशीर्वाद दे दिया है। मोदी सरकार के कल्याणकारी नीतियों और मोदी की गारंटी पर सभी ने भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि काराकाट की जनता ने उन्हें सम्मान की कुर्सी पर बैठाया जिसके भरोसे अपने कार्यकाल के दौरान विकास संबंधित कार्यों को धरातल पर लाने में सफल रहे। उन्होंने भरोसा जताया कि वे जनता के प्रति समर्पित रहेंगे और विकास की धारा दिखेगी। मौके पर भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री डॉ. मनीष रंजन, रालोमो राष्ट्रीय प्रवक्ता नितिन भारती, रिंकू सोनी, जय प्रकाश कश्यप, विशाल सिंह सहित एनडीए के कार्यकर्ता मौजूद थे।

खबरें फटाफट

बोलें सांसद आरके सिंह... एग्जिट पोल से विपक्ष की आवाज हुई विलुप्त

आरा। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह रविवार को रामलला का दर्शन करने के लिए अयोध्या पहुंचे। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह को सर्किट हाउस में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। सर्किट हाउस में उन्होंने कहा ह्लमैं ईश्वर को धन्यवाद दूंगा कि आज मुझे उनका दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मतदान समाप्त होने के बाद में अयोध्या पहुंचा हूं, ताकि रामलला का दर्शन कर सकूं। इसके साथ ही यहां की बिजली व्यवस्था भी देखकर जो सुधार हो सकेंगे, उसके करेंगे। आरके सिंह ने एग्जिट पोल को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा ह्लएग्जिट पोल जैसे ही निकला वैसे ही विपक्ष के लोगों की आवाज धीमी हो गई। बल्कि लुप्त हो गई। जो एग्जिट पोल आया है उससे ज्यादा ही सीट एनडीए को मिलेगी। मैं शुरू से कह रहा था, इनमें कोई दम नहीं है। ये ऐसा गठबंधन है जो तुरंत बिखर जाएगा। ये लोग कभी अपने नेता को चुन नहीं सके, इनका कोई भविष्य नहीं है। इसलिए इस गठबंधन ने 1 जून को बैठक किया। चार जून को बैठक नहीं किया, क्योंकि यह लोग जानते हैं 5 जून के बाद यह गठबंधन कहीं नहीं रहेगा।

खड़े हाइवा में कार ने मारी टक्कर, तीन दोस्तों की मौत

औरंगाबाद । औरंगाबाद में सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई। कार से पांच दोस्त वाटर पार्क जा रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े हाइवा में टक्कर मार दी। जिसके कारण ड्राइविंग सीट के बगल में बैठे युवक का शव गाड़ी में ही फंसा रह गया। हादसा नगर थाना क्षेत्र में एनएच-19 पर को हुआ। मरने वालों में से दो युवक सन्नी और सोनू की मौत घटना स्थल पर ही हो गई थी। जबकि एक युवक राजा की मौत देर शाम अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। 2 अन्य की स्थिति नाजुक बनी हुई है। परिजनों ने बताया कि हादसे के वक्त गाड़ी की रफ्तार 140 से 150 किमी प्रति घंटे थी। हाई स्पीड होने के कारण परखच्चे उड़ गए। जानकारी के अनुसार सभी युवक रोहतास के डेयरी के कचौड़ी गली के रहने वाले हैं। घायलों और मरने वालों की उम्र 20 से 30 साल के बीच बताई जा रही है। कार में सवार सभी युवक वाटर पार्क गए थे और वहां से वापस लौटने के दौरान घटना हो गई।

हर प्रत्याशी कर रहें अपनी जीत का दावा, सजा रहे अपने सर ताज

काराकाट के 13 प्रत्याशियों के भाग्य का होगा फैसला

- राजनीतिक विशेषज्ञ कर रहे गुणा-गणित, नहीं है कोई स्पष्ट नीति
- अबीर गुलाल उड़ाने के तैयारी में जुटे विभिन्न दलों के समर्थक

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट लोकसभा संसदीय क्षेत्र का चुनाव एक जून को शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। लेकिन मतदान संपन्न होते ही काराकाट लोकसभा संसदीय क्षेत्र समेत अनुमंडल के सभी प्रखंडों के शहरी और ग्रामीण इलाकों में चुनाव परिणाम को लेकर चौक-चौराहों और बाजार की दुकानों पर प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच जीत के दाव पेशा किए जा रहे हैं। मतदाताओं और प्रत्याशियों के समर्थक पूरे दिन एग्जिट पोल पर चर्चा करते दिखे। साथ ही, लोगों की नजरें अब मंगलवार को होने वाले मतगणना के रिजल्ट पर टिकी हैं। मंगलवार चार जून को काराकाट संसदीय क्षेत्र के सभी विधानसभाओं में हुए मतदान की गणना होली है। वहीं, विभिन्न दलों के समर्थक जीत-हार का आंकलन करने में जुट गए है। दूसरी ओर देखा जाए तो काराकाट के इस त्रिकोणीय मुकाबले में किस प्रत्याशी को मतदाता जीत का ताज पहनाने जा रहे हैं, वह रोचक तथ्य बन गया है। जिसे लेकर मतदाताओं के साथ साथ प्रत्याशियों के बीच भी अटकलों का बाजार तेज हो गया है।

जीत को लेकर चचाओं का माहौल चरम पर

काराकाट लोकसभा संसदीय क्षेत्र में 13 प्रत्याशियों का भाग्य शनिवार की शाम को ईवीएम में बंद हो गई। जिसके बाद संसदीय क्षेत्र में अब जीत को लेकर चचाओं का माहौल चरम पर है। वहीं, प्रत्याशियों की जीत और हार को लेकर गणितीय तिकड़मबाजी शुरू हो गई है। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी और उनके समर्थक किस बूथ पर कितना वोट पोल हुआ है और उसमें उन्हें कितना मत प्राप्त हुआ बस इसी जोड़ घटाव में लग गये हैं। समर्थक अपने प्रत्याशियों को मिलने वाले वोटों की गणना प्रत्येक जाति और वर्ग के आधार पर कर रहे हैं। दूसरी ओर चौक-चौराहों व चाय-पान की दुकानों पर भी बस यही चचाएं हो रही हैं। वहीं इस लोकसभा चुनाव में मतदाताओं का वोट बंट जाने के कारण सभी प्रत्याशियों की चिंता बढ़ी हुई है। लेकिन इन सबके बीच उनके समर्थक अपने प्रत्याशी के जीत का दावा ठोक रहे हैं। चर्चा के दौरान समर्थक अपने प्रत्याशी को एक नम्बर पर तो दूसरे को दो या तीन नम्बर पर रख रहे हैं।

काराकाट एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र ने जीत का ठोका दावा

डिहरी ऑन-सोन (रोहतास)। राजनीति के केंद्र बिंदू कपूर्री चौक डिहरी में रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री एनडीए के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा ने आज के मतदान में भारी मतों से जीत का दावा किया। वे यहां परिवार और कार्यकताओं संग चाट और गोलगप्पे का आनंद ले रहे थे। चाट दुकान पर उनकी पत्नी स्नेहलता, बेटा और बहु साक्षी मिश्रा कुशवाहा सहित कार्यकर्ता मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अब तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार काराकाट की जनता ने उन्हें आशीर्वाद दे दिया है। मोदी सरकार के कल्याणकारी नीतियों और मोदी की गारंटी पर सभी ने भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि काराकाट की जनता ने उन्हें सम्मान की कुर्सी पर बैठाया जिसके भरोसे अपने कार्यकाल के दौरान विकास संबंधित कार्यों को धरातल पर लाने में सफल रहे। उन्होंने भरोसा जताया कि वे जनता के प्रति समर्पित रहेंगे और विकास की धारा दिखेगी।

इस बार का चुनाव काफी अहम रहा

काराकाट लोकसभा संसदीय सीट को लेकर चार जून को 13 प्रत्यशियों के भाग्य का फैसला जिला मुख्यालय सासाराम में होगा। जिसके बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि काराकाट लोकसभा की सीट पर किस प्रत्याशी का नाम घोषित होगा। लोगों का कहना है कि इस बार का चुनाव काफी अहम रहा है। प्रत्याशियों ने जनता के आरोप-प्रत्यारोप के बीच लुभावने वादे भी किए, लेकिन इस बार जागरूक मतदाताओं ने अपने विवेक को रखकर मतदान किया। जब तक मतगणना नहीं हो जाता, अनुमान का दौर चालू रहेगा। मगर चुनाव का रिजल्ट चार जून को मतगणना के बाद ही सामने आएगा। जिसकी चिंता ने सबकी रातों की नींद उड़ा रखी है। मंगलवार को मतगणना होने के बाद प्रत्याशियों सहित समर्थकों में कहीं खुशी तो कहीं गम के रूप में देखने को मिलेगी।

2.62 करोड़ रुपए की लागत के बाद भी 12 वर्षों से बेकार पड़ा है पुल

संझौली (रोहतास)। लोकसभा क्षेत्र 35 काराकाट लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के संझौली प्रखंड अंतर्गत बाजितपुर गांव के मतदाताओं ने किया वोट बहिष्कार। वोट बहिष्कार कि सूचना पर पहुँचे एसडीएम अनिल बसाक, एसडीपीओ कुमार संजय, संझौली बीडीओ सैयद सरफराजुदीन अहमद, सीओ किशोर पासवान ने बाजितपुर गांव पहुंच वोट करने के लिए ग्रामीणों को काफी समझाया बुझाया पर ग्रामीणों ने अधिकारियों की बातों को एक न सुनी। ग्रामीणों का कहना था कि रोहतास डीएम आकर हमारी समस्याओं का निराकरण करने को आश्वस्सन दें, तब मतदान करेंगे। काव नदी पर पुल का निर्माण किए वर्षों बीत गए, परन्तु उक्त पुल के दोनो तरफ पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो सका जिससे आवगमन चालू हो सके। संझौली प्रखंड के बाजितपुर गांव के मतदान केंद्र संख्या 172 के ग्रामीणों को मिले अनेकों आश्वासन के बाद सड़क निर्माण न होने कि स्थिति में शनिवार को किया वोट का बहिष्कार। कुशवाहा, कानू एवं यादव जाति के लोगों कि बहुलता है। विदित हो कि वित्तीय वर्ष 2011-2012 में करीब 2.62 करोड़ रुपए से तत्कालीन सांसद के कार्यकाल में काव नदी पर पुल का निर्माण कराया गया था। पुल निर्माण होने के बाद आज तक प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि ने सड़क का निर्माण नहीं करा सके। सड़क का निर्माण न होता देख वोट बहिष्कार का निर्णय लिया। पुल से सड़क न जुड़ने के कारण बरसात के दिनों में गांव वालों को काफी मुश्किल का सामना करना पड़ता है। दूसरे प्रखंड क्षेत्र में प्रवेश कर करीब 15 किलोमीटर अधिक दूरी तय कर या फिर नाव की सवारी का पहुंचते है प्रखंड मुख्यालय। करीब 15 दिन पूर्व बाजितपुर के लोगों द्वारा वोट बहिष्कार की सूचना पर एसडीएम अनिल बसाक के नेतृत्व में अनुमंडल प्रशासन पहुंच कर ग्रामीणों के समक्ष उक्त पुल के सड़क निर्माण का विभाग के कर्मियों से प्राक्कलन बनवाया था। प्रशासन ने ग्रामीणों को काफी समझा बुझा कर मतदान करने को सहमति का आश्वासन प्राप्त किया था। अनुमंडल पदाधिकारी अनिल बसाक, एसडीपीओ कुमार संजय एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में उक्त काव नदी पुल के समीप सड़क निर्माण का प्राक्कलन तैयार कराया गया। मतदाताओं ने यह कहते हुए मतदान का बहिष्कार कर दिया कि वर्षों से हमें सिर्फ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा आश्वासन मिलती है। धरातल पर विगत 12 वर्षों से कोई कार्य नहीं हो सका। सरकार के विकास योजनाओं को सफल बनाने मे सताधारी दल के प्रतिनिधि एवं प्रशासन किस तरह सक्रिय है आप खुद आंकलन कर सकते है। करीब 2.63 करोड़ की लागत से बने पुल 12 वर्षों से पड़ा बेकार। खबर भेजे जाने तक अपनी जिद्द पर डटे रहे ग्रामीण। डीएम को बुलाने पर अड़े रहे।

इंद्रपुरी बराज से पश्चिमी संयोजक नहर में छोड़ा गया 500 क्यूसेक पानी

सासाराम। भीषण गर्मी के बीच जिले के लोगों खासकर किसानों के लिए अच्छी खबर है। धान का बिचड़ा डालने के लिए इंद्रपुरी सोन बराज से सुबह करीब छह बजे पश्चिमी संयोजक नहर में 500 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। बैराज से नहर में पानी छोड़े जाने से भीषण गर्मी में सूख चुके जलस्तर में इजाफा होगा, वहीं किसानों को बिचड़ा डालने में सुविधा होगी। इस संबंध में डेहरी सिंचाई सृजन जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता सुजीत कुमार ने बताया कि सुबह इंद्रपुरी बराज से पश्चिमी संयोजक नहर में 500 क्यूसेक पानी दिया गया है। वर्तमान बैराज में 2400 क्यूसेक पानी उपलब्ध है। बैराज में पानी का लेवल 355 फिट बना हुआ है। डिमांड बढ़ने पर नहर में पानी की मात्रा और बढ़ायी जायेगी। फिलहाल पूर्वी संयोजक नहर में पानी नहीं दिया जा रहा है। इसके अलावा बराज से 1900 क्यूसेक पानी सोन नदी में डिस्चार्ज किया जा रहा है।

मोगल बिगहा मे मारपीट की घटना में आठ लोग घायल

जहानाबाद। थाना क्षेत्र के मोगल बिगहा में दो पक्ष में मारपीट की घटना हो गई। घटना में दोनों पक्ष के आठ लोग घायल हो गए। घायलों में टुन्नू पासवान, बिंदेश्वर पासवान, पूनम कुमारी,कालेश्वर पासवान तो दूसरे पक्ष के राजू पासवान, सुमित्रा देवी, नीतीश कुमार और शिव कुमार शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज रेफरल अस्पताल मखदुमपुर में कराया गया। घटना का कारण छत पर से पानी गिरना बताया जा रहा है।

पैगा गोली कांड:वोट देने के विवाद में गोलीबारी

दस लोगों के खिलाफ प्राथमिकी, चार आरोपित गिरफ्तार

- जख्मी किशुन दयाल राम के फर्दबयान पर दर्ज करायी गयी दस के खिलाफ नामजद प्राथमिकी
- एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस घटना स्थल पर कर रही कैंप, सीआईएसएफ के जवान भी मुस्तैद

केटी न्यूज/आरा

बड़हरा थाना क्षेत्र के पैगा गांव में शनिवार को वोट देने के विवाद में फायरिंग और चार लोगों को गोली मारे जाने के मामले में पुलिस की कार्रवाई शुरू हो गयी है। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद पुलिस द्वारा इस मामले में अबतक चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनमें पैगा गांव निवासी विकास सिंह, गोलू सिंह, मनोज सिंह और बजेंद्र सिंह शामिल हैं। इस मामले में जख्मी किशुन दयाल राम के बयान पर गांव के दस लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और एससी-एसटी एक्ट के तहत नामजद प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उसमें कहा गया है कि शाम करीब चार बजे के बाद वे लोग बूथ पर वोट डालने जा रहे थे। तभी बूथ के समीप गांव के नामजद लोगों द्वारा वोट नही डालने का दबाव बनाया जा रहा था। इस बात को लेकर कहासुनी होने लगा। तभी लल्लू सिंह समेत अन्य लोग आ धमके और फायरिंग करने लगे। उसमें उन लोगों को गोली लग गयी। इधर, घटना के बाद एहतियात के तौर पर सदर एसडीपीओ टू रंजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल गांव में कैंप कर रही है। सीआइएसएफ के जवान भी मुस्तैद हैं। बता दें कि शनिवार को वोट देने के विवाद में पैगा गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट और रोड़ेबाजी हुई थी। उसी दौरान एक पक्ष की ओर से फायरिंग कर दी गई थी। उसमें दूसरे पक्ष के किशुन दयाल राम, राहुल राम और किशोरी सहित चार लोगों को गोली लगी थी। इधर, रोड़ेबाजी और फायरिंग का वीडियो भी वायरल हो रहा है। एसडीपीओ रंजीत कुमार सिंह ने दबाया कि इस मामले में दस लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उनमें चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। घटना के तुरंत बाद आरोपितों और आसपास के घरों में भी छापेमारी की गयी थी। स्थिति बिल्कुल सामान्य है। वह खुद थानाध्यक्ष, सीआइएसएफ और अन्य बल के साथ कैंप कर रहे हैं। घायलों की स्थिति भी खतरे से बाहर है।

मतदान के बाद आराम तो है, पर दिलो दिमाग में छाई रही बेचैनी

केटी न्यूज/बलिया

एक जून को अंतिम चरण के मतदान के बाद रविवार को विभिन्न दलों के प्रत्याशियों को आराम तो मिला, लेकिन दिलो दिमाग में बेचैनी छाई रही। वहीं चाय की दुकान पर समर्थक अपने–अपने प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताते नजर आए।

मतदान के बाद रविवार को एक तरफ जहां बीजेपी प्रत्याशी नीरज शेखर अपने कार्यकताओं के साथ मंथन करते नजर आए। वहीं सपा प्रत्याशी सनातन पांडेय भी अपने आवास पर अपने कार्यकताओं के साथ नजर आए। उधर सोशल मीडिया जुबानी जंग भी तेज हो गई है। कोई टायर पंक्चर साइकिल की तस्वीर लगा रहे हैं तो कोई मुझार्या हुआ कमल का फूल पोस्ट कर रहे हैं। कुल मिला कर रविवार का दिन कार्यकताओं में जोश, जुनून और ओवर कंफिडेंस से भरा था।

खबरें फटाफट

कुएं में उतराया मिला युवक का शव

चितबड़ागांव। नगर पंचायत के वार्ड नंबर 5 ब्राह्मी बाबा नगर में रेलवे क्रॉसिंग के पास रामलीला मैदान में स्थित कुएं में रविवार की दोपहर एक युवक का शव उतराया मिला। युवक की शिनाख्त कंचन डोम 29 वर्ष पुत्र रंगबाज डोम निवासी वार्ड नंबर 6 पटेल नगर के रूप में हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की दोपहर कुएं के पास मकान में रहने वालों या उधर से गुजरने वालों को भारी बदबू का एहसास हुआ। जब उन्होंने कुएं में झांक कर देखा तो शव उतराया हुआ था और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कंचन डोम 29 वर्ष पुत्र रंगबाज डोम निवासी वार्ड नंबर 6 पटेल नगर के रूप में की गई। कंचन शादीशुदा है और इसके तीन पुत्र हैं। अब बच्चों की परवरिश कैसे होगी, यही सोचकर सबकी आंखें भर आ रही थी।

ताला तोड़ चोरों ने किया चोरी का प्रयास

बलिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के हैबतपुर गांव स्थित संतोष कुमार यादव के घर चोरों ने ताला तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया, दूसरे दिन रविवार को संतोष कुमार यादव को यह जानकारी हुई। संतोष कुमार यादव के अनुसार उनके घर के लोग बीते दिनों कहीं अन्यत्र गए हुए थे, जबकि घर पर बच्चे थे। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने ताला तोड़कर अंदर जाने की कोशिश की, लेकिन बच्चों ने आहट पा लिया। जिसके चलते चोर भाग खड़े हुए। संतोष कुमार यादव की मानें तो कुछ भी चोरी नहीं हुई।

दहेज हत्यारोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

बलिया। पुलिस अधीक्षक देवरंजन वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में नरहीं थाना पुलिस को सफलता मिली है। थाने के उप निरीक्षक मंगला प्रसाद उपाध्याय मय हमराह देखभाल क्षेत्र में मामूर थे। इसबीच धारा 498ए, 304बी भादवि व 3/4 डीपी एक्ट में वांछित अभियुक्त शोहराब सिद्दिकी पुत्र नूर हसन सिद्दिकी निवासी भरौली थाना नरहीं को उजियार मार्ग से गिरफ्तार कर लिया।

बेसिक शिक्षा विभाग ने खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए जारी किया वार्षिक कैलेंडर, लेकिन

जिले के 2093 स्कूलों में खेल अनुदेशक नहीं, बच्चे कैसे बनेंगे होनहार खिलाड़ी

- कई स्कूलों में खेल मैदान तक नहीं

केटी न्यूज/ बलिया

बेसिक शिक्षा विभाग की ओर खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए वार्षिक कैलेंडर जारी कर दिया गया है। लेकिन जिले के 2249 स्कूलों से 2093 में व्यायाम शिक्षक या खेल अनुदेशक ही नहीं हैं। यही नहीं कई स्कूलों में खेल का मैदान भी उपलब्ध नहीं हैं। अब सवाल यह है कि मूलभूत सुविधाओं के बिना परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले खिलाड़ी कैसे नाम रोशन कर पाएंगे।

बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। समय-समय पर इन विद्यालयों के बच्चों ने जिला व राज्य स्तर पर नाम रोशन किया है। हर साल न्याय पंचायत, ब्लॉक, तहसील और जिला स्तर पर विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं चरणबद्ध तरीके से प्रतियोगिताएं होती हैं। शैक्षिक सत्र 2024-25 के लिए भी विभाग की ओर से खेलकूद प्रतियोगिताओं का वार्षिक कैलेंडर घोषित किया है। निर्देश हैं कि कैलेंडर में दिए गए कार्यक्रम के अनुसार प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाए, लेकिन विभागीय अधिकारी इस बात को लेकर गंभीर नहीं दिख रहे हैं। स्कूलों में छात्र-छात्राओं के लिए खेल के मैदान बनाने की कोई कार्ययोजना नहीं है। ऐसे में बच्चे किस तरह प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर पाएंगे यह भविष्य ही बताएगा।

क्या बोले शिक्षक नेता

बलिया। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के महामंत्री धीरज राय ने बताया कि जब खेल का प्रशिक्षण देने वाला ही नहीं होगा तो छात्र-छात्राएं खेल की बारीकियां कैसे सीख पाएंगे। खेल शिक्षकों या अनुदेशकों की तैनाती की जानी चाहिए।- डॉ. घनश्याम चौबे, जिला अध्यक्ष, विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, बलिया। सरकार को चाहिए पहले सभी स्कूलों में खेल शिक्षक तैनात करें।

क्या बोले बीएसए

बलिया। बीएसए मनीष कुमार सिंह ने बताया कि खेल अनुदेशकों को विद्यालय आवंटित कर दिए जाते हैं, ताकि वह ज्यादा से ज्यादा स्कूलों में छात्र-छात्राओं को खेल की बारीकियों को सिखा सकें। साथ ही जो शिक्षक खेलों में रुचि रखते हैं। उनको भी इसका जिम्मा दिया जाता है। शिक्षकों के जरिये ही खेल कैलेंडर का पालन कराएंगे।

आंकड़ों पर नजर

प्राथमिक स्कूल	1598
उच्च प्राथमिक स्कूल	259
कंपोजिट स्कूल	392
खेल अनुदेशक	156
पंजीकृत विद्यार्थी	2.52लाख

जिले में सिर्फ 156 खेल अनुदेशक

बलिया। विभाग की ओर से 2013 में खेल अनुदेशक की भर्ती की गई थी। उस दौरान जिले में विभिन्न विषयों के अनुसार 700 अनुदेशकों को तैनाती हुई। वर्तमान में 156 खेल अनुदेशक जिले में हैं। साथ ही प्रत्येक ब्लॉक में एक-एक व्यायाम शिक्षक तैनात है। इनके कंधों पर 2249 स्कूलों के छात्र-छात्राओं की जिम्मेदारी है।

एग्जिट पोल को लेकर उलझन में पड़े लोग

- हार -जीत को लेकर लगा रहे आंकड़ा

केटी न्यूज / गाजीपुर

लोकसभा चुनाव 2024 के मतदान समाप्ति के दूसरे दिन मीडिया चैनलों के एग्जिट पोल से लेकर बूथवार हर चैनलों से जीत -हार का आंकड़ा लगाने में जुटे हुए हैं। एक तरफ देखा जाए तो सत्ताधारी को पूर्ण बहुमत का सरकार बनाने एग्जिट पोल दिखा रही है, तो वहीं विपक्ष को एग्जिट पोल से बाहर दिखा रही है। लेकिन लोगों में सवाल है कि एक तरफ जहां लोगों में लहर थी कि गठबंधन की सरकार बनाने का लोगों के पास मुद्दे थे। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार,महंगाई सहित लोकतंत्र, संविधान बचाने का मुहिम विपक्ष द्वारा जोरों पर चलाई गई थी। उसका कहीं न कहीं मतदाताओं पर तो असर पड़ा है। जिसे लेकर गठबंधन सत्ता में आने का वापसी का डंका बजा रही है, तो एग्जिट पोल पूरी तरह से बहुमत से बाहर कर रहे हैं। यह पूरी तरह से चर्चा का विषय बना हुआ है। इस सिलसिले में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष देवनारायण सिंह ने कहा कि एग्जिट पोल पर भरोसा नहीं करना चाहिए जो सत्ताधारी कहेंगे वहीं कुछ चैनल वाले ऐसे एग्जिट पोल को तोर मरोड़कर पेश कर रहे हैं।

सीपीएम के जिला सचिव विजय बहादुर सिंह ने कहा पैसे पर खरीदे गए लोग ही एग्जिट पोल बनाकर दिखा रहे हैं। जबकि देश के अंदर लहर परिवर्तन का था इसका नतीजा चार तारीख की मतगणना में दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता अवधेश यति ने कहा कि भाजपा की देश के अंदर लहर थी। इसलिए सत्ता में फिर वापसी आने के पूरे चांस हैं, एग्जिट पोल सही है। हां 10 से 15% एग्जिट पोल गलत भी हो सकता है। जिला मुख्यालय के विभिन्न विधानसभाओं समेत जखनियां विधानसभा के चाय- पान की दुकानों पर लोगों में एग्जिट पोल को लेकर तरह-तरह के चर्चा व्याप्त है।

जय मां दुर्गा स्पोर्टिंग क्लब ने जीता खिताबी मुकाबला

केटी न्यूज / चंदौली

ताराजीवनपुर क्षेत्र के धमिना गांव में जय मां दुर्गा स्पोर्टिंग क्लब बी टीम के तत्वावधान में चल रहे जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट को मां दुर्गा स्पोर्टिंग क्लब ने जीत लिया। विजेता व उपविजेता टीमों को समाजवादी अधिवक्ता सभा के प्रदेश महासचिव अमित यादव एडवोकेट ने ट्राफी देकर सम्मानित किया।

क्षेत्र के जय मां दुर्गा स्पोर्टिंग क्लब कोरी बी टीम के तत्वावधान में धमिना गांव में आयोजित जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच शुक्रवार को जय मां दुर्गा स्पोर्टिंग क्लब व मुगलसराय की टीम के बीच खेला गया। इसमें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मुगलसराय की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 89 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जय मां दुर्गा स्पोर्टिंग क्लब की टीम ने आठ ओवर में ही 90 रन बनाकर 4 विकेट से फाइनल मैच और विजेता ट्राफी पर पर कब्जा जमा लिया। टूनार्मेंट के मुख्य अतिथि समाजवादी अधिवक्ता सभा के प्रदेश महासचिव अमित यादव ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्राफी देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को हमेशा अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए। हार जीत खेल में लगा रहता है ,लेकिन अच्छा प्रदर्शन ही खिलाड़ियों को आगे बढ़ाता है। इस मौके पर नामवर यादव,संगम यादव,उपेंद्र यादव,हर्ष यादव,जगनारायण सहित तमाम खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

मतगणना कार्मिकों को कल दिया जाएगा प्रशिक्षण

गाजीपुर। लोकसभा चुनाव-2024 के मतगणना को सकुशल, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए तीन जून को पीजी कालेज गोराबाजार में पूर्वाह्न दस बजे से द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया है। जिन कार्मिकों की मतगणना के लिए ड्यूटी लगाई गई है, वे नियत समय एवं स्थान पर पहुंचकर अपना प्रशिक्षण प्राप्त कर ले।

एक नजर

20 किलोग्राम गांजा के साथ महिला तस्कर समेत दो गिरफ्तार, प्राथमिकी दर्ज

चंदौली। पीडीडीयू नगर जंक्शन स्थित जीआरपी ने रविवार को प्रातः आठ बजे चेकिंग के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 5-6 के पश्चिमी छोर से एक महिला समेत दो तस्करों को भारी मात्रा में गाँजा के साथ गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया । दोनों तस्कर उड़ीसा के निवासी बताए जा रहे हैं। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह अपने हमराहियों संग प्लेटफार्म संख्या 5-6 पर गश्त कर रहे थे। जैसे ही वह पश्चिमी छोर स्थित स्टेशन नाम पट्टिका के समीप पहुंचे ही थे कि पहले से एक ट्रॉली बैग व एक पिट्ठू बैग लेकर खड़ी महिला व एक पुरुष इधर उधर देखने लगे। शंका होने पर दोनों के सामानों की तलाशी ली गई तो दोनों बैगों में गाँजा भरा हुआ था। दोनों को मय बैग थाने लाकर पूछताछ किया गया तो उनलोगों ने अपना नाम क्रमशः परमानंद वरिक पुत्र वीरा वर्क वरिक निवासी उरुकला थाना होंडप्पा जिला अनगुन उड़ीसा व सुमित्रा मित्रा पुत्री महेश्वर मित्रा निवासी कांधार पोस्ट नकची,जिला अनगुन उड़ीसा बताया। दोनों के बैगों में भरे गांजे का वजन कराने पर कुल 19.964 किलोग्राम गाँजा भरा था। दोनों ने बताया कि वे लोग काफी दिनों से उड़ीसा से गाँजा लेकर हरियाणा,पंजाब,उत्तर प्रदेश आदि प्रान्तों में जाकर इससे धन अर्जित करते हैं। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई। तत्पश्चात दोनों को रिमांड मजिस्ट्रेट के यहां पेश किया गया जहाँ से दोनों को जेल भेज दिया गया।

एसपी के निर्देश पर नौगढ़ थाने में चार बदमाशों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई

चंदौली। जनपद के नौगढ़ थाने की पुलिस ने लूट की घटना में शामिल रहकर अपराध करने वाले चार बदमाशों के खिलाफ एसपी डा. अनिल कुमार के निर्देश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने तथा अपराध में लिप्त अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने के लिये एसपी डॉ अनिल कुमार द्वरा दिये गये निर्देश के क्रम में नौगढ़ थानाध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह नौगढ क्षेत्र में भयभीत कर लूट की घटना करने वाले अभियुक्तगण गैंग लीडर मनोज कुमार साहनी 24 वर्ष पुत्र राजेन्द्र साहनी निवासी ग्राम लौवारी खुर्द, सूरज कुमार मौर्या 29 वर्ष पुत्र ओमकारनाथ मौर्या, आकाश कुमार मौर्या 24 वर्ष उर्फ टोनी पुत्र अजीत कुमार मौर्या,मनोज यादव 27 वर्ष पुत्र गुप्त नाथ यादव तीनों निवासीगण ग्राम नागनार हरैया थाना रावर्टसगंज जनपद सोनभद्र के विरुद्ध धारा 3(1) यूपी गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की है। इस बाबत क्षेत्राधिकारी नौगढ़ कृष्णमुरारी शर्मा में बताया कि चारो शातिर अपराधी हैं।नौगढ़ क्षेत्र में इनलोगों ने लोगों को भयभीत कर लूट की कई घटनाओं को अंजाम दिया है। सभी के विरुद्ध लूट व आर्म्स एक्ट जैसे संगीन धाराओं में मुकदमे भी दर्ज हैं।

ट्रेलर चालक की संदिग्ध मौत, हत्या की आशंका

गाजीपुर। बिरनो थाना क्षेत्र के डांडी टोल प्लाजा के पास खड़े एक ट्रेलर में चालक का शव मिला। उसकी मौत संदिग्ध परिस्थितियों में बताई जा रही है। ट्रेलर में शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्ज में लेकर अन्त्य परीक्षण के लिए भेज दिया है। साथ ही पूरे प्रकरण की छानबीन में जुट गई है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। बिरनो थाने के विशेश्वरपुर छावनी लाइन निवासी दुर्गेश यादव पुत्र सूबेदार यादव जेएस ट्रांसपोर्ट मिजार्पुर का ट्रेलर चलाता था। लोकसभा चुनाव को लेकर परिजन उसे घर आने के लिए कहे। बीते शनिवार को घर से बार-बार फोन जाने के बाद उसने घर आने की बात कही थी। लेकिन दोपहर में दुर्गेश यादव का मोबाइल बंद बताने लगा, तब परिजनों ने शाम तक इंतजार किया। इसके बाद उसकी खोजबीन में जुट गए। मृतक के पिता सूबेदार यादव ने बताया कि मेरा लड़का मतदान करने के लिए आने वाला था, लेकिन वह नहीं पहुंच पाया। तभी रविवार की सुबह स्थानीय लोगों ने जानकारी दी की जो ट्रेलर वह चलता है, वह ट्रेलर डाड़ी टोल प्लाजा के पास विपरीत दिशा में खड़ा है। मौके पर पहुंचकर देखा तो गाड़ी के अंदर मेरा बेटा मृत हालत में पड़ा हुआ है। इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को देते हुए कार्रवाई की मांग की गई।

पत्नी के प्रेमी की चाकू मारकर हत्या, हत्यारोपी पति को ग्रामीणों ने पीटकर किया जख्मी

गाजीपुर। दिलदारनगर थाना क्षेत्र के खजुरी गांव में रविवार को पति ने पत्नी के प्रेमी की चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देकर भाग रहे हत्यारोपी पति को ग्रामीणों ने पकड़ लिया और पीटकर घायल कर दिया। मृतक के चचेरे भाई की तहरीर पर हत्यारोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस की देख-रेख में आरोपी का उपचार चल रहा है।

अब एक्जिट पोल पर हो रहा घमासान

एनडीए व इंडिया गठबंधन में है कांटे की टक्कर

- मतदान के बाद अब हार जीत की चर्चा चट्टी-चौराहों पर
- कोई भाजपा तो कोई सपा प्रत्याशी के जीत का कर रहा दावा

पवन तिवारी/ चंदौली ।

18 वीं लोकसभा चुनाव के लिए सातवें और अंतिम चरण के मतदान के बाद अब अटकलों का बाजार मौसम की तरह ही गर्म हो गया है। चौपालों से लगाया चौराहों तक कयासबाजी का दौर आरंभ हो चुका है। कोई एक्जिट पोल को सटीक बता रहा है तो कोई इसे महज औपचारिकता। 44 दिनों तक चले 543 सीटों के इस आम चुनाव में प्रत्यशियों के भाग्य ईवीएम में कैद होकर सुरक्षा बलों की निगरानी में स्ट्रांग रूम में रखे गये हैं। मतदान समाप्त होते ही विभिन्न मीडिया हाउसों की तरफ से एग्जिट पोल आने शुरू हो चुके हैं।, लेकिन मतदाताओं के साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों सहित कार्यकताओं में हार जीत को लेकर चट्टी,चौराहे व चाय पान की दुकानों पर चर्चा शुरू हो गई है। मतदाता अपने अपने तरीके से हार जीत के दावे कर रहे हैं। कोई बीजेपी के प्रत्याशी डॉ महेंद्र नाथ पांडेय को तो कोई सपा के वीरेंद्र सिंह के जीत की बात कह रहा है। कहीं कहीं पर चुनावी बहस बाजी के दौरान लोगों में तीखी नोक झोंक भी हो रही है। कोई अपने प्रत्याशी के खिलाफ सुनना नहीं चाहता। हालांकि चंदौली लोकसभा क्षेत्र के लिए हुये मतदान के बाद लड़ाई आमने-सामने की ही दिख रही है।

कमोबेश चुनाव के शुरूआती दौर से ही चंदौली लोकसभा क्षेत्र की लड़ाई सीधी थी जो अभी भी बरकरार है।अलबत्ता यह जरूर है कि बसपा को वोटकटवा के तौर पर देखा ज रहा है। भाजपा सपा के बीच किसी भी प्रत्याशी के हार जीत में बसपा के पारम्परिक वोटरों की महति भूमिका दिख रही है, क्योंकि मतदान के पूर्व बसपा प्रत्याशी की सक्रियता धीरे धीरे कम होती गई और मतदान के दिन तो कई बूथों पर बसपा के एजेंट तक तैनात नहीं किये गए थे। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि बसपा के वोटर बीजेपी या सपा के साथ खड़े हो गए हैं। हालांकि बसपा के वोटर कुछ कहने से बच जरूर रहे थे। लेकिन बसपाइयों के बीच संविधान बचाने के मुद्दे जरूर हावी थे। ऐसे में अब देखना है कि बसपा का वोट किस ओर झुका। रही बात अन्य वोटरों की तो युवाओं में बेरोजगारी अहम मुद्दा रहा। बताया जा रहा है कि कुछ प्रतिशत ठाकुर बिरादरी के वोटरों का झुकाव सपा की तरफ भी रहा है। ऐसे में यदि 10 प्रतिशत ठाकुर वोटरों ने वीरेंद्र सिंह के पक्ष में वोट किया होगा तो टक्कर जरूर कांटे की होती नजर आ रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के वोटर साइलेंट रहे। आखिरी वक्त में सोनकर बिरादरी भी दो भागों में बंट गई। बताते चलें कि गत एक सप्ताह पूर्व दो पक्षों में एक विवाद हो गया था जिसमें एक सोनकर भाजपा नेता ने एक सोनकर व्यापारी को अकारण पीट दिया था। जिससे लोगों के अंदर काफी आक्रोश था। हालांकि डैमेज कंट्रोल करने भाजपा प्रत्याशी डॉ महेंद्र नाथ पांडेय ने जरूर कोशिश की थी। वहीं पूर्व सपा सांसद रामकिसुन को टिकट न मिलने से उनकी नाराजगी का सपा वोटरों का लाभ भाजपा को जरूर मिलता नजर आ रहा है, लेकिन कुछ सपा के कार्यकताओं की माने तो अब रामकिसुन का प्रभाव सपा कार्यकताओं से लगभग समाप्त हो चुका है। ऐसे में देखना है चार जून को मतगणना के बाद किसकी जीत होती है और किसकी हार ।

09 करोड़ 44 लाख 51 हजार रुपये की लागत से होने थे काटन रोधी कार्य

कटर परियोजना रिजेक्ट, खतरे में 30 हजार परिवारों के आशियानें

केटी न्यूज/बलिया

उत्तरी दियरांचल के शिवाल और गोपालनगर को बचाने के लिए पिछले वर्ष अक्टूबर माह में सिंचाई विभाग की ओर से कटर परियोजना के अंतर्गत काटन रोधी कार्य करने के लिए इस्टीमेट शासन के सामने पेश किया गया था। करीब एक किमी की दूरी में 09 करोड़ 44 लाख 51 हजार की लागत से काटन रोधी कार्य होने थे लेकिन परियोजना को शासन से रिजेक्ट कर दी गई।

अब भी गोपालनगर टाड़ी में हो रहे कटान से लोग दहशत में है। गांव को बचाने के लिए रिंग बांध बनाने की जरूरत पड़ सकती है। 30 हजार परिवारों का आशियाना खतरे में है। सिंचाई विभाग के अवर अभियंता के अनुसार गोपालनगर में कटर परियोजना अंतर्गत करीब एक किमी की दूरी में 120 मीटर का 50-50 मीटर की दूरी के अंतराल में स्टोन बोल्डर से ठोकर नुमा बनना था। बीच-बीच में पाकोर्पाइन विधि से कटान रोकने का कार्य कराने की योजना थी। उक्त योजना को अक्टूबर माह में सिंचाई विभाग व शासन की बैठक में पेश करने के बाद उसे रिजेक्ट कर दिया गया। सिंचाई विभाग के विशेषज्ञों की राय है कि गोपालनगर व शिवाल में सरयू नदी में जहां कटान रोधी कार्य हो रहा था, उक्त स्थान पर सरयू नदी सी आकार बनाते हुए पीछे से काट रही थी। ऐसे में वहां छोटी परियोजना कारगर नहीं हो सकती। शिवाल गांव व गोपाल नगर के साथ ही वशिष्ठनगर को बचाने के लिए करीब ढाई किलोमीटर लंबी परियोजना बनाकर काटन रोधी कार्य कराना पड़ेगा या फिर उक्त गांव को बचाने के लिए रिंग बांध बनाने की जरूरत पड़ सकती है। तब जाकर उक्त गांवों को बचाया जा सकता है।

अब तक 100 से अधिक लोगों के रिहायशी मकान डूबे

बलिया। गौरतलब है कि अब तक सरयू नदी ने गोपालनगर टाड़ी में 100 से अधिक लोगों के रिहायशी मकानों को निगल लिया है। शिवाल में भी दर्जनों लोगों का रिहायशी मकान कटान के जद में है। यहीं नहीं गोपालनगर पुलिस चौकी व वशिष्ठ नगर में भी सरयू की कटान आंखें तरेर रही है। ऐसे में समय रहते अगर कटान रोकने का बड़ी परियोजना नहीं लाया गया तो गोपालनगर, वशिष्ठ नगर, मानगढ़ व शिवाल गांव के 30 हजार परिवारों का आशियानों को सरयू नदी निगल सकती है।

18 दिन अन्य राज्यों में पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने 46 कार्यक्रमों में की शिरकत

- भाजपा के स्टार प्रचारक योगी ने महाराष्ट्र और बिहार में की सर्वाधिक नौ-नौ जनसभा
- पटना साहिब लोकसभा सीट पर एक ही दिन में दो बार योगी ने की रैली

केटी न्यूज / लखनऊ

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनावी रैली के दौरान 18 दिन अन्य राज्यों में भी पहुंचे। 12 राज्यों व दो केंद्रशासित प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने 46 चुनावी कार्यक्रम किए। इनमें से 44 जनसभा और दो रोड शो शामिल है। भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक के रूप में योगी आदित्यनाथ ने कई केंद्रीय मंत्रियों समेत राजग के राष्ट्रीय नेताओं के लिए भी रैली-रोड शो किया। सीएम योगी ने सर्वाधिक 9-9 रैली महाराष्ट्र व बिहार में की। वहीं राजस्थान व छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में मतदाताओं ने यूपी के मुखिया को सिर आंखों पर बैठाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को सत्ता सौंपी। राजस्थान में सीएम योगी ने चार जनसभा व दो रोड शो किया, जबकि छत्तीसगढ़ में उनकी तीन रैली हुई।

कई केंद्रीय मंत्रियों के लिए योगी ने की जनसभा

योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के साथ ही बाहर के राज्यों में चुनाव लड़ने वाले केंद्रीय मंत्रियों के पक्ष में जनसभा व रोड शो किया। केंद्रीय मंत्री व महाराष्ट्र की नागपुर सीट से प्रत्याशी नितिन गडकरी, जम्मू की उधमपुर सीट से जितेंद्र सिंह, उत्तराखंड की नैनीताल-उधम सिंह नगर सीट से प्रत्याशी अजय भट्ट, जोधपुर से गजेंद्र सिंह शेखावत के लिए योगी आदित्यनाथ ने रोड शो किया। केंद्रीय मंत्री व मध्य प्रदेश की गुना लोकसभा सीट पर चार मई को प्रचार करते हुए योगी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को जिताने की अपील की। बिहार के बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के पक्ष में भी योगी की जनसभा हुई। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सीएम योगी ने हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से प्रत्याशी व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर के लिए वोट मांगा। योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के कई बड़े नेताओं के लिए भी पसीना बहाया। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के लिए हरिद्वार में पहुंचे। राजस्थान की चित्तौड़गढ़ सीट से प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के लिए रोड शो किया। छत्तीसगढ़ की कोरबा सीट से भाजपा उपाध्यक्ष सरोज पांडेय के लिए भी योगी ने जनसभा की।

पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट से पूर्व केंद्रीय मंत्री व कद्दावर नेता एसएस अहलूवालिया के पक्ष में सीएम ने रैली की। भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता राजीव प्रताप रुड़ी के लिए सीएम योगी 17 मई को सारण पहुंचे। वहीं नामचीन अधिवक्ता व मुंबई उत्तर मध्य से प्रत्याशी उज्ज्वल निकम के लिए भी उन्होंने वोट मांगा। हरियाणा की दोनों सीट कुरुक्षेत्र से नवीन जिंदल और सिरसा से अशोक तंवर के लिए भी योगी 20 मई को पहुंचे। 23 मई को ओडिशा के पुरी से प्रत्याशी व भाजपा प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा, केंद्रपाड़ा से बैजयंत जय पांडा, पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्वी चंपारण से उम्मीदवार राधा मोहन सिंह के लिए भी योगी पहुंचे। 28 मई को सीएम योगी ने पटना साहिब लोकसभा सीट पर एक ही दिन में दो बार जनसभा की। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सीएम योगी ने फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के पक्ष में हिमाचल प्रदेश की मंडी में जनसभा की।

यूपी के बाहर किए सीएम योगी के कार्यक्रम

सीएम योगी ने यूपी के बाहर भी कई कार्यक्रम कर कमल खिलाने की अपील की। सीएम योगी ने 12 राज्य व दो केंद्रशासित प्रदेश में भी प्रचार किया। इसमें उन्होंने 44 जनसभा और दो रोड शो किया। दोनों रोड शो राजस्थान में हुए। चित्तौड़गढ़ से प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी व जोधपुर से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के लिए रोड शो कर सीएम योगी ने कमल खिलाने का संकल्प दिलाया।

बिहार- 9 जनसभा	हरियाणा- 2 जनसभा
महाराष्ट्र- 9 जनसभा	हिमाचल प्रदेश- 2 जनसभा
राजस्थान- 4 जनसभा, 2 रोड शो	पंजाब- 2 जनसभा
उत्तराखंड- 4 जनसभा	मध्य प्रदेश- 1 जनसभा
छत्तीसगढ़- 3 जनसभा	दिल्ली- 1 जनसभा
प. बंगाल- 3 जनसभा	जम्मू कश्मीर - 1 जनसभा
ओडिशा- 2 जनसभा	चंडीगढ़- 1 जनसभा

महाराष्ट्र और बिहार में सर्वाधिक 9-9 रैली को किया संबोधित

योगी आदित्यनाथ ने सर्वाधिक रैली महाराष्ट्र और बिहार में की। दोनों जगहों पर उनकी 9-9 रैलियां हुईं। महाराष्ट्र में योगी आदित्यनाथ तीन दिन पहुंचे, जबकि बिहार में उनकी जनसभा पांच दिन हुई। सीएम योगी ने बिहार के पटना साहिब लोकसभा सीट से सांसद, भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद के लिए एक ही दिन में दो-दो रैली भी की। महाराष्ट्र में भाजपा के साथ ही शिवसेना प्रत्याशियों के लिए भी उन्होंने वोट मांगा।

एक नजर

जमीनी विवाद में दबंगों ने युवक को मारी गोली, जिला अस्पताल में इलाजरत

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के पतहना गांव में रविवार सुबह उस समय हड़कम मच गया जब दबंगों ने एक युवक पर तमंचा से फायरिंग करके गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है और पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है वहीं घटना को लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश भी है। सरायख्वजा थाना क्षेत्र के पतहना गांव के राजन विश्वकर्मा का पुत्र राजेंद्र विश्वकर्मा 24 वर्ष अपनी दुकान में सोया हुआ था। इसी दौरान अशोक सिंह और सोनू सिंह तमंचे से हवाई फायरिंग करते हुए दुकान के अंदर घुस गए और दीपक को मारने पीटने लगे दीपक ने शोरगुल मचाना शुरू किया तो दीपक के ऊपर तमंचे से फायरिंग कर दी जिससे तमंचे की गोली दीपक की पेट को चिड़ते हुए निकल गई सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस ने दीपक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है घटना किन परिस्थितियों से हुई पुलिस इसकी जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जौनपुर। थाना बरसठी क्षेत्र के गांव आदमपुर में 30 वर्षीय युवक ने घर से थोड़ी दूर पर स्थित बने पाही पर संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर जान दे दी।युवक की मौत की खबर पर परिवार में कोहराम मच गया।सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। आदमपुर निवासी मृतक अंतिम गिरी बरसठी थाने के सामने चाय पान की दुकान चलाता था।मृतक युवक ने अपने घट से थोड़ी दूर पर स्थित पाही पर फांसी लगाकर जान दे दी।काफी देर तक युवक के घर न पहुचने पर घर वाले पाही पर गए तो मृतक अंतिम गिरी लोहे के पाइप के सहारे रस्सी पर झूल रहा था। थानाध्यक्ष अरविंद सिंह ने बताया फांसी लगाने का कारण स्पष्ट नही है।घटना के बाद मृतक की पत्नी का रोरो कर बुरा हाल है।मृतक युवक अपने पीछे दो पुत्री तीन साल व पांच साल तथा तीन माह का एक पुत्र छोड़ गया है।फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल किया।

फंदे से लटककर विवाहिता ने दी जान, मायके वालों ने दहेज के लिए हत्या का लगाया आरोप

वाराणसी। वाराणसी जिले के चौबेपुर क्षेत्र के हरिहरपुर पाही गांव में एक विवाहिता ने फंदे से लटककर जान दे दी। घटना की सूचना मिलने के बाद विवाहिता की मां अनीता यादव की तहरीर पर पति सहित चार लोगों पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मृतका की मां अनीता यादव निवासी उचौरी भीमापार गाजीपुर के अनुसार उनकी बेटी अंजना (25) की शादी 13 मई 2021 को हिंदू रीति रिवाज के अनुसार हरिहरपुर पाही के राजेश यादव पुत्र स्वर्गीय रामदुलार यादव से हुई थी। दहेज में अपने हैसियत के अनुसार टीवीएस मोटरसाइकिल सहित घरेलू सामान दिया था, लेकिन विवाह के बाद पति राजेश यादव, जेठ गामा उर्फ गुड्डू यादव के साथ जेठानी धनु देवी व सास धनेसरा देवी दहेज से संतुष्ट नहीं थे। जब विवाहिता मायके से ससुराल आती तो ससुराल के लोग उससे बुलेट बाइक की मांग करते थे। इसके लिए प्रताड़ित किया करते थे। फोन से बात करती थी तो परेशान रहती थी। अचानक शनिवार की शाम फोन पर बात करने पर वह रो रही थी, तो मां ने उसे समझाया-बुझाया। मृतका की मां ने कहा कि देर रात पता चला कि बेटी की मौत हो गई है। आनन-फानन मौके पर पहुंची तो बेटी को मृत देख पैरों तले जमीन खिसक गई। उसके गले में फंदे का निशान था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नहर में डूबने से युवक की मौत मचा कोहराम

मिजार्पुर । मिजार्पुर के अहरौरा क्षेत्र के जरगो डैम नहर में डूबने से युवक की मौत हो गई। वह भैंस को पानी पिलाने गया था इसी दौरान पानी में डूब गया। बेटे की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। इमलिया चट्टी चौकी प्रभारी दिलीप कुमार गुप्ता ने बताया कि नहर में डूबने से युवक की मौत हो गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। खुटहा निवासी हीरालाल (18) अपने भैंस को पानी पिलाने जरगो नहर के पास गया था। भैंस अचानक गहरे पानी में जाने लगी। तभी युवक उसके पीछे गया और गहरे पानी के बीच डूब गया। आसपास के लोगों ने परिजनों को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजन ने युवक को बाहर निकालकर प्राइवेट अस्पताल ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

खबरें फटाफट

बकाया रुपया मांगने पर दुकानदार को पीटा,वीडियो वायरल

जौनपुर। एक ब्यापारी को दुकान का बकाया पैसा मांगना महंगा पड़ गया।बकाया पैसा मांगने से नाराज ब्यक्ति ने दुकानदार को पीटा,जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक बंधवां बाजार में बिंदु जायसवाल की दुकान है।आरोप है,एक ब्यक्ति पर पुराना तीन हजार बकाया था।जिससे बकाया मांगने पर बात विवाद हो गया। विवाद के बाद रामगढ़ निवासी ब्यक्ति ने दुकानदार की पिटाई कर दी।उसी समय किसी ने मारपीट का वीडियो वायरल है। और सोशल मीडिया पर वाइरल कर दिया।वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश में जुट गई है।

पत्नी से विवाद के बाद पति ने लगाई फांसी, मौत

वाराणसी। वाराणसी के सारनाथ इलाके में एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। सूचना पर पहुंची सारनाथ पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही में जुट गई है। बता दे कि सारनाथ थाना क्षेत्र के छाही गांव में आज युवक द्वारा अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सारनाथ के छाही गांव का रहने वाला राजगीर मिस्त्री बबलू गुप्ता पुत्र स्वर्गीय शंकर प्रसाद गुप्ता बीती रात पत्नी से विवाद के बाद अपने कमरे में सोने की बात कह कर चला गया और फांसी लगा लिया जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी सोना देवी में बताया कि उसका पति शराब पीने का आदी था। जो अक्सर शराब पीकर घर में लड़ाई झगड़ा किया करता था। इसी बात को लेकर कल भी दोनों में नोक झोंक हुई। जिसके बाद उसका पति बबलू अपने कमरे में सोने की बात कह कर चला गया। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा तो बबलू कमरे में फांसी के फंदे पर झूल रहा था।

गाजीपुर सदर, जमानियां, जंगीपुर विधानसभा क्षेत्र में सपा का पलड़ा भारी, बढ़ी भाजपा की चिंता

लोकसभा चुनाव : गाजीपुर व बलिया में क्या कहता है चुनावी हवा का रूख?

अखिलनंद तिवारी/ गाजीपुर/बलिया

पूर्वी उत्तर प्रदेश में सातवें व अंतिम फेज के चुनाव में कुल 13 सीटों पर मतदान हुआ। हम बात कर रहे हैं गाजीपुर और बलिया लोकसभा सीट के चुनाव को लेकर। इन सीटों पर हवा का रुख कुछ इस प्रकार सामने आया है। गाजीपुर में जातीय समीकरण के आधार पर देखा जाए तो इस बार का चुनाव काफी दिलचस्प रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने सवर्ण मतदाता के साथ ही कुछ अतिपिछड़ों का वोट बटोरने की कोशिश जरूर की। लेकिन भाजपा को पूरी तरह सफलता मिलते नहीं दिख रहा है। क्योंकि गाजीपुर लोकसभा सीट से वर्तमान बसपा सांसद अफजाल अंसारी को मुस्लिम और यादव वोटों के साथ अन्य वर्गों के वोट भी मिले हैं। इतना ही नहीं बाहुबली मुख्तार अंसारी की मौत के बाद एक सहानभूति भी इस चुनाव में अफजाल अंसारी के साथ रही है। गाजीपुर सदर, जमानियां, जंगीपुर विधानसभा क्षेत्र की बात करें तो यहां सपा का पलड़ा भारी रहा है। जबकि सैदपुर एवं जखनिया में भाजपा और सपा के बीच कांटे की टक्कर रही है। समाजवादी पार्टी से अफजाल अंसारी को मजबूती दिलाने में सैदपुर तहसील के मुड़ियार निवासी बसपा उम्मीदवार उमेश सिंह का महत्वपूर्ण रोल बताया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने बसपा का वोट अपनी तरफ मोड़ने की कोशिश की, लेकिन इसमें पूरी सफलता नहीं मिली। इस बार भी सवर्ण वोटों में सेंधमारी के साथ ही दलित और अतिपिछड़ों का वोट पाने में सपा उम्मीदवार कुछ हद तक सफल रहे हैं। इस कारण अफजाल अंसारी एवं गठबंधन का पलड़ा गाजीपुर में भारी है। घोसी सीट गठबंधन कोटे में सुभासपा के पास है, ओपी राजभर के बेटे अरविंद राजभर सियासी मैदान में हैं। उनके सामने भाजपा का वोट सहेजने का चैलेंज है। देखा जाए तो 2019 के चुनाव में गाजीपुर और घोसी सीट बसपा ने जीती थी। जबकि मिजार्पुर और रॉबर्ट्सगंज सीट ठऊअ गठबंधन की पार्टी अपना दल के पाले में थी। भाजपा नौ सीटों पर जीती थी। इनमें से 2024 के चुनाव में चंदौली और बलिया सीट पर भाजपा को फाइट का सामना करना पड़ रहा है। उधर बलिया लोकसभा सीट की बात करें तो यहां पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे नीरज शेखर भाजपा से उम्मीदवार हैं। उन्हें सपा के सनातन पांडेय से कड़ी टक्कर है। नतीजा कुछ भी हो सकता है। वह पिछला चुनाव सिर्फ 15 हजार वोट से हारे थे। इस बार सपा का ब्राह्मण कार्ड कामयाब दिखाई दे रहा है। क्योंकि सपा ने ब्राह्मण, भूमिहार, वैश्य के साथ ही दलित व राजभर वोटों में भी सेंधमारी की है। चुनाव से ठीक-थे दिन पहले दर्जन भर राजभर नेताओं को सपा में शामिल किया गया। इतना ही नहीं सरार्फा मंडल के कई पदाधिकारी भी सपा के साथ हो गए थे। ऐसे में भाजपा के वोटों का ध्रुवीकरण हुआ है।

छह सीटों पर भाजपा, एक-एक पर कांग्रेस व सपा, अन्य सीटों पर कांटे की टक्कर

पूर्वांचल की 13 सीटें की बात करें तो पांच सीटों पर भाजपा को इंडी गठबंधन से कड़ी टक्कर मिल रही। छह सीटों पर भाजपा बढ़त में है। 1-1 सीट पर सपा और कांग्रेस सेफ दिखाई दे रही हैं। ये सीटें हैं बांसगांव और गाजीपुर। अपना दल (एस) के प्रभाव वाली मिजार्पुर और रॉबट्र्सगंज सीट पर एनडीए गठबंधन इस बार मजबूत है।

हाईप्रोफाइल चेहरों के नाम रहा आखिरी चुनाव

लोकसभा चुनाव -2024 का आखिरी चुनाव हाई प्रोफाइल चेहरों के नाम रहा। इस चुनाव में प्रत्याशी के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अनुप्रिया पटेल, रवि किशन, महेंद्रनाथ पांडे, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर और अफजाल अंसारी हैं। इनमें वाराणसी, गोरखपुर, देवरिया, बलिया, कुशीनगर, सलेमपुर की सियासी रेस में बलिया को छोड़ दें तो भाजपा इंडी गठबंधन के मुकाबले काफी आगे दिख रही है। महराजगंज में छह बार चुनाव जीतने वाले भाजपा के पंकज चौधरी के पक्ष में हवा नहीं दिख रही है। लोगों का झुकाव इंडी गठबंधन की तरफ ज्यादा है। बांसगांव में लोग वर्तमान भाजपा सांसद से खफा हैं, इसलिए यहां कांग्रेस बढ़त में दिख रही है।

घोसी लोकसभा चुनाव : हाथी के सुस्त चाल से भाजपा व सपा में सीधी टक्कर

केटी न्यूज / मऊ ।

घोसी लोकसभा के चुनाव में मतदान समाप्त होने के बाद अब सियासी गलियारों में जीत-हार पर अटकलों की बाजीगरी शुरू हो गयी है। यह बात पूरे लोकसभा में जोरों पर है कि हाथी से सुस्त चाल से कमल के फूल और साइकिल में कड़ी टक्कर है। गाजीपुर में 20 लाख 83 हजार 918 मतदाता है जिन्होने 28 प्रत्याशियों का भाग्य का फैसला किया है। घोसी लोकसभा में कुल 55. 06 प्रतिशत मतदान हुआ है। सबसे ज्यादा मोहम्मदाबाद गोहाना विधानसभा में 58.14 प्रतिशत मतदान हुआ है। मऊ सदर विधानसभा में 55.16 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसी तरह घोसी विधानसभा में 55.99 प्रतिशत मतदान हुआ है। मधुबन विधान सभा में 54.15 प्रतिशत और रसड़ा विधानसभा में 51.58 प्रतिशत मतदान हुआ है। 2019 के चुनाव में 57.28 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार 2024 के चुनाव में 2019 से 2.22 प्रतिशत कम मतदान हुआ है। मायातवी घोसी प्रचार करने आई थी और प्रत्याशी ने भारी प्रयास किया किंतु कार्य कताओं और नेताओ दोनों में उतना उत्साह नहीं देखने को मिला। जिसके चलते बसपा के दलित और चौहान मतदाताओं में बिखराव देखने को मिला। भाजपा और सपा प्रत्याशियों के समर्थन में पार्टी के दिग्गज नेताओं प्रधान मंत्री ,मुख्य मंत्री, उप मुख्यमंत्रीओ सहित अन्य नेताओं ने तथा इंडिया गठबंधन/सपा की ओर से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, शिवपाल यादव, धर्मेंद्र यादव ,सहित अन्य नेताओं ने रैली और सभाएं आयोजित किया। जिसके चलते घोसी लोकसभा चुनाव में भाजपा और सपा से सीधी टक्कर हो गयी।

रविवार की सुबह हुई तेज बारिश से मौसम हुआ सुहाना

जौनपुर। धूल भरी आंधी के बाद तेज बारिश ने भीषण गर्मी से जनपद वासियों को मिली राहत। बिगत लगभग 10 दिनों से पूरा प्रदेश हीट वेव की आगोश में था। तापमान 48 डिग्री तक पहुंच गया।जिससे आम आदमी का घर से निकलना मुश्किल हो गया था। हर तरफ त्राहि त्राहि मची थी। इस बीच भीषण गर्मी से मारने वालो की संख्या में भी बृद्धि हुई।लेकिन दो जून की सुबह अचानक मौसम ने करवट ले लिया है। रविवार को भोर में पांच बजे मौसम ने अचानक करवट ले लिया। पहले धूल भरी आंधी चली उसके बाद गरज चमक के साथ तेज मूसलाधार बारिश शुरू हो गयी।जिससे जिले के तापमान में गिरावट आने से आम जनमानस को बड़ी राहत मिली है।मौसम के बदलने से आम आदमी को ही नही बल्कि पशु पक्षियों को भी राहत मिली है।उनको भी हीट वेव से बचाने के लिए जिला प्रशासन की तरफ से भी बचाव व सुझाव दिए है। हालांकि जानकारों का मानना है कि झुलसती गर्मी से जरूर राहत मिलेगी लेकिन अभी उमस भरी गर्मी बढ़ने की संभावना है। जब तक कि लगातार बारिश न हो।

गर्ल्स टीम ने बागपत में लहराया काशी का परचम

24वें सीनियर स्टेट लेवल नेटबॉल गेम में जीते ब्रॉन्ज मेडल

- क्वार्टर फाइनल में हार का करना पड़ा सामना सेमीफाइनल में प्रवेश नहीं कर पाए

केटी न्यूज/वाराणसी

24वें सीनियर स्टेट लेवल नेटबॉल चौंपियनशिप में वाराणसी की वीमेंस टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। इस चौंपियनशिप की विजेता टीम गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर की महिला टीम उपविजेता रही। 40-45 डिग्री सेल्सियस के बीच कड़ी धूप में बनारस की लड़कियों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से सबको हैरान कर दिया है। हालांकि, सेमीफाइनल मैच में वाराणसी की टीम को गाजियाबाद से 14-12 प्वाइंट से हार का सामना करना पड़ा था। महज 2 अंकों से पीछे होकर वाराणसी की टीम इस स्टेट लेवल चौंपियनशिप के फाइनल मैच में जगह नहीं बना पाई। वेस्ट यूपी के बागपत जिले में हुई इस चौंपियनशिप में वाराणसी की पुरुष टीम ने भी हिस्सा लिया था। लेकिन क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। इसलिए, वे सेमीफाइनल में प्रवेश नहीं कर पाए। हालांकि, बनारस की महिला टीम ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाने में सफल रही। इससे खिलाड़ियों और उनके कोच का उत्साह कम नहीं हुआ है।

महिला टीम में इन्होंने किया कमाल

ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली महिला टीम में कप्तान काव्या सिंह, उप कप्तान दिव्या सिंह, शौर्या केसरी, तृषा बोस, प्रांजल यादव, खुशी यादव, सृष्टि चौहान, सृष्टि पांडेय, तान्या भट्टाचार्य, रोशनी सिंह और टीम की कोच उपासना यादव के साथ ही महिला टीम की मैनेजर तनुश्री बोस शामिल रहीं।

आगे और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

महिला टीम द्वारा ब्रॉन्ज जीतने के मौके पर जिला नेटबॉल संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. निशांत सिंह, कोषाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह और महासचिव रणविजय यादव ने कहा कि खिलाड़ियों का बनारस आने पर भव्य स्वागत होगा। उन्हें सम्मानित किया जाएगा। साथ ही खिलाड़ियों के आगे के लिए और बेहतर प्रदर्शन करने की कामना की।

सुभाषितम्

पाई भी न बचे, मेरे लिए सबसे बड़ा सुख यही होगा।

- पुरुषोत्तमदास टंडन

एग्जिट पोल गलत होने पर शेयर बाजार में आएगी भारी गिरावट

1 जून को लोकसभा चुनाव के सातों चरण का मतदान पूर्ण हो चुका है। इसके बाद जो एग्जिट पोल आए हैं, उनमें एनडीए गठबंधन और भाजपा को पूर्ण बहुमत दिखाया गया है। नेशनल मीडिया चैनल द्वारा जारी एग्जिट पोल में, भारी बहुमत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी बार सरकार बनती हुई दिख रही है। इन दिनों भारत में अधिकांश नेशनल न्यूज चैनल्स को गोदी मीडिया कहा जाता है। जो सरकार के इशारे पर, सरकार के लिए काम करता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में यह एक अविश्वसनीय मीडिया के रूप में आम मतदाताओं के बीच में पहचाना गया है। जिस तरह से 2014 और 2019 का चुनाव व्हाट्सएप के जरिए सोशल मीडिया पर लड़ा गया था। इसका पूरा फायदा भारतीय जनता पार्टी को हुआ था। इस बार व्हाट्सएप और सोशल मीडिया जिसमें यूट्यूबर शामिल है। वह आम जनता के बीच में काफी लोकप्रिय साबित हुए हैं। नेशनल टीवी चैनल द्वारा जो नहीं दिखाया और बताया गया, उसकी कमी इस बार व्हाट्सएप और सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म्स ने पूरी करते हुए आम जनता तक अपनी अच्छी खासी पहुंच बनाई है। लाखों लोग गांव-गांव में रोजाना सोशल मीडिया मे यूट्यूब और व्हाट्सएप के माध्यम से सारी जानकारी प्राप्त कर रहे थे। महंगाई और बेरोजगारी की लड़ाई, सोशल मीडिया में जिस तरह से लड़ी गई है, इसका असर चुनाव प्रचार के दौरान देखने को मिला है। विपक्षी दल इंडिया गठबंधन की रेलियों और जनसभाओं में भारी भीड़ सभी राज्यों में उमड़ी है। मतदान का प्रतिशत घटा है। धार्मिक ध्रुवीकरण का मुद्दा मतदाताओं के बीच में नहीं देखा गया। राम मंदिर का मुद्दा भी इस बार कोई काम नहीं आया। उल्टे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से कांग्रेस के घोषणा पत्र का पोस्टमार्टम उससे उन्होंने कांग्रेस के घोषणा पत्र को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर दिया। जिसका असर आम मतदाताओं में इंडिया गठबंधन के पक्ष में देखने को मिला है। इस बार सोशल मीडिया, इंडिया गठबंधन की सरकार बना रही है। सोशल मीडिया में निष्पक्ष और वरिष्ठ पत्रकार हैं। वह इंडिया गठबंधन की सरकार को बनता हुआ दिखा रहे हैं। ज्योतिषियों के अनुसार भी भारतीय जनता पार्टी की ग्रह दशा सबसे खराब है। इंडिया गठबंधन और कांग्रेस की ग्रह दशा सबसे अच्छी ज्योतिषी बता रहे हैं। नेशनल मीडिया ने जो एग्जिट पोल दिखाया है, ठीक उसके विपरीत सोशल मीडिया का एग्जिट पोल है। जिसके कारण मतदाता और निवेशक भ्रम की स्थिति में है। शेयर बाजार के विदेशी निवेशक वेट एंड वॉच की मुद्रा में है। अभी तक वह 40000 करोड रुपए से ज्यादा की निकासी कर चुके हैं। 4 तारीख को मतगणना के दिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार तीसरी बार केंद्र में बनती हुई दिखी, तो निश्चित रूप से शेयर बाजार में सुपर बुल की स्थिति देखने को मिलेगी। शेयर बाजार 75000 के ऊपर कारोबार करता हुआ दिखेगा। 4 जून को यदि इंडिया गठबंधन को सरकार बनने लायक बहुमत मिला, तो डॉलर के मुकाबले भारतीय करेंसी 85 रुपए के स्तर को छू सकती है। शेयर बाजार की भाषा में यदि यह स्थिति बनी, तो बाजार में भारी गिरावट होना तय माना जा रहा है। म्युचुअल फंड के निवेशकों को नुकसान होना तय माना जा रहा है। शेयर बाजार के 10 फीसदी से ज्यादा गिरने की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। शेयर बाजार के मंदडियों का मानना है, कि बाजार 73000 के अंक से घटकर 60000 के स्तर पर आ जाता है, तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होगा। चुनाव के हर चरण के मतदान के पहले और बाद में शेयर बाजार में तेजी-मंदी का दौर बना रहा। विदेशी निवेशकों में भी भय बना हुआ है। 4 जून को क्या होगा इसको लेकर सभी लोगों के बीच में उत्सुकता बनी हुई है।

चिंतन-मनन

सच्चा मित्र संजीवनी की तरह

हम सभी के परिचित और दोस्त होते हैं। भले ही बचपन के, स्कूल, कॉलेज, ऑफिस या आस-पास कॉलोनी में रहने वाले हों, मित्र तो सभी के होते हैं। सच्चा मित्र बनना और बनाना हर इंसान की इच्छा होती है। लेकिन, सच्चे मित्र बहुत कम मिल पाते हैं। ऐसा मित्र, जिस पर हम भरोसा कर सकें, जिसके साथ अपनी हर बाते शेयर कर सकें। धर्मशास्त्रों में सच्चा मित्र उसे कहा गया है, जो सुख-दुख में साथ दे। ऐसे दोस्त से कभी भी डर नहीं लगता। ये सही रास्ते पर चलने में हमारे मददगार होते हैं। लेकिन, ऐसा दोस्त कौन है? क्या वह जो सिर्फ परिचित है? सच्ची दोस्ती प्रेम, विश्वास व भरोसा, एक-दूसरे का ख्याल रखने और चिंताओं पर ही आधारित होती है। क्या, कभी इस प्रश्न का उत्तर आपने खुद से पूछा है? प्रिय शब्दों से मित्रों की संख्या बढ़ती है और मधुर वाणी से मैत्रीपूर्ण व्यवहार। हमारे परिचित अनेक हों, किंतु परामर्शदाता ईश्वर एक ही है। ईश्वर ही सच्चा दोस्त है, जो जीवन के हर पल में हमारी परछाई बनकर साथ रहता है। उस पर अपनी आंखें बंद कर, विश्वास व भरोसा करते हैं। जब सुखी या दुखी होते हैं, ईश्वर से प्रार्थना करते हैं और प्रार्थना के रूप में उससे बातें करते हैं। जीवन की हर बात उससे साझा करते हैं और फिर खुद को हल्का महसूस करते हैं। किसी भी कार्य की शुरूआत हम ईश्वर से आशीर्वाद लेकर ही करते हुए कहते हैं-हे मेरे मालिक, मुझ पर अपनी छत्र-छाया बनाए रख, मेरा मार्गदर्शन कर और मुझे सफलता प्रदान कर। कोई मित्र अवसरवादी होता है, वह विपत्ति में साथ नहीं देगा। कोई मित्र शत्रु बन जाता है और अलगाव का दोष भी हमें ही देता है। कोई मित्र हमारे यहां खाता-पीता है, किंतु विपत्ति के वक्ति दिखाई नहीं देता। समृद्धि के दिनों में वह हमारा अंतरंग बन कर रौब जमाता है, किंतु दुर्दिन आते ही शत्रु बनकर मुंह फेर लेता है। परीक्षा लेने के बाद किसी को मित्र बना लो, लेकिन उस पर तुरंत विश्वास मत करो। अपमान, अहंकार और विश्वासघात के कारण मित्रता टूट जाती है।

पर्यावरण हितैषी वाहन है साइकिल

-रमेश सर्राफ धमोरा

भारत की आर्थिक तरक्की में साइकिल ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। आजादी के बाद से ही साइकिल देश में यातायात व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा रही है। खासतौर पर 1960 से लेकर 1990 तक भारत में ज्यादातर परिवारों के पास साइकिल थी। यह व्यक्तिगत यातायात का सबसे ताकतवर और किफायती साधन था। गांवों में किसान साप्ताहिक मंडियों तक सब्जी और दूसरी फसलों को साइकिल से ही ले जाते थे। दूध की सप्लाई गांवों से पास से कस्बाई बाजारों तक साइकिल के जरिये ही होती थी। डाक विभाग का तो पूरा तंत्र ही साइकिल के बूते चलता था। आज भी पोस्टमैन साइकिल से चिट्ठियां बांटते हैं। चीन के बाद आज भी भारत दुनिया में सबसे ज्यादा साइकिल बनाने वाला देश है।

दो सौ साल पहले 12 जून 1817 को जर्मनी के मैनहेम में बैरन कार्ल वॉन ड्रैस ने दुनिया की पहली साइकिल पेश की थी। यह लकड़ी से बना था और इसमें पैडल, गियर या जंजीर नहीं थी। उसने खुद को पहले एक पैर से और फिर दूसरे पैर से धकेला। उन्होंने इसे लॉफमाशाइन (जर्मन में चलने वाली मशीन) कहा। अब तो जापान के फुकुकोआ शहर में छात्रों ने एक ऐसी साइकिल बनाई है जो हवा से चलती है। इसकी अधिकतम रफ्तार 64 किलोमीटर प्रति घंटा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इसे कंप्रेस्ड हवा से चलने वाली दुनिया में सबसे तेज साइकिल का सर्टिफिकेट दिया है। 3 जून 2018 को विश्व में पहला विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। तब से दुनिया में प्रतिवर्ष साइकिल दिवस मनाया जाने लगा है। इस बार हम छठवां विश्व साइकिल दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व साइकिल दिवस को मनाने की घोषणा की थी। भारत में भी विकसित की जा रही ज्यादातर आधारभूत आधुनिक संरचनाएं मोटर-वाहनों को ही सुविधा प्रदान करने के लिए बन रही हैं। साइकिल जैसे पर्यावरण-हितैषी वाहन को नजरअंदाज किया जा रहा है। जबकि शहरी व ग्रामीण परिवहन में भी साइकिल का महत्वपूर्ण स्थान है। खासतौर से कम आय-वर्ग के लोगों के लिए साइकिल उनके जीविकोपार्जन का एक सस्ता, सुलभ और जरूरी साधन है। यह इसलिए भी कि भारत का कम आय-वर्ग के लोग अपनी कमाई से प्रतिदिन सौ-पचास रुपये परिवहन पर खर्च करने में सक्षम नहीं हैं। भारत सरकार अपनी साइकिल परिवहन व्यवस्था में कुछ जरूरी मूलभूत सुधार करके आम और खास लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रेरित कर सकती है। सरकार के इस कदम से ऐसे सभी लोग प्रेरणा पा सकते हैं। जिनकी प्रतिदिन औसत यातायात दूरी पांच-सात किलोमीटर के आसपास बैठती हैं। हमारे देश की कई राज्य सरकारें अपने स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में साइकिल वितरण कर रही हैं। जिससे साइकिल सवारों की संख्या में वृद्धि हुई है। ह्लद एनर्जी ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूटह्ल के अनुसार पिछले एक दशक में साइकिल चालकों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 43 फीसदी से बढकर 46 फीसदी हुई है। जबकि शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 46 फीसदी से घटकर 42 फीसदी पर आ गई है। इसकी मुख्य वजह साइकिल सवारी का असुरक्षित होना ही पाया गया है।

बच्चे सबसे पहले साइकिल चलाना ही सीखते है। इसलिये बचपन में हम सभी ने साइकिल चलाई है। पहले के जमाने में जिसके पास साइकिल होती थी वह बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति माना जाता था। गांव के लोग जब कभी शहरों में जाते थे। तब लोगों को साइकिल चलाते हुए देखते थे और फिर वे खुद भी धीरे-धीरे साइकिल चलाना सीख जाते थे। पहले शहरों में किराए पर भी साइकिले मिलती थी। देश की युवा पीढ़ी को अब साइकिल के बजाय मोटरसाइकिल ज्यादा अच्छी लगने लगी है। शहरों में मोटरसाइकिल का शौक बढ़ रहा था। गांवों में भी इस मामले में बदलाव की शुरूआत हो चुकी थी। इसके बावजूद भारत में साइकिल की अहमियत खत्म नहीं हुई है। 1990 के बाद से साइकिलों की बिक्री में बढ़ोतरी आई है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में इसकी बिक्री में गिरावट आई है। दरअसल 1990 से पहले जो भूमिका साइकिल की थी। उसकी जगह गांवों में मोटरसाइकिल ने ले ली है। इसके उपरांत भी साइकिल आज भी हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। देश में लॉकडाउन के दौरान दूसरे प्रदेशों में कमाने गए लाखों लोग साइकिल पर 1000-1500 किलोमीटर की दूरी तय कर अपने घर पहुंचे थे। संकट के समय साइकिल ही उनके घर पहुंचने का एकमात्र साधन बनी थी। लॉकडाउन के दौरान लाखों लोगों के घर पहुंचने का सबसे उपयोगी साधन बनने से लोगों को यह बात अच्छी तरह समझ में आ गयी की साइकिल आज भी आम लोगों का सबसे सस्ता व सुलभ साधन है। अब तो विभिन्न प्रकार के फीचर से लैस गियर वाली कीमती साइकिले बाजार में आ गई है। पहले लोगों के पास सामान्य साइकिले ही हुआ करती थी। जिनके पीछे एक कैरियर लगा रहता था। जिस पर व्यक्ति अपना सामान रख लेता था व जरूरत पड़ने पर दूसरे व्यक्ति को बैठा लेता था। कई बार तो साइकिल सवार आगे लगे डंडे पर भी अपने साथी को बिठाकर 3-3 लोग साइकिल पर सवारी करते थे। साइकिल से वातावरण में किसी तरह का प्रदूषण नहीं होता था। पेट्रोल डलवाने का झंझट भी नहीं था। साइकिल उठाई पैडल मारे और पहुंच गए अगले स्थान पर। पहले के जमाने में साइकिल के आगे एक छोटी सी लाइट भी लगी रहती थी। जिसका डायनुमा पीछे के टायर से जुड़ा रहता था। साइकिल सवार जितनी तेजी से साइकिल चलाता उतनी ही अधिक लाइट की रोशनी होती थी। तीन साल पहले विश्व साइकिल दिवस के दिन ही भारत की सबसे बड़ी साइकिल निमार्ता कम्पनी एटलस बंद हो गयी थी। प्रतिवर्ष 40 लाख साइकिल का उत्पादन करने वाली भारत की सबसे बड़ी व दुनिया की जानी मानी कम्पनी एटलस के बंद होने से साइकिल उद्योग को बड़ा धक्का लगा है। एटलस की फैक्ट्री बंद होने से वहां काम करने वाले करीबन एक हजार लोग बेरोजगार हो गये। एटलस साइकिल कम्पनी की स्थापना 1951 में हुई थी। इसका कई विदेशी साइकिल निमार्ता कंपनियों के साथ गठबंधन था। जिस कारण एटलस कम्पनी की साइकिल दुनिया भर की श्रेष्ठ साइकिलों में शुमार होती थी। अमेरिका के बड़े-बड़े डिपार्टमेंट स्टोर में भी एटलस की साइकिले बेची जाती थी। अब समय आ गया है कि शहर एवं गांवो में साइकिल चालन को एक बड़े स्तर पर प्रोत्साहन देने का। ताकि बढ़ते प्रदूषण को कुछ हद तक रोका जा सके। शहरों में समर्पित साइकिल मार्गों का निर्माण किया जाना चाहिये। हमें विश्व साइकिल दिवस को महज एक सांकेतिक कवायद के रूप में नहीं देखना चाहिये।

जनादेश की द्रोपदी का चीरहरण

- राकेश अचल

`अठारहवीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में जनादेश आने से पहले गोदी मीडिया के तमाम चैनलों और अखबारों के एक्जिट पोल द्वारा भाजपा गठबंधन की सरकार बनाई जा चुकी है। नयी सरकार को कायदे से आज ही पेशगी बधाई दे देना चाहिए, लेकिन मै गोदी मीडिया की तरह जनादेश की द्रोपदी का चीरहरण नहीं करना चाहता ,इसलिए नयी सरकार को बधाई 4 जून की दोपहर के बाद ही दूंगा। अब सवाल ये है कि गोदी मीडिया ने जनादेश की प्रतीक्षा किये बिना मोदी की सरकार बनवाने में उतावलेपन का जो मुजाहिरा आप मुजरा भी कह सकते हैं किया है उसके लिए उसे कितनी कीमत मिली या उसकी कीमत कौन चुकाएगा? जब एक्जिट पोल से ही सरकारें बनने लगीं हैं तो मतगणना की औपचारिकता कराने की क्या आवश्यकता है? भाजपा ने सत्ता में रहते हुए हैट्रिक लगाने के इतने पुख्ता इंतजाम कर ही लिए थे तो फिर चुनावों पर इतना खर्च करने की जरूरत भी क्या थी? केंचुआ उनका था, है। ईवीएम उनकी है और मीडिया उनका है ही। एक्जिट पोल दरअसल 4 जून को पहले से रचे गए कथित झूठ के नाटक की ताईद करने की एक निकृष्ट कोशिश है। देश में जब निशियाम बकबक करने वाले टीवी चैनल नहीं हुआ करते थे तब हम भी अखबारों के लिए सम्भावनाएँ तलाशने के लिए तमाम पापड़ बेलते थे ,और आप यकीन कीजिये की हमारे अनुमान भी सटीक ही बैठते थे लेकिन हम और हमारी पीढ़ी के पत्रकारों ने कभी भी जनादेश से पहले किसी पार्टी की सरकार नहीं बनवाई। न किसी दल के लिए लाल गलीचे नहीं बिछाए। जगजाहिर है कि देश में पहली बार चुनाव प्रचार की रेल मुद्दों की पटरी से परे दौड़ाने की कोशिश की गयी। सरकार की उपलब्धियों के बजाय विपक्ष की खामियों पर चुनाव लड़ने की कोशिश की गयी। उपलब्धियां गिनाने के बजाए विपक्ष के ऐब गिनाये गये । मुद्दों पर धूल डालकर उनकी जगह हौवे खड़े किये गए। कभी मंगलसूत्र खतरे में डाला गया तो कभी सनातन को । कभी हिन्दू -मुसलमान किया गया तो कभी अल्संख्यकों के आरक्षण को पिछड़ों के आरक्षण पर डकैती बताया गया तो कभी विरासत और भैंस तक को बीच में लाया गय। चुनाव प्रचार का समापन मुसलमानों के सामने विपक्ष के कथित मुजरे से हुआ। आदर्श आचार संहिता का पहरेदार केंचुआ आँखें नटेर कर सब कुछ देखता रहा। और वो सब कुछ हुआ जो नहीं होना चाहिए था। इस आम चुनाव में गरीबी, मंहगाई, बेरोजगारी और तो और एक जाति विशेष की अस्मिता का मामला भी यदि जनता की समझ में नहीं आया तो समझ लीजिये की जनता की आँखों में जो रतौंधी दस साल पहले पैदा की गयी थी वो अब अंधत्व में बदल चुकी है। जनता के मताधिकार से अब कोई तब्दीली नहीं हो सकती। हमारा जन प्रतिनिधित्व कानून अब एक ढकोसला बनकर रह गया है। हमारे पास जनता का गुस्सा प्रकट करने का कोई हथियार नहीं बचा है । मताधिकार हो या जनादेश या केंचुआ सभी पर सत्ता प्रतिष्ठान का नियंत्रण है। ताउम्र सत्ता में बने रहने की ललक है ,लिप्सा है। ये चुनाव किसी सरकार का नहीं बल्कि इस बात का फैसला करेगा कि जनता अपने मताधिकार से वंचित की जा चुकी है या नहीं? ये जनादेश सत्ता प्रतिष्ठान की साजिशों,मूर्खताओं और सियासत में अदावत का जहर घोलने के पक्ष में है या खिलाफ? फैसला जनता को करना है लेकिन लगता है कि ये फैसला भी सत्ता प्रतिष्ठान ने अपने हाथों में ले लिया है। जनता फिर एक बार ठगी जाने वाली है मदारियों के हाथों। चूंकि मैंने खुद तो चुनाव लड़ा नहीं है इसलिए एक्जिट पोल देखने के बाद मेरा कोई जाती नुक्सान तो होने से रहा,लेकिन जो नुक्सान देश का और जनता का होने वाला है उसकी कल्पना से मेरे मन में हल्की सी सिहरन जरूर है। देश आपातकाल के काले बादलों से 19 महीने में मुक्ति पा गया था लेकिन लगता है कि अब उसे अमर्यादित और कुंठित राजनीति के काले बादलों से मुक्ति के लिए अभी और प्रतीक्षा करना पड़ेगी। दुर्दिन कभी स्थाई नहीं होते । उनकी उम्र लम्बी जरूर हो सकती है। जनता यदि अपने मताधिकार के जरिये तबे पर जलती रोटी को नहीं पलट सकती तो उनके नसीब में जली रोटी ही लिखी है ये मानकर चलना चाहिए। मानकर चलना चाहिए कि उसके नसीब में तड़ीपार,बटमार और टपोरी नेतृत्व ही लिखा है। यहाँ मैं कवि प्रदीप की इस बात से बिलकुल सहमत नहीं हूँ कि -

कोई लाख करे चतुराई,
करम का लेख मिटे ना रे भाई

करम किस्मत का लेख, सुलेख, आलेख सब मिटाये जा रहे हैं, कान्सप्रेसी थ्योरी के जरिये। इलेक्टोरल बांड से मिले पैसे के जरिये। किस्मत अब पत्थर की लकीर नहीं ,बल्कि रेत पर लिखी इबारत जैसी है। बहरहाल आप और हम सभी मिलकर एक्जिट पोल का आनंद लें और स्क्रिपटेड जनादेश की प्रतीक्षा करें ।जो हो उसे शिरोधार्य करने की तैयारी करें । भाजपा ने तो जनादेश आने के पहले ही 9 जून को कर्तव्य पथ पर माननीय मोदी जी के शपथ ग्रहण की तयारी कर ली है और राहुल गांधी का अमेरिका यात्रा का टिकिट कटवाकर वायरल करा दिया है।

आर्थिक मोर्चे की दो शानदार खबरों से सशक्त होता भारत

- ललित गर्ग

एक जून को आम चुनाव के सातवें व अंतिम चरण के चुनाव हो रहे हैं, जिसमें 57 सीटों पर मतदान चल रहा है, चुनाव से पहले कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ध्यान को लेकर विपक्ष की धमासान राजनीति हो रही है, कांग्रेस मामले को लेकर अदालत भी पहुंच गई है, इस राजनीतिक गर्मा-गर्मी के बीच मतदान से ठीक एक दिन पहले आर्थिक मोर्चे पर दो शानदार खबरें आई है, जो न केवल चौंका रही है, आश्चर्यचकित कर रही है बल्कि अपूर्व खुशी का अहसास करा रही है। भारत भूमि पर भारतीय रिजर्व बैंक के खजाने में 100 टन से कुछ ज्यादा स्वर्ण का शामिल होना सुखद और गौरवान्वित करने वाली खबर है। इसी तरह दूसरी महत्वपूर्ण खबर है पूर्व के सभी अनुमानों को ध्वस्त करते हुए देश की अर्थव्यवस्था ने 8.2 फीसदी की दर से उड़ान भरी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, पहली तिमाही अप्रैल-जून में 7.8 फीसदी, दूसरी तिमाही जुलाई- सितंबर में 7.6 प्रतिशत और तीसरी तिमाही अक्टूबर- दिसंबर में 8.6 फीसदी की दर से बढ़ी थी। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई। जीडीपी की यह रफ्तार दुनिया के सभी विकसित एवं विकासशील देशों में सर्वाधिक है। उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति की यह तेज गति सशक्त अर्थव्यवस्था को एवं दुनिया की तीसरी आर्थिक महाताकत बनने के संकल्प को बल देगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूसरे कार्यकाल की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से ही भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में एक चमकते सितारे के रूप में उभरी है, सुदृढ़ आर्थिक विकास के सुनहरे परिदृश्य प्रस्तुत कर रही है एवं ह्लमजबूत आर्थिक विकासह्ल को दर्शा रही है। जीडीपी की शिखर की ओर बढ़ने की गति भारत के शक्तिशाली बनने का आधार है। विनिर्माण, निर्माण, लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाओं द्वारा प्रोत्साहित, चौथी तिमाही की 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्थशास्त्रियों द्वारा लगाए गए 7.3-7.4 प्रतिशत के उच्चतम अनुमान से कहीं अधिक रही। और 8.2 प्रतिशत की पूर्ण वर्ष की वृद्धि दर आरबीआई द्वारा अनुमानित 7 प्रतिशत और एनएसओ द्वारा 2023-24 के लिए 7.6 प्रतिशत के दूसरे अग्रिम अनुमान से अधिक है। यह आंकड़ा सभी अनुमानों एवं पूवार्नुमानों से ऊपर है। जीडीपी की गति इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति देगी। यह आर्थिक विकास देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा। यह जीडीपी इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल यानी 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का विजन निश्चित ही हम हासिल करेंगे।

आज का राशिफल

मेष आज करियर के मामले में लाभ होगा और आज जरूरी काम से आपको बाहर जाना पड़ सकता है।

तुला दिन मिलाजुला प्रभाव दिखाने वाला होगा। फैसला जल्दबाजी में न करें।

वृषभ शांति से बिताने का है। भाग्य आपका साथ देगा और आपकी कार्य योजनाएं सफल होंगी।

वृश्चिक आज आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। किसी राजनयिक से निकटता व दोस्ती होगी।

मिथुन आज आपके सभी कार्य सरलता से बन जाएंगे। हालांकि दिन थोड़ा व्यस्तता में बीतेगा।

धनु आपका साथ देगा। आपके विरोधी परास्त होंगे और आपके जीवन में रूठना मनाना चलता रहेगा।

कर्क आपको कार्य में सफलता प्राप्त होगी। पराक्रम में वृद्धि से आपको आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

मकर पुरानी महिला मित्र से धन लाभ होने से आपको हर्ष होगा और किस्मत आपका साथ देगी।

सिंह करियर के मामले में दिन सफलता से भरा होगा और आपके जीवन में सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

कुंभ कार्ययोजनाएं सफल होंगी। आपको संतान पक्ष की ओर से बड़ी मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है।

कन्या आज का दिन परेशानी और चिंता से भरा होगा। काम का भार भी आज कुछ ज्यादा अनुभव करेंगे।

मीन आज करियर में लाभ होगा और आपके भाग्य में वृद्धि होने से आपका मन काफी प्रसन्न होगा।

विशेष

पाकिस्तान के नेताओं की तारीफ में मोदी और राहुल?

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह मुद्दा बना रहे हैं। राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन को पाकिस्तान का समर्थन मिल रहा है। पाकिस्तान के नेता चाह रहे हैं, राहुल गांधी भारत के प्रधानमंत्री बने। इस बात की वह जांच कराने की मांग कर रहे हैं। अब अटल बिहारी वाजपेई और नरेंद्र मोदी के ऊपर भी इसी तरह के जांच की बात विपक्ष करने लगा है। अटल बिहारी बाजपेई तो बस लेकर पाकिस्तान गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अचानक नवाज शरीफ को बिना बुलावे बधाई देने पहुंच गए थे। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पाकिस्तान के कई नेता कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कर चुके हैं।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह की पीठ पर किसका हाथ?

भोजपुरी फिल्मों के स्टार पवन सिंह को भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल की संसदीय सीट आसनसोल से भाजपा का उम्मीदवार बनाया था। उन्होंने वहां से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। आसनसोल सीट से शत्रुघ्न सिन्हा टीएमसी की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। पवन सिंह बिहार की काराकट सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट से एनडीए के उपेंद्र कुशवाहा चुनाव लड़ रहे हैं। यहां पर कुशवाहा समुदाय के वोट 3 लाख से ज्यादा है। राजपूत मतदाता 100000 के करीब है। इसके बाद भी पवन सिंह ने इस संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ना क्यों स्वीकार किया। इसको लेकर देश भर में चचाएं हो रही हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1904: प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता जी.शंकर कुरूप का जन्म हुआ . 1975: रवीन्द्रनाथ टैगोर को ब्रिटिश सरकार ने सर की उपाधि से सम्मानित किया. 1959: सिंगापुर आजाद हुआ. 1962: एयर फ्रांस बोइंग 707 जेट विमान पेरिस में उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त,30 लोगों की मृत्यु. 1976: अंतराष्ट्रीय हवाई करतब प्रदर्शन में सोवियत सुपरसानिक विमान पेरिस में दुर्घटना ग्रस्त हुआ जिसमे छह विमान चालक और सात फ्रांसिसी नागरिक मारे गए. 1976: बोलीविया के राष्ट्रपति जुआन जोस टोरेंस अर्जेंटीना में मृत पाये गये. 1979 मोरारजी देसाई ने प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र दिया. 1989: ईरान के धार्मिक नेता आयतुल्ला खोमैनी की मौत हुई . 1993: लालकृष्ण आडवाणी भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बने. 1995: बसपा नेता मायावती उत्तर प्रदेश की नयी मुख्यमंत्री बनीं.

दैनिक पंचांग

03 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.04 बजे से
चंद्र	मेष में	कर्क	08.18 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.34 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.46 बजे से
गुरु	वृष में	तुला	14.57 बजे से
शुक्र	वृष में	वृश्चिक	17.11 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	19.27 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.32 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.19 बजे से
राहुकाल		मीन	00.52 बजे से
7.30 से 9.00		मेष	02.22 बजे से
बजे तक		वृष	04.02 बजे से

सोमवार 2024 वर्ष का 155 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **तिथि** द्वादशी 00.19 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 00.05 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सौभाग्य 09.11 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 13.30 बजे तदनन्तर तैतिल 00.19 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 21' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871999 **जूलियन दिन** 2460464.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** जिल्काद **तारीख** 25 **विशेष** वैष्णव अपरा एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति में रूस नंबर-1

▶▶ मई में रूसी तेल आयात 10 महीने की ऊंचाई पर ▶▶ पहले इराक और सऊदी अरब का रहा है दबदबा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के साथ तेल व्यापार का खेल पूरी तरह से बदल गया है। कभी भारत को तेल आपूर्ति के मामले में अव्वल रहने वाले सऊदी अरब का दबदबा कम होता जा रहा है। अलबत्ता, भारत का सबसे सबसे भरोसेमंद दोस्त रूस इस लिस्ट में टॉप पर पहुंच गया है। मई 2024 में रूस भारत को कच्चे तेल की सप्लाई करने वाले देशों में शीर्ष पर रहा। इसके बाद इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका का स्थान है। मई में भारत का रूसी तेल आयात 10 महीने के ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। इसकी वजह यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण रूस में रिफाइनरी गतिविधि में कमी है। इसके चलते निर्यात के लिए अधिक तेल उपलब्ध हो गया। भारत को रियायती दरों पर रूसी तेल के आयात ने सऊदी अरब से होने वाले तेल के प्रवाह को काफी हद तक प्रभावित किया है।

कमोडिटी मार्केट एनालिटिक फर्म केप्लर के अनुसार, भारतीय रिफाइनर ने मई में 19.6 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रूसी कच्चे तेल का आयात किया, जो पिछले जुलाई के बाद से सबसे अधिक है। अप्रैल के आयात से यह लगभग 3 प्रतिशत ज्यादा है। मई भारत के रूसी तेल आयात में बढ़ोतरी का लगातार पांचवां महीना है।

सऊदी अरब से आयात में गरिावट

इसके उलट भारत के तीसरे सबसे बड़े क्रूड (कच्चे तेल) आपूर्तिकर्ता सऊदी अरब से तेल आयात पिछले महीने से लगभग 13 प्रतिशत घटकर 5.5 लाख बीपीडी रह गया, जो पिछले साल सितंबर के बाद सबसे कम है। इस गिरावट की मुख्य वजह सऊदी अरब के तेल की तुलना में रूसी कच्चे तेल का किफायती होना है। केप्लर में क्रूड एनालिसिस हेड विक्टर कैटोना ने कहा, यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण रूसी रिफाइनरियों में उत्पादन मौसमी रूप से कम रहा है। ऐसे में निर्यात के लिए बाजारों में अधिक कच्चा तेल जा रहा है। कैटोना के मुताबिक, भारतीय रिफाइनरीज का सऊदी अरब से आयात कम करने का फैसला पूरी तरह से व्यावसायिक है। यह इस तथ्य को दर्शाता है कि सऊदी और रूसी बैरल के मूल्य निर्धारण में 5-6 डॉलर प्रति बैरल का अंतर बना हुआ है।

अमेरिका से भी तेल आयात में बढ़ोतरी

मई में भारत का अमेरिका से तेल आयात भी 10 महीने के ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। भारत ने 2.1 लाख बीपीडी अमेरिकी कच्चे तेल का आयात किया। यह अप्रैल के आयात से 4.5 फीसदी की बढ़ोतरी थी। पिछले जुलाई के बाद से यह सबसे अधिक है। अमेरिका से आयात में बढ़ोतरी का कारण अमेरिकी कच्चे तेल का पश्चिम एशिया के समान ग्रेड के मुकाबले तुलनात्मक रूप से सस्ता होना है। यूक्रेन में युद्ध से पहले इराक और सऊदी अरब भारत को कच्चे तेल की आपर्ति में दो टॉप सप्लायर थे। फरवरी 2022 में रूस- यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों ने रूसी एनर्जी सप्लाई से खुद को अलग करना शुरू किया। रूस ने अपने कच्चे तेल पर छूट दी तो भारतीय रिफाइनर इन डिस्काउंट वाले बैरल्स को खरीदने लगे। भारत दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा आयातक है। वह अपनी जरूरत का 85 फीसदी तेल इंपोर्ट करता है। भारत तेल की कीमतों के प्रति बेहद संवेदनशील है। हालांकि, व्यापार स्रोतों ने संकेत दिया है कि पिछले महीनों में रूसी कच्चे तेल पर छूट काफी कम हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

ओडिशा में 11,782 करोड़ रुपए की कोयला गैसीकरण परियोजना के लिए बोलियां मांगी गईं

नईदिल्ली, एजेंसी। ओडिशा में 11,782 करोड़ रुपए की कोयला गैसीकरण परियोजना के लिए वैश्विक और घरेलू कंपनियों से बोलियां आमंत्रित की गई हैं। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और बीएचईएल द्वारा एक संयुक्त उद्यम - भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल) के गठन के बाद ये बोलियां आमंत्रित की गई हैं। इसके साथ ही दोनों सार्वजनिक उपक्रमों ने कोयला से लेकर रसायन कारोबार में प्रवेश कर लिया है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ÷बीसीजीसीएल ने 30 मई, 2024 को ओडिशा में 'कोयला से अमोनियम नाइट्रेट परियोजना के लिए एलएसटीके-2 (एकमुश्त टर्नकी) ठेकेदार के चयन के लिए निविदा दस्तावेज जारी किया है।÷ यह निविदा सिंथेटिक गैस शोधन संयंत्र और अमोनिया संश्लेषण गैस संयंत्र से संबंधित है। यह कोयला गैसीफायर से उत्पादित कच्चे सिंथेटिक गैस को शुद्ध करेगा और उसे अमोनिया संश्लेषण के लिए उपयुक्त बनाएगा। दोनों कंपनियों ने सतही कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी के जरिए देश का पहला वाणिज्यिक पैमाने का कोयला-से-अमोनियम नाइट्रेट संयंत्र स्थापित करने के लिए एक समझौता किया है। पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट के अनुसार, पूरी परियोजना लागत 11,782 करोड़ रुपए है।

245 तक गिर सकता है पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। राज्य के स्वामित्व वाली पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को मामूली तेजी के साथ 309 रुपये पर बंद हुए थे। मार्च तिमाही नतीजों के बाद ब्रोकरेज इस शेयर को लेकर थोड़ा सतर्क नजर आ रहे हैं और इसे बेचने की सलाह दे रहे हैं। बता दें कि पिछले पांच दिन में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के शेयर 3 प्रतिशत और महीनेभर में 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, इस साल अब तक यह शेयर 25 प्रतिशत तक चढ़ा है।

क्या है ब्रोकरेज की राय

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने अपनी हालिया रिपोर्ट में इस पावर शेयर सेल रेटिंग दी है। इसका सेल टारगेट प्राइस 245 रुपये तय किया है। वहीं, ग्लोबल ब्रोकरेच फर्म मॉर्गन स्टेनली ने पावर ग्रिड पर 296 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ ओवरवेट कॉल बरकरार रखी है। बता दें कि पीएसयू फर्म के नेट प्रॉफिट में मार्च 2024 तिमाही में लगभग चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है और यह 4,166.33 करोड़ रुपये पर रहा। गिरावट की वजह इनकम का कम होना बताया गया है। पावर ग्रिड ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2.75 रुपये प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की है, जो कंपनी की आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अप्रूवल के अधीन है। इससे पहले कंपनी ने नवंबर 2023 में 4 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम डिविडेंड की घोषणा की थी। पिछले साल पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ने 1:3 के बोनस इश्यू की घोषणा की थी।

नौकरी छोड़कर छोटे से कमरे से शुरू किया कारोबार, आज 50 हजार करोड़ की कंपनी के हैं मालिक

नईदिल्ली, एजेंसी। जीवन में सफलता हासिल करने के लिए कई बार रिस्क लेने पड़ते हैं। लेकिन ऐसे बहुत ही कम लोग हैं जो रिस्क लेने की हिम्मत रखते हैं। अगर एक बार कुछ ठान लिया जाए और उसके लिए पूरी ताकत से मेहनत की जाए तो सफलता जरूर मिलती है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है संजीव बिकचंदानी ने। संजीव नौकरी डॉटकॉम और जीवनसाथी डॉटकॉम वेबसाइट्स को चलाने वाली कंपनी इंफोएज के मालिक हैं। संजीव ने कारोबार शुरू करने के लिए अपनी अच्छी भली नौकरी को छोड़ दिया था। संजीव बिकचंदानी को अपने रिश्तेदारों से, दोस्तों से कई बार इस तरह की बातें सुनने को मिली, लेकिन संजीव ने कभी इन बातों को अपने काम पर हावी नहीं होने दिया। आज संजीव 50 हजार करोड़ रुपये की कंपनी के मालिक हैं।

प प्रतिशती की कमाई से चलाया घर

संजीव बिकचंदानी की कहानी बेहद दिलचस्प हैं। संजीव बिकचंदानी ने आईआईएम अहमदाबाद (से पढ़ाई की है। उन्होंने 1989 में पहली नौकरी ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन के साथ शुरू की थी। लेकिन एक साल बाद ही उन्होंने अपना कारोबार शुरू करने का फैसला कर लिया था। संजीव के मन में चल रहे इस सपने को पूरा करने में उनकी प प्रतिशती सुरभि ने उनका बड़ा साथ दिया था। दोनों शादी से पहले आईआईएम अहमदाबाद में पढ़ते थे। संजीव ने आईआईएम अहमदाबाद से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद एक नामी कंपनी में नौकरी कर ली। संजीव की प प्रतिशती भी अच्छी कंपनी में जॉब करती थीं। वह साल 1990 का था, जब संजीव ने अपना खुद का बिजनेस शुरू करने का फैसला किया। इस दौरान उनकी प प्रतिशती ने भी उन्हें भरोसा दिलाया कि वो हर तरह से उनके साथ हैं। सुरभि की सैलरी से घर खर्च चलने लगा और संजीव अपना सपना साकार करने में जुट गए। 1990 में ही संजीव बिकचंदानी ने अपने पिता के गैराज में सेकेंड हैंड कंप्यूटर और घर के पुराने फर्नीचर के साथ इन्फो एज (इंडिया) की शुरुआत की थी। आज संजीव की कंपनी इन्फो एज इंडिया का मार्केट कैप 57,500 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। फोर्ब्स के मुताबिक, संजीव बिकचंदानी की कुल संपत्ति 2.3 बिलियन डॉलर यानी करीब 19,000 करोड़ रुपये से अधिक की है।

रेड सी संकट से बढ़ गए फ्रिज, एसी के दाम, कंपनियों ने डीलर्स को भेजी नई रेट लिस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी के बीच पसीने छुड़ाने वाली खबर है। उपभोक्ताओं को फ्रिज, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन, पंखे, किचन अप्लायंस, वायर और पंप जैसे इलेक्ट्रिकल कंज्यूमर गुड्स खरीदने के लिए 2-5 प्रतिशत अधिक खर्च करना पड़ेगा। इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव्ज के अनुसार, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, हैवेल्स, बजाज इलेक्ट्रिकल्स और वी-गार्ड इंडस्ट्रीज जैसे प्रमुख निर्माताओं ने या तो कीमतें बढ़ाई हैं या अपने डीलरों को सूचित किया है कि वे ऐसा करने वाले हैं। उनके मुताबिक, इसके पीछे कई कारण हैं। कॉपर और एल्यूमीनियम जैसी प्रमुख वस्तुओं के दामों में 20-25 फीसदी की बढ़ोतरी, पिछले दो-चार महीनों में लाल सागर संकट के कारण माल ढुलाई लागत में तेजी के अलावा रुपये के अवमूल्यन से भाव बढ़ने का ताजा दौर लगभग नौ महीने बाद आया है। देश की दूसरी सबसे बड़े घरेलू उपकरण निर्माता कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने गुरुवार को अपने ट्रेड पार्टनर्स को व्हाट्सएप मैसेज के जरिये इस बारे में सूचित किया है। उसने बताया है कि रुपये के अवमूल्यन से इनपुट लागत में बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए वह होम एप्लायंस कैटेगरी में जून से 2.5 प्रतिशत की कीमत बढ़ोतरी पर विचार कर रही है।

हैवेल्स के एमडी अनिल राय गुप्ता ने हमारे सहयोगी इकनॉमिक टाइम्स को बताया कि कंपनी ने इस महीने केबल और तारों की कीमतें बढ़ाई हैं। पिछली तिमाही में दाम बढ़ाए गए थे। उन्होंने कहा कि तांबा और एल्यूमीनियम की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण एयर-कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर की कीमतें 5-7 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं।

गुप्ता ने कहा, कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडस्ट्री में मार्जिन बहुत कम होते हैं। लिहाजा, हमें इनपुट लागत में बढ़ोतरी को पास करना पड़ता है। केबल तार के लिए मार्जिन और भी कम होता है। इसलिए हमें कीमतें बढ़ानी पड़ती हैं। हैवेल्स लॉयड अप्लायंसेस ब्रांड की भी मालिक है। कम्प्रेसर जैसे कंपोनेंट की कीमतें बढ़ी हैं। इसके अलावा टेलीविजन में इस्तेमाल होने वाले ओपन सेल पैनल के दामों में भी पिछले दो महीनों में 5-6 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। जबकि माल ढुलाई लागत दो से तीन गुना बढ़ गई है। कंपनियों ने पहले विदेशी विनिमय दरों को रुपये 81-82 प्रति डॉलर पर कंपोनेंट के आयात के लिए स्टैंडर्ड बनाया था, लेकिन रुपया और अधिक टूट गया।

दाम बढ़ाने को मजबूर हैं कंपनियां

गोदरेज एप्लायंसेस के बिजनेस हेड, कमल नंदी ने कहा, इनपुट लागत पर कुल प्रभाव लगभग 2-3 प्रतिशत है। कीमत बढ़ोतरी जरूरी है। टेलीविजन निर्माता भी कीमत बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं। कुछ छोटे ब्रांड जून में 4-6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की योजना बना रहे हैं। ग्रेट ईस्टर्न रिटेल के निदेशक पुलकित बैद ने कहा, छोटी अवधि में बाजार मूल्य वृद्धि को बिना मांग पर प्रभाव डाले एडजस्ट कर लेगा। लेकिन, एक बार जब ग्रीष्मकालीन मांग धीमी हो जाएगी, तो ब्रांड्स को कीमतों को फिर से सुधारना पड़ सकता है।

बजाज इलेक्ट्रिकल्स के सीईओ अनुज पोद्दार ने 14 मई को विश्लेषकों से कहा था कि कंपनी 16 मई से कीमतें बढ़ाएगी। वी-गार्ड इंडस्ट्रीज ने इस महीने पंखे और पंप की कीमतें 2 प्रतिशत बढ़ाई हैं।

हुंदै की बिक्री मई में 7 प्रतिशत बढ़कर 63,551 इकाई पर

नईदिल्ली, एजेंसी। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड की वाहन बिक्री मई में सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 63,551 इकाई रही है। पिछले साल समान माह में कंपनी ने 59,601 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी की घरेलू थोक बिक्री मई में एक प्रतिशत बढ़कर 49,151 इकाई हो गई, जो पिछले साल मई में 48,601 इकाई थी। कंपनी ने शनिवार को बयान में कहा कि वाहन निर्यात मई में 31 प्रतिशत बढ़कर 14,400 इकाई हो गया, जो पिछले साल मई में 11,000 इकाई था।एचएमआईएल के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) तरुण गर्ग ने कहा, ÷हमने अपने श्रीपेरंबदूर कारखाने में नियमित द्विवार्षिक रखरखाव के चलते एक सप्ताह तक कारखाना बंद होने के बावजूद मई, 2024 में एक स्वस्थ बिक्री बनाए रखी है।÷ उन्होंने कहा कि वृद्धि में सबसे ज्यादा योगदान स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) खंड का बना हुआ है।

केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लाएगी आईपीओ, केनरा बैंक बेचेगा अपनी हिस्सेदारी

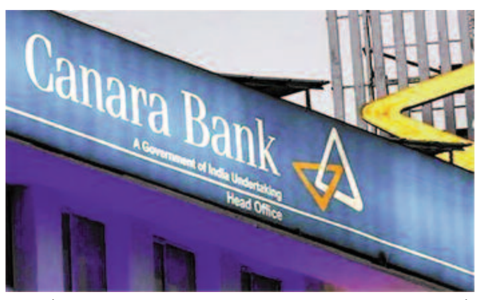

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के पब्लिक सेक्टर के बड़े बैंक केनरा बैंक ने इंश्योरेंस कंपनी केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस में अपनी हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया है। बैंक इस बीमा कंपनी में कुल 14.50 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री करने जा रहा है।

इसके लिए केनरा बैंक जल्द ही मार्केट में केनरा एचएसबीसी का आईपीओ लाने वाला है। स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के मुताबिक, केनरा बैंक ने एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में अपनी हिस्सेदारी को कम करने का प्रोसेस भी शुरू कर दिया है। इसके लिए बैंक इस कंपनी का आईपीओ लाने की तैयारी कर रहा है। वित्त वर्ष 2024 तक केनरा बैंक की केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस में 51 फीसदी हिस्सेदारी थी। बैंक ने फिलहाल आईपीओ लाने की बात कही है लेकिन आईपीओ का साइज और इसे कब तक लाया जाएगा, इस बात का खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। बीमा कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 की जनवरी से मार्च तिमाही के बीच कुल 113.31 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है।

केनरा बैंक ने अपनी एसेट मैनेजमेंट कंपनी केनरा रोबैको एसेट मैनेजमेंट कंपनी को केवल बीमा कंपनी ही नहीं बल्कि म्यूचुअल फंड कंपनी में भी अपनी हिस्सेदारी कम करने की बात कही है। केनरा बैंक में अपनी 13 फीसदी हिस्सेदारी बेच सकता है। शेयर मार्केट को दी गई जानकारी के मुताबिक, केनरा बैंक अपनी 13 फीसदी हिस्सेदारी को आईपीओ के जरिए बेचने वाला है। इसके लिए बैंक ने अप्रूवल भी ले लिया है। ध्यान देने वाली बात ये है कि बैंक को आईपीओ लाने से पहले आरबीआई और वित्त मंत्रालय से भी परमीशन लेनी होगी।

टैटू का शौक : 20,000 करोड़ का धंधा हो सकता है चौपट

नईदिल्ली, एजेंसी। इसे टैटू बोलिए या गोदना या गुदना। भारत में यह काफी पुराना है। हालांकि इस बारे में कोई अभिलेख तो नहीं है, लेकिन आदिवासियों में गोदना गुदवाने की परंपरा सदियों पुरानी है। इस समय यह फिर से लौट आया है। युवाओं में तो टैटू को लेकर खास ही क्रेज है। चाहे क्रिकेट खिलाड़ी हों या फिल्मी सितारे, कोई भी इससे अछूते नहीं है। तभी तो अनुमान लगाया गया है कि भारत में टैटू उद्योग हर साल 20,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का रेवेन्यू जेनेरेट करता है। लेकिन एक रिपोर्ट ने टैटू इंडस्ट्री के विकास पर ग्रहण लगा दिया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि जिन व्यक्ति के शरीर पर टैटू बना होता है, उनमें कैंसर होने का खतरा 21 फीसदी ज्यादा होता है।

भारत का टैटू उद्योग कितनी तेजी से बढ़ रहा है, इसका अनुमान इसी बात से लगता है कि आपको हर जगह टैटू बनाने वाले मिल जाएंगे। आप चाहे गोवा के समुद्र तट जाएं, उत्तराखंड में हरिद्वार-ऋषिकेश जाएं, दिल्ली का कनॉट प्लेस इलाका हो या गुड़गांव का डीएलएफ मॉल, या नोएडा का डीएलएफ मॉल, सब जगह आपको टैटू आर्टिस्ट या टैटू पार्लर मिल जाएगा। अनुमान है कि इससे हर साल करीब 20,000 करोड़ रुपये का योगदान अर्थव्यवस्था में होता है।

स्वीडन में एक विश्व प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी है स्वीडन में लुंड विश्वविद्यालय। इसी यूनिवर्सिटी की एक हालिया अध्ययन में एक आश्चर्यजनक खोज की गई है। इसमें बताया गया है कि टैटू वाले व्यक्तियों में लिंफोमा विकसित होने का खतरा 21 फीसदी अधिक होता है। यह बढ़ा हुआ जोखिम टैटू के आकार की परवाह किए बिना लागू होता है। मतलब कि यह नहीं कह सकते हैं कि हमने छोटा टैटू बनवाया है तो कैंसर होगा। फलाने ने बड़ा सा टैटू बनवाया है तो उसे ही कैंसर होगा। यह दर्शाता है कि छोटे टैटू भी इस प्रकार के कैंसर के विकास की संभावना में योगदान कर सकते हैं।

क्या है लिम्फोमा

फॉक्स की रिपोर्ट के अनुसार, लिम्फोमा कैंसर का एक रूप है जो लसीका प्रणाली को निशाना बनाता है। यह शरीर की प्रतिरक्षा रक्षा तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फॉक्स ने इस स्टडी के हवाले से बताया है कि टैटू वाले व्यक्तियों में सबसे अधिक प्रचलित कैंसर बड़े बी-सेल गैर-हॉजकिन लिंफोमा और कूपिक गैर-हॉजकिन लिंफोमा थे।

कैंसर के अलावा अन्य रोग भी हो सकते हैं

आपको टैटू बनवाना पसंद है दिल्ली में हिंदूराव अस्पताल के रिटायर्ड सीएमओ डॉक्टर नागेंद्र कुमार सिन्हा का कहना है कि टैटू बनवाते समय सावधान रहें। किसी दूसरे व्यक्ति के शरीद पर टैटू बनाने के लिए इस्तेमाल की गई स्याही और सुई से आपको हेपेटाइटिस बी, सी, एचआईवी और यहां तक कि लीवर और रक्त के कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

इनमें खतरा अधिक

स्वीडन में लुंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा 11,905 व्यक्तियों पर किए गए हालिया अध्ययन में पाया गया कि टैटू गुदवाने वाले व्यक्तियों में लिंफोमा का खतरा अधिक होता है। लिंफोमा का खतरा उन व्यक्तियों में सबसे अधिक था, जिन्होंने अपना पहला टैटू दो साल से कम समय में बनवाया था। उल्लेखनीय है कि इस समय भारत ही नहीं, दुनिया भर में टैटू शारीरिक कला के एक रूप और अपने विचारों या जुनून को व्यक्त करने के साधन के रूप में, विशेष रूप से युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय हो गए हैं।

सिगरेट बनाने वाली कंपनी में विवाद, कारोबारी बेटे ने मां पर ही लगाए गंभीर आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। सिगरेट निर्माता गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयर फोकस में रह सकते हैं। दरअसल, कंपनी में इंटरनल विवाद चल रहा है। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के कार्यकारी निदेशक समीर मोदी ने अपनी मां बीना मोदी पर आरोप लगाया है कि उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में कंपनी की बोर्ड बैठक के दौरान उन पर शारीरिक हमला करवाया।

क्या है आरोप

समीर मोदी ने दिल्ली पुलिस के समक्ष दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया है कि 30 मई को गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया (जीपीआई) की बोर्ड बैठक में उनकी मां बीना मोदी के पीएसओ (सुरक्षाकर्मी) ने उन्हें भाग लेने से रोका और हमला करके उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्होंने तीन पन्नों की शिकायत में कहा, यह हमला लालच के कारण और मुझे मेरे अधिकारों, मेरी विरासत से वंचित करने और मुझे जान से मारने या अपनी शर्तों पर समझौता करने के इरादे से किया गया था। उन्होंने पुलिस से इस मामले में तत्काल कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। मोदी ने कहा, मेरी मां और भसीन ने इस हमले की साजिश रची और बोर्ड के अन्य मौजूदा सदस्य हमला करने वालों के पक्ष में थे। कृपया सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी दावा किया कि हमले का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध है और इसे नष्ट किए जाने से पहले तुरंत जब्त कर लिया जाना चाहिए। इस मामले पर गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया से प्रतिक्रिया मांगने के लिए भेजे गए ईमेल का फिलहाल कोई जवाब नहीं मिला। के के मोदी परिवार के सदस्य इस समय 11,000 करोड़ रुपये के कारोबारी साम्राज्य को लेकर कानूनी लड़ाई में उलझे हुए हैं। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयर बीते शुक्रवार को 3 प्रतिशत तक चढ़कर 3,950 रुपये पर बंद हुए थे। इस साल अब तक यह शेयर 90 प्रतिशत तक चढ़ा है। सालभर में यह शेयर 131 प्रतिशत चढ़ा है। इसका मैक्सिमम रिटर्न 5,266.85 प्रतिशत का है।

रबी फसलों में खरपतवार नियंत्रण हेतु प्रभावी शाकनाशी

हमारे देश में रबी अर्थात शीत ऋतु में मुख्य रूप से गेहूं, जौ, राई-सरसों, अलसी, चना, मटर, मसूर, गन्ना आदि फसलों की खेती की जाती है। फसलोत्पादन को प्रभावित करने वाले वातावरणीय कारकों यथा वर्षा जल, तापक्रम, आद्रता, प्रकाश आदि के अलावा जैविक कारकों जैसे कीट, रोग व खरपतवार प्रकोप से फसल उपज का बड़ा हिस्सा बर्बाद हो जाता है। इन सभी फसल नाशकों में से खरपतवारों द्वारा फसल को सर्वाधिक नुकसान होता है।

रबी फसलों में खरपतवार नियंत्रण हेतु कारगर शाकनाशी

खरपतवारों के प्रकोप से दलहनी फसलों में 75 से 90 प्रतिशत, तिलहन फसलों में 25 से 35 प्रतिशत तथा गेहूं व जौ आदि खाद्यान्न फसलों में 10 से 60 प्रतिशत तक पैदावार घट जाती है। सही समय पर खरपतवार नियंत्रित कर लिया जावे तो हमारे खाद्यान्न के लगभग एक तिहाई हिस्से को नष्ट होने से बचा कर देश की खाद्यान्न सुरक्षा को अधिक मजबूत किया जा सकता है। खेत में खरपतवार फसल के साथ पोषक तत्वों, हवा, पानी और प्रकाश के लिए प्रतिस्पर्धा करते है जिससे फसल उपज की मात्रा एवं गुणवत्ता में गिरावट हो जाती है।

प्रभावशाली ढ़ंग से खरपतवार नियंत्रण के लिए हमें खरपतवारों का ज्ञान होना अति आवश्यक है। रबी फसलों के साथ उगने वाले प्रमुख खरपतवारों को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है ङ्क

1.चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार

बथुआ (चिनोपोडियम एल्बम), कृष्णनील (एनागेलिस आरवेंसिस), जंगली पालक (रूमेक्स डेन्टाटस), हिरनखुरी(कन्वाबुलस आर्वेसिस), सफ़ेद सेंजी (मेलीलोटस एल्बा), पीली सेंजी (मेलीलोटस इंडिका) जंगली रिजका (मेडीकागो डेन्टीकुलाटा), अकरा-अकरी (विसिया प्रजाति), जंगली गाजर (फ्यूमेरिया पारविफ्लोरा), चटरी-मटरी (लेथाइरस अफाका),सत्यानाशी (आरजीमोन मेक्सिकाना) आदि।

2.संकरी पत्तीवाले खरपतवार:

गेहूंसा या गुल्ली डण्डा (फेलेरिस माइनर), जंगली जई (एवीना फतुआ), दूबघास(साइनोडान डेक्टीलोन)आदि।

3.मोथा कुल के खरपतवार

मौथ (साइप्रस प्रजाति) आदि।
एक बीज पत्रिय घास एवं मोथा कुल के खरपतवारों को ऐसे पहचानें
रबी फसलों के संकरी पत्ती वाले एक बीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के संकरी पत्ती वाले एक बीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के चौड़ी पत्ती वाले द्विबीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के चौड़ी पत्ती वाले द्विबीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के चौड़ी पत्ती वाले द्विबीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के चौड़ी पत्ती वाले द्विबीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के चौड़ी पत्ती वाले द्विबीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के चौड़ी पत्ती वाले द्विबीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के चौड़ी पत्ती वाले द्विबीज पत्रिय खरपतवार

बेहतर उपज के लिए सही समय पर खरपतवारों का नियंत्रण

रबी फसलों से प्रति इकाई अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने के लिए इन फसलों की बुआई से लेकर प्रारंभिक 25-30 दिन तक की अवस्था तक खेत को खरपतवार मुक्त रखना आवश्यक रहता है। फसल की बुवाई से लेकर फसल कटाई तक खेत में खरपतवार नियंत्रण की विधियाँ अपनाना आर्थिक दृष्टि से लाभदायक नहीं माना जा सकता है। इसलिए फसल-खरपतवार प्रतिस्पर्धा की क्रान्तिक अवस्था में (सारणी-1 के अनुसार) खरपतवार नियंत्रण अति आवश्यक है, अन्यथा फसल उत्पादन में भारी क्षति होने की सम्भावना रहती है।

खरपतावार नियंत्रण के प्रमुख उपाय

खरपतवार प्रबन्धन के अंतर्गत खरपतवारों का निरोधन, उन्मूलन तथा नियंत्रण सम्मिलित होता है। खरपतवार नियंत्रण की सीमा में खरपतवारों की वृद्धि रोकना, खरपतवार तथा फसलों के बीच प्रतिस्पर्धा को घटाना, खरपतवार का बीज बनने से रोकना तथा बीजों तथा अन्य वानस्पतिक भागों का प्रसरण रोकने के अलावा खरपतवारों का सम्पूर्ण विनाश आता है जो खरपतवार प्रबन्ध का मुख्य उद्देश्य है। खरपतवार प्रबन्धन के अन्तर्गत निरोधी एवं चिकित्सकीय विधियाँ आती है। चिकित्सकीय विधि के अंतर्गत उन्मूलन तथा नियंत्रण सम्मिलित होता है।

परंपरागत रूप से खरपतवार नियंत्रण के लिए निंदाई, गुड़ाई ही कारगर विधि मानी जाती थी। परन्तु प्रतिकूल मौसम जैसे लगातार वर्षा अथवा मजदूर न मिलने के कारण यांत्रिक या सस्यविधियों से खरपतवार नियंत्रण कठिन होता

जा रहा है। इन विषम परिस्थितियों में सीमित लागत तथा कम समय में अधिक क्षेत्रफल में फसल के इन दुश्मनों पर नियंत्रण पाने के लिए रासायनिक विधियाँ कारगर साबित हो रही है। शाकनाशियों के प्रयोग से खरपतवार उगते ही नष्ट हो जाते है जिससे उनकी पुर्नवृद्धि, फूल व बीज विकास रूक जाता है। शाकनाशियों को पमुख तीन वर्गों में बांटा गया है अथवा शाकनाशियों को तीन तरह से उपयोग कर सकते है।

1.बुवाई से पूर्व प्रयुक्त शाकनाशक (पी.पी.आई.)

इस प्रकार के शाकनाशक बुवाई के पूर्व खेत की अंतिम जुताई के समय छिड़काव कर मृदा में मिला दिये जाते है जिससे खरपतवार उगने से पूर्व ही समाप्त हो जाते है अथवा उगने पर नश्ट हो जाते है। ये शाकनाषक उड़नषील प्रकृति के होते है। अतः छिड़काव के साथ या तुरन्त पश्चात इन्हें भूमि में मिलाना आवष्यक रहता है, अन्यथा इनका प्रभाव कम हो जाता है। उदाहरण के लिए फ्लूक्लोरेलिन, ट्राईफ्लूरेलीन आदि।

अंकुरण पूर्व एवं बुवाई पश्चात प्रयुक्त शाकनाशक (पी.ई.)

इस प्रकार के शाकनाशकों बुवाई के तुरन्त पश्चात (24-36 घण्टे तक) एवं अंकुरण से पूर्व पप्रयोग में लाये जाते है। चूंकि ज्यादातर खरपतवार फसल उगने से पहले उग जाते है। अतः ये शाकनाषक उगते हुए खरपतवारों को नष्ट कर देते है तथा अन्य खरपतवारों को उगने से रोकते है। ये चयनित प्रकार के शाकनाशक होते है अर्थात फसल को क्षति नहीं पहुंचाते है। इनका प्रयोग करते समय भूमि में नमीं रहना अतिआवश्यक है अन्यथा इनकी क्रियाशीलता कम हो जाती है। उदाहरण के लिए एट्राजीन, एलाक्लोर, पेन्डीमेथालीन आदि।

3.अंकुरण पश्चात खड़ी फसल में प्रयुक्त शाकनाशक (पी.ओ.ई.) ङ्क

इस प्रकार के शाकनाषक फसल उगने के पश्चात खड़ी फसल में छिड़के जाते है। ये चुनिंदा (वरणात्मक) प्रकार के शाकनाषक होते है, जो कि खरपतवारों को विभिन्न रासायनिक क्रियाओं द्वारा नष्ट करते है तथा फसल को नुकसान नहीं पहुँचाते है। अनेक बार अन्य फसलों की बुवाई में व्यस्तता, लगातार वर्षा होने या अन्य किसी वजह से बुवाई पूर्व (पी.पी.आई.) या अंकुरण पूर्व (पी.ई.) शाकनाशकों का प्रयोग नहीं संभव हो सके तो बुवाई पश्चात खड़ी फसल में (पी.अ ई.) शाकनाशकों का प्रयोग किया जा सकता है। खड़ी फसल में इनका प्रयोग करते समय थोड़ी सावधानियाँ रखना आवश्यक रहता है, जैसे विशिष्ट खरपतवारों के लिए संस्तुत उचित शाकनाषक की सही मात्रा का उचित समय एवं सही विधि द्वारा छिड़काव करना चाहिए अन्यथा फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। खड़ी फसल में इनका प्रयोग करते समय चिपकने वाला पदार्थ (सर्फेक्टेन्ट) जैसे साबुन, शैम्पू, सैंडोविट आदि 0,5 प्रतिशत (500 मिली प्रति हैक्टर) को मिलाकर छिड़काव करने से ये पदार्थ खरपतवारों की संपूर्ण पत्तियों पर फैलकर चिपक जाते है एवं उनकी क्रियाशीलता को बढ़ाते है। ध्यान रखे कि स्प्रेयर की टंकी में पहले शाकनाषक मिलाये तथा बाद में सर्फेक्टेन्ट को डाल कर छिड़काव करें। जैसे 2,4-डी, मेटसल्फूरोन मिथाइल, सल्फोसल्फुरान, क्यूजालोफ्प इथाईल, क्लोडिनोफाप आदि फसल विशेष खरपतवारनाशक है।

सारणीः खरपतवारों द्वारा रबी फसलों की उपज में हांनि एवं फसल-खरपतवार प्रतिस्पर्धा का क्रांतिक समय

रबी फसलें	उपज में संभावित कमीं	क्रांतिक समय
गेंहू	20-40	30-45
जौ	10-30	15-45
रबी मक्का	20-40	30-45
चना	15-25	30-60
मटर	20-30	30-45
मसूर	20-30	30-60
राई-सरसों	15-40	15-30
सूर्यमुखी	30-45	33-50
कुसुम (करडी)	15-45	35-60
अलसी	20-40	30-40
गन्ना	20-30	30-120
आलू	30-60	20-40
गाजर	70-80	15-20
प्याज व लहसुन	60-70	30-75
मिर्च व टमाटर	40-70	30-45
बैंगन	30-50	20-60

शाकनाशियों के छिडकाव के समय विशेष सावधानियां

कम मात्रा में प्रयोग से खरपतवारों पर ये कम प्रभावी तथा अधिक मात्रा होने पर फसल पर विपरीत प्रभाव पड़ने की संभावना रहती है। फसलों में प्रयोग हेतु संस्तुत वर्णात्मक शाकनाशियों का ही प्रयोग करना चाहिए बुवाई से पूर्व तथा खरपतवार बीज अंकुरण से पहले प्रयोग किये जाने वाले शाकनाशी की क्रियाशीलता के लिए पर्याप्त नमीं का होना अति आवश्यक होता है।छिडकाव करते समय यह ध्यान देना चाहिए कि शाकनाशीय घोल का समान रूप से खेत में वितरण हो जिससे सम्पूर्ण खरपतवारों पर नियंत्रण हो सकें।

रबी फसलों के प्रमुख खरपतवार एवं उनका प्रबंधन

कृषि में खरपतवार आज की समस्या नहीं अपितु मनुष्य ने जब से कृषि कार्य प्रारम्भ किया तभी से यह उसके साथ है। प्रारम्भ में मनुष्य ने अपने चारों ओर उगे कुछ उपयोगी पौधों को चुना और उन्हें अपनी खाद्य समस्या हल करने के लिए उगाना शुरु किया।

कृषि में खरपतवार आज की समस्या नहीं अपितु मनुष्य ने जब से कृषि कार्य प्रारम्भ किया तभी से यह उसके साथ है। प्रारम्भ में मनुष्य ने अपने चारों ओर उगे कुछ उपयोगी पौधों को चुना और उन्हें अपनी खाद्य समस्या हल करने के लिए उगाना शुरु किया। अनुभव के परिणाम स्वरुप उसने देखा कि बोई गई फसल के अतिरिक्त कुछ बिना बोये गये अनचाहे पौधे उग आते हैं जो फसल की वृध्दि रोक अधिकतम पैदावार लेने में बाधक होते हैं। इन्हीं अवांछित पौधों को जो बिना बोये ही फसलों के साथ उग आते हैं खरपतवार कहा जाता है। देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न पूर्ति की समस्या का समाधान तभी सम्भव है जब जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न चुनौती को ध्यान में रखते हुए प्राप्त इकाई से अधिक से अधिक उत्पादन लिया जाए तथा उर्वरक, पानी आदी साधनों को समुचित ढंग से अपनाने के साथ ङ्क साथ फसल को खरपतवार, कीट, रोग आदि से भी बचाया जाए। यदी किसान को अपनी फसल से भरपूर उपज प्राप्त

करनी है तो अपनी फसल के प्रमुख शत्रु, खरपतवारों पर नियंत्रण कर उनको समय से नष्ट करना होगा। खरपतवारों की उपस्थिति फसल की उपज को लगभग 3।त्न तक कम करती है।

खरपतवारों से हानियां

आमतौर पर विभिन्न फसलों की पैदावार में खरपतवारों द्वारा 5 से 85त्न तक की कमी प्रकोप एवं परिस्थितियों के आधार पर आंकी गयी हैं। कभीङ्कभी तो यह शत-प्रतिशत तक हो जाती है। खरपतवार फसलों के लिए भूमि में निहित पोषक तत्व एवं नमी का एक बड़ा हिस्सा शोषित कर लेते हैं तथा साथ ही साथ फसल को आवश्यक प्रकाश एवं स्थान से भी वंचित रखते हैं। फलस्वरुप पौधे की विकास गति धीमी व गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। यह भी देखा गया है कि जहां खरपतवारों का प्रकोप ज्यादा होता है वहां कीटों एवं बीमारियों का आक्रमण भी बढ़ जाता है। खरपतवारों द्वारा पोषक तत्वों का पलायन एवं पैदावार में कमी एवं हानि का विवरण क्रमशः (सारणी 1-2) में दिया गया है।

खरपतवारों की रोकथाम

प्राय॰देखा गया है कि किसान फसल में कीड़े-मकोड़ों एवं रोग-बीमारियों की रोगथाम की ओर तुरन्त ध्यान देते हैं लेकिन खरपतवारों के प्रति उदासानी रहते हैं। यहां पर महत्वपूर्ण ध्यान देने योग्य बात यह है कि फसल को हमेशा न तो खरपतवार मुक्त रखा जा सकता है और न ही ऐसा करना आर्थिक द्रष्टि से लाभकारी है। अत॰ क्रान्तिक (नाजुक) अवस्था (सारणी-3) में विशेषकर खरपतवार नियंत्रण के तरीकों को अपनाकर पैदावार में कमी को रोका जा सकता है। साथ ही किसान इस बात का ध्यान विशेष रुप से रखें कि उखाड़े गए खरपतवार मेंढों पर न छोड़ें उन्हें एक जगह गड्ढे में इकट्ठा करें अन्यथा उनके बीज गिरकर पुन॰वर्षा आदि से खेतों में पहुंचकर हानि पहुचाते हैं।

रबी फसलों के प्रमुख खरपतवार

किसी स्थान पर खरपतवारों की उपस्थिति वहां की जलवायु, भूमि, संरचना, भूमि में नमी की मात्रा, खेतों में बोई गई पिछली फसल आदि पर निर्भर करती है। इसलिए एक ही फसल में अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग प्रकार के खरपतवार पाये जाते हैं। विभिन्न रबी फसलों में उगने वाले प्रमुख खरपतवारों का विवरण सारणी-4 में दिया गया है।

सामान्यत

दो निराई-गुड़ाई, पहली 20-25 व दूसरी 45 दिन बाद करने से खरपतवारों का नियंत्रण प्रभावी ढंग से होता है। इसके लिए परम्परागत कृषि यंत्रों के अतिरिक्त उन्नत नीदानाशक यंत्रों जैसे खींचकर अथवा ढकेलकर चलाये जानेवाले सस्ते हल्के एवं प्रभावी वीडरों का प्रयोग किया जा सकता है। इन यंत्रों का प्रयोग कतार में बोई गई फसलों में ही सम्भव है।

रबी फसलों में खरपतवारों की रोकथाम

खरपतवारों की रोकथाम में ध्यान देने योग्य बात यह है कि खरपतवारों का नियंत्रण सही समय पर करें। खरपतवारों की रोकथाम निम्नलिखित तरीकों से की जा सकती है।

निवारण विधि

इस विधि में वे सभी क्रियाएं शामिल हैं जिनके द्वारा खेतों में खरपतवारों के प्रवेश को रोका जा सकता है। जैसे-प्रमाणित बीजों का प्रयोग, अच्छी सड़ी गोबर एवं कम्पोस्ट खाद का प्रयोग, सिंचाई की नालियों की सफाई, खेत की तैयारी एवं बुवाई में प्रयोग किये जाने वाले यंत्रों की प्रयोग से पूर्व अच्छी तरह से सफाई इत्यादि।

सस्य विधि

गर्मी में खेत की गहरी जुताई, स्टेल सीड बेड विधि, जीरो टिल सीड ट्रिल अथवा हैप्पी सीडर का प्रयोग, फसल चक्र विधि, अनर्तवर्ती फसल विधि इत्यादि का प्रयोग भी खरपतवारों को नियंत्रित करता है।

यांत्रिक विधि

खरपतवारों पर काबू पाने की यह एक सरल एवं प्रभावी विधि है। फसल की प्रारंभिक अवस्था में बुवाई के 15-45 दिन के मध्य फसलों को खरपतवारों से मुक्त रखना जरुरी है।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय कर्मियों के लिए ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा हुई 25 लाख, इस दिन से प्रभावी होगी वृद्धि

नइदिल्लीः एजेंसी। सरकार ने केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी और मृत्यु ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने की शनिवार को घोषणा की। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों पर सरकार के निर्णय के अनुसार, महंगाई भत्ते की दर 50 प्रतिशत तक पहुंचने पर सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी और मृत्यु ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 25 प्रतिशत बढ़ाकर 20 लाख रुपये से 25 लाख रुपये कर दी जाएगी। इसी के तहत ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये की है। सरकार ने एक जनवरी से महंगाई भत्ते की दर को मूल वेतन के मौजूदा 46 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के संबंध में निर्देश जारी किए थे। यह वृद्धि एक जनवरी 2024 से प्रभावी होगी। उल्लेखनीय है कि सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी और मृत्यु ग्रेच्युटी कर्मचारी द्वारा अंतिम बार प्राप्त मूल वेतन और उसके द्वारा दी गई सेवा की अवधि पर निर्भर करती है।

दो साल से कोमा में है पुलिसकर्मी, दिल्ली पुलिस ने घर जाकर ससम्मान दिया रिटायरमेंट

नइदिल्लीः एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के सरिता विहार में एक दुर्घटना के बाद पिछले दो वर्षों से कोमा में पड़े एक हेड कांस्टेबल को दिल्ली पुलिस ने सम्मान के साथ सेवानिवृत्ति दी। पुलिस ने बताया कि पुलिस उपायुक्त (यातायात) शशांक जायसवाल और एसके सिंह ने शुक्रवार को हेड कांस्टेबल राज सिंह के घर पहुंचकर सम्मान के साथ उन्हें सेवानिवृत्ति दी। उन्होंने बताया कि ड्यूटी के दौरान राज सिंह एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे और तभी से कोमा में हैं। पुलिस ने बताया कि 24 अगस्त 2022 को जब राज और दो अन्य पुलिसकर्मी सरिता विहार यातायात सर्कल के अंतर्गत मां आनंदमयी मार्ग पर तैनात थे उसी समय वे दुर्घटना का शिकार हो गए थे। पुलिस ने बताया कि एक तेज रफ्तार कार ने राज सिंह को टक्कर मार दी, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जब अधिकारी हेड कांस्टेबल से मिलने गए तो उन्होंने उनसे बातचीत करने की भी कोशिश की। उन्हें भी अन्य सभी सेवानिवृत्त लोगों की तरह ही सम्मानित भी किया गया। उन्होंने कहा कि यह हर किसी के लिए एक भावुक पल था। अधिकारी ने बताया कि उन्हें उसी तरह गुलाब के फूलों की माला पहनाई गई तथा पगड़ी, प्रशस्ति पत्र, दिल्ली पुलिस शील्ड और अन्य उपहार भेंट किए गए, जैसा सेवानिवृत्त होने वाले अन्य लोगों को दिया जाता है। राज सिंह का परिवार उनकी हालत को लेकर काफी परेशान और चिंतित है। डीसीपी जायसवाल और एसके सिंह ने इस चुनौतीपूर्ण समय में राज सिंह के प्रति अपनी गहरी संवेदना और समर्थन व्यक्त करते हुए परिवार को सांत्वना दी। पुलिस ने बताया कि उन्होंने राज सिंह को आश्वस्त किया कि पूरा पुलिस विभाग उनके साथ खड़ा है।

डीयू एसओएल दाखिले की दौड़ 3 जून से

नइदिल्लीः एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग में दाखिला प्रक्रिया सोमवार से शुरू होने जा रही है। इस साल स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग में दाखिला लेने वाले छात्रों को संस्थान कई सहूलियतें भी दे रहा है। छात्रों को दाखिले से पहले एसओएल के पोर्टल पर जाकर एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) पर नामांकन करना होगा। इसमें सभी अंक जमा होते जाएंगे। कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग की निदेशक प्रो. पायल मागो ने बताया कि स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग के आठ पीजी प्रोग्राम और 9 यूजी प्रोग्राम सहित पीजी डिप्लोमा इन ऑटोमेटेड एंड डिजिटल लाइब्रेरी मैनेजमेंट में प्रवेश 3 जून से शुरू हो रहा है। अभ्यर्थियों को स्नातक दाखिला के लिए सीयूईटी की परीक्षा नहीं देनी है। उन्होंने बताया कि जो छात्र विश्वविद्यालय के प्रवेश बंद होने की अंतिम तिथि से पहले अपना प्रवेश वापस ले लेंगे उनसे मात्र 500 रुपये ही प्रशासनिक शुल्क के रूप में फीस से काटे जाएंगे। प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों को किसी भी कठिनाई से बचाने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

गर्मी और लू से भट्ठी बनी दिल्ली के लिए राहत

नइदिल्लीः एजेंसी।
दिल्ली में शनिवार को दोपहर बाद मौसम में बदलाव देखने को मिला। पश्चिमी विक्षोभ के चलते धूल भरी तेज हवाएं चलीं और कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई। इससे दिल्लीवालों को लू से राहत मिली। अगले चार दिन भीषण गर्मी से थोड़ी राहत के आसार हैं।

राजधानी में शनिवार को शुक्रवार के मुकाबले तापमान में कुछ कमी आई। शुक्रवार को जहां अधिकतम तापमान 45.8 डिग्री रहा था तो शनिवार को 44.2 डिग्री दर्ज किया गया। कई इलाकों में शुक्रवार के मुकाबले तापमान 3 से 4 डिग्री कम रहा। हालांकि, न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई। शुक्रवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस था, जो शनिवार को 30.2 डिग्री रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भी लू से राहत रहेगी। दिल्ली का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। इस दौरान दिल्ली के कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग की ओर से रविवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, अगले 4 से 5 दिनों तक दिल्ली का अधिकतम तापमान 43 से 44 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 29 से 30 डिग्री के आसपास रह सकता है। दिल्ली में पिछले तीन दिनों में गर्मी की वजह से तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों लू लगने के कारण हीट स्ट्रोक के शिकार हुए थे। गर्मी की वजह से शनिवार को लोकनायक अस्पताल में 31 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा सफदरजंग अस्पताल में हीट स्ट्रोक के इलाज के लिए आए दो लोगों की पिछले दो दिनों में जान चली गई है। लोकनायक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि भजनपुरा के रहने वाले 31 वर्षीय व्यक्ति की शनिवार रात तीन बजे जान चली गई। शुक्रवार रात को अस्पताल में लाया गया था। इस दौरान वह बेहोशी की स्थिति में था। मरीज के बारे में पता किया तो वह शराब बहुत पीता था और धूप में चलते हुए अचानक गिर गया था। इसके बाद उसे अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया। मरीज की हालत को

देखते हुए उसे वेंटिलेटर पर भी रखा गया, लेकिन कुछ समय बाद उसकी जान चली गई।

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में अभी तक हीट स्ट्रोक की वजह से 12 लोगों को भर्ती किया गया। इनमें दो की मौत हो गई और 10 अन्य का इलाज चल रहा है। लोक नायक अस्पताल में भी हीट स्ट्रोक की वजह से अभी तक पांच मरीज भर्ती किया जा चुके हैं। वहीं, राम मनोहर लोहिया में भी चार मरीजों को हीट स्ट्रोक की वजह से भर्ती किया जा चुका है। दिल्ली में पानी की समस्या को लेकर अब भाजपा विधायक भी सक्रिय हो गए हैं। विधायकों की तरफ से कॉलोनियों में जरूरत के हिसाब से टैंकर से पानी भेजा जा रहा है।

देश में लू से अब तक 56 लोगों की मौत, सात लाख से अधिक लोग अस्पतालों में भर्ती हुए

नइदिल्लीः एजेंसी। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी के बीच कई राज्यों में हीटस्ट्रोक से कम से कम 56 लोगों की मौत हुई है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के डाटा से यह जानकारी मिली है। यह डाटा राज्यों द्वारा एनसीडीसी को सौंपी गई रिपोर्ट पर आधारित है। हालांकि सूत्रों ने शनिवार को बताया कि कई राज्य हीटस्ट्रोक से होने वाली मौतों की संख्या कम बता रहे हैं। सूत्रों ने कहा, उत्तर प्रदेश, और बिहार जैसे राज्यों से हीटस्ट्रोक से हुई मौतों की पूरी रिपोर्ट का इंतजार है। राज्यों द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, सात लाख से अधिक लोगों को प्राथमिक देखभाल अस्पतालों के आपातकालीन विभागों में भर्ती कराया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज्यादा 14 मौतें मध्य प्रदेश में हुई हैं। महाराष्ट्र में 11 मौतें हुई हैं।

दिल्ली में फिर गरजा डीडीए का बुलडोजर, धार्मिक संरचना भी ध्वस्त, हाईकोर्ट के निर्देश पर कार्रवाई

नइदिल्लीः एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण ने यमुना बाढ़ के मैदानों को अतिक्रमण से मुक्त करने और वासुदेव घाट क्षेत्र के विकास को सुनिश्चित करने के लिए विध्वंस अभियान चलाया। अदालत के निर्देश का अनुपालन करते हुए शनिवार को निगम बोध घाट (वासुदेव घाट परियोजना का एक हिस्सा) के पास के क्षेत्र में विध्वंस अभियान चलाया गया। जिला मजिस्ट्रेट जिला मध्य की ओर से अभियान में दो पक्की संरचनाएं, दो अर्ध पक्की और एक धार्मिक संरचना (धर्मस्थल) को हटा दिया गया। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, डीडीए ने शनिवार को यमुना के डूब क्षेत्र को अतिक्रमण से मुक्त करने और वासुदेव घाट क्षेत्र में विकास के लिए पांच अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया। एक धार्मिक संरचना पर भी कार्रवाई हुई है। डीडीए के अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय के निर्देशों पर डीडीए यमुना बाढ़ के मैदानों को बहाल करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

डीडीए की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के अनुपालन में निगम बोध घाट के पास के क्षेत्र में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। इस अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान दो पक्के, दो अर्ध पक्के ढांचों के साथ एक धार्मिक संरचना (मंदिर) को भी हटा दिया। बीते मंगलवार को भी डीडीए ने यमुना डूब क्षेत्र में इसी तरह का अभियान चलाया था। यह कार्रवाई आईएसबीटी पुल के पास की गई थी।

इस अभियान के दौरान, दो अर्ध-पक्के ढांचे, एक धार्मिक संरचना के साथ एक अखाड़ा हटाया गया। अवैध कब्जे को हटाने के लिए दिल्ली पुलिस कर्मियों की मदद ली गई। पुलिस बल की मौजूदगी में यह अभियान चलाया गया। स्वीकृत दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अभियान चलाया गया। अधिकारियों का कहना है कि डीडीए दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों के आधार पर यमुना डूब क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने के लिए कोशिशें कर रहा है। इसमें पारिस्थितिकी बहाली भी शामिल है।

ब्रश ले जाना मत भूलिए; केजरीवाल की जेल वापसी पर बाबू भैया ने कस दिया तंज

नइदिल्लीः एजेंसी।
आम आदमी पार्टी (आप) के सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल को 2 जून की रोटी तिहाड़ जेल में खानी होगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट से मिले 21 दिन की राहत के बाद आप सुप्रीमो को आज (रविवार) सरेंडर करना होगा। जेल जाने से पहले सीएम केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का आभार जताया। लेकिन अब इस पूरे मामले पर बाबू भैया के नाम से मशहूर बॉलीवुड अभिनेता और भाजपा नेता परेश रावल ने तंज कस दिया है। उन्होंने सीएम केजरीवाल को जेल में ब्रश ले जाने को कहा है।

भाजपा नेता परेश रावल ने एक्स पर लिखा, अरविंद जी, आशा है कि आपने अपना बैग पैक कर लिया होगा? टूथब्रश ले जाना मत भूलिएगा क्योंकि यह बहुत जरूरी है कि आप अपना मुंह साफ रखें! दरअसल, हेरा-फेरी और फिर हेरा-फेरी फिल्म में परेश रावल ने बाबू भैया का रोल किया था। यूं तो इन फिल्मों को आए कई साल हो गए लेकिन बाबू भैया के किरदार से जुड़े मीम अक्सर वायरल होते हैं। कोर्ट के आदेश पर मैं 21 दिन चुनाव प्रचार के लिए बाहर आया। माननीय सुप्रीम कोर्ट का बहुत बहुत आभार। आज तिहाड़

जाकर सरेंडर करूंगा। दोपहर 3 बजे घर से निकलूंगा। पहले राजघाट जाकर महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि दूंगा। वहां से हनुमान जी का आशीर्वाद लेने कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर जाऊंगा। और वहां से पार्टी दफ्तर जाकर सभी कार्यकर्ताओं और पार्टी के नेताओं से मिलूंगा। वहां से फिर तिहाड़ के लिए रवाना होऊंगा। चुनाव प्रचार के लिए तीन हफ्ते की अस्थायी जमानत खत्म होने के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को रविवार को वापस तिहाड़ जेल जाना होगा। क्योंकि एक अदालत ने चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत मांगने की उनकी याचिका पर अपना आदेश पांच जून तक के लिए टाल दिया है। दरअसल, केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा 10 मई को दी गई अंतरिम जमानत पर एक जून तक के लिए जेल से रिहा किया गया था। मुख्यमंत्री ने पहले कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में दी गई।

पीटीआई ने पीएमएल-एन के सुलह प्रस्ताव को किया खारिज, बोले- जनादेश चोरों के साथ नहीं करेंगे बात

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी की तरफ से आए सुलह प्रस्ताव को दृढ़ता से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा है कि पार्टी जनादेश चोरों के साथ बातचीत नहीं करेगी। पाकिस्तानी मीडिया चैनल आरवाई न्यूज की तरफ से ये जानकारी सामने आई है। पीटीआई के एक अधिकारी ने कहा, जिन लोगों ने बातचीत करने का वादा किया था,उन्होंने फर्जी जनादेश थोप दिया है। आरवाई न्यूज के मुताबिक, अधिकारी ने आगे कहा, राष्ट्रीय अपराधी देश के हितों की पूर्ति करने वाले फैसले नहीं ले सकते हैं, और न ही उनके साथ सुलह करने के लिए कोई जगह है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान जनादेश चोरों के उदाहरण हैं जिनके साथ पीटीआई ने स्पष्ट कर दिया है कि वह बातचीत नहीं करेगी। पीटीआई के प्रवक्ता ने कहा, अधिकार के बिना बातचीत की पेशकश का प्रचार करने के बजाय, जनादेश चोरी करने वाले इस समूह को राष्ट्र से माफी मांगनी चाहिए और जनादेश वास्तविक प्रतिनिधियों को लौटाना चाहिए। वहीं बता दें कि, इससे पहले, पेट्रोलियम विभाग के मंत्री उसादिक मलिक ने कहा था कि पीएमएल-एन नेतृत्व लगातार बातचीत और सुलह की वकालत करता है और राजनीति में दरवाजे हमेशा खुले हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा,

96 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले देश में दाढ़ी और हिजाब पर बैन, इस्लामिक किताबों पर भी रोक

ताजिकिस्तान , एजेंसी।
सभी इस्लामिक देशों में शिक्षा से लेकर पहनने-ओढ़ने व धर्म से संबंधित कई तरह के कड़े नियम लागू हैं । इनमें महिलाओं का हिजाब पहनना, पुरुषों का दाढ़ी रखना और कुर्ता पहनना जैसे नियम भी होते हैं लेकिन दुनिया में एक ऐसा भी देश है जहां 96प्रतिशत मुस्लिम आबादी होने के बावजूद वहां मुस्लिमों की तरह पारंपरिक दाढ़ी रखना और हिजाब पहनने पर बैन है । इस देश का नाम ताजिकिस्तान है जहां दाढ़ी रखना और हिजाब पर रोक है। वैसे तो ताजिकिस्तान संवैधानिक रूप से धर्मनिरपेक्ष है लेकिन सबसे अच्छी बात ये है कि धर्म की स्वतंत्रता यहां के संविधान में है। ताजिकिस्तान का इतिहास समृद्ध है और यहां लगभग तीन दशकों से राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन का शासन है।

अमेरिका की इंटरनेशनल धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट 2024 के मुताबिक धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर ताजिकिस्तान सरकार पहले से ही निराशाजनक रिकॉर्ड लगातार खराब होता जा रहा है। राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन का शासन अपनी दमनकारी नीतियों को बनाए रखता है। यह सभी धर्मों के लोगों की ओर से सार्वजनिक धार्मिकता के प्रदर्शन को दबाता है और

अल्पसंख्यक समुदायों पर अत्याचार करता है। शादी और अंत्येष्टि भोज पर प्रतिबंध है, साथ ही दाढ़ी रखने और हिजाब पर भी प्रतिबंध है। अमेरिकी रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में दुशानबे में इस्लामिक किताबों की दुकानों को जबरन बंद कर दिया गया था।

वहीं सरकार की मंजूरी के बिना यहां धार्मिक सामग्री का आयात भी नहीं किया जा सकता। हालांकि 2023 में इसे फिर खोल दिया गया था।जानकारी के मुताबिक फिर खोली गई दुकानों को अब इस्लामी किताबें बेचने की इजाजत नहीं है। ताजिकिस्तान सरकार कट्टरपंथ को रोकने के लिए अपनी नीतियों को आवश्यक बताती है। सरकार अपने देश को इस्लामिक कट्टरपंथ से रोकने के लिए ऐसा करती है। गौरतलब है कि ताजिकिस्तन की सीमा अफगानिस्तान से भी लगती है। इससे पहले द डिप्लोमैट में साल 2015 में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां 18 साल से कम उम्र की छात्राओं को हिजाब पहनने से रोकने वाले भी नियम थे। 18 साल से कम उम्र के बच्चे अंत्येष्टि को छोड़कर सार्वजनिक धार्मिक गतिविधियों में भाग नहीं ले सकते थे।

डब्ल्यूएचओ सदस्यों ने कोविड और एमपॉक्स जैसी महामारियों से निपटने के लिए नियम सुधारों को दी मंजूरी

जेनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सदस्य देशों ने कोविड-19 और एमपॉक्स जैसी वैश्विक महामारियों से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर तैयारी में सुधार करने संबंधी नए कदमों को शनिवार को मंजूरी दी और वृहद संधि पर सहमत होने के लिए नयी समय सीमा तय की। डब्ल्यूएचओ ने यह जानकारी दी। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि देशों ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य नियमों में संशोधन करने पर सहमति जताई जैसे कि 'वैश्विक महामारी आपातकाल शब्द को परिभाषित करना और विकासशील देशों को वित्तपोषण एवं चिकित्सा उत्पादों तक बेहतर पहुंच प्राप्त करने में मदद करना।

इन नियमों में इससे पहले 2005 में बदलाव किया गया था। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब संयुक्त राष्ट्र की

एजेंसी ने वैश्विक महामारियों से निपटने संबंधी अधिक व्यापक ''संधि अपनाने की योजनाएं पर सहमति नहीं बन पाने पर इस साल अपनी छह दिवसीय 'विश्व स्वास्थ्य सभा को समाप्त कर दिया था। प्रौद्योगिकी के बेहतर आदान-प्रदान और महामारी फैलाने वाले रोगाणुओं के बारे में असहमति के कारण योजनाओं पर सहमति नहीं बन पाई थी। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि देशों ने महामारी से निपटने संबंधी समझौते पर वार्ता को वर्ष के अंत तक पूरा करने पर सहमति व्यक्त की। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस ने कहा, ''द्व्रक्र संशोधनों की सफलता दर्शाती है कि हमारी विभाजित और विभाजनकारी दुनिया में देश अब भी साझा उद्देश्य और साझा आधार खोजने के लिए एक साथ आ सकते हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि देशों ने वैश्विक महामारी आपात स्थिति को एक संक्रामक रोग के रूप में परिभाषित किया है, जो भौगोलिक आधार पर व्यापक रूप से फैल सकती है या जिसका जोखिम बहुत अधिक है। एजेंसी ने कहा कि इसे ऐसे प्रकोप के रूप में भी परिभाषित किया गया है जो ''उल्लेखनीय आर्थिक या सामाजिक व्यवधान पैदा कर सकता है तथा जिसके लिए त्वरित अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता है। डब्ल्यूएचओ के कानूनी अधिकारी स्टीवन सोलोमन ने कहा कि स्वास्थ्य नियमों को संशोधित करने का कदम तुरंत प्रभावी नहीं होगा, बल्कि यह टेड्रोस द्वारा निर्णय के बारे में देशों को औपचारिक रूप से सूचित करने के एक साल बाद लागू होगा।

ताइवान के चारों तरफ मंडरा रहा चीन... 10 जहाज और 2 सैन्य विमान को किया गया डिटेक्ट

ताइपे , एजेंसी। चीन अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहा है। ताइवान के आस-पास एक बार फिर चीनी विमानों और जहाजों को डिटेक्ट किया गया है। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, शनिवार सुबह 6 बजे से रविवार सुबह 6 बजे के बीच देश के चारों ओर छह चीनी नौसैनिक जहाजों, चार तट रक्षक जहाजों और दो सैन्य विमानों का पता लगाया गया है। एमएनडी के अनुसार, दो पीएलए विमानों ने उत्तरी क्षेत्र में देश के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) की ताइवान स्ट्रेट मध्य रेखा का उल्लंघन किया।

सर्वे रिपोर्ट: पाकिस्तान से ज्यादा भारत को पसंद करते इस्लामिक देशों के युवा

वाशिंगटन, एजेंसी। एक सर्वे में खुलासा हुआ है कि इस्लामिक देशों में युवा पाकिस्तान से ज्यादा भारत को पसंद करते हैं। हालांकि पाकिस्तान खुद को मुस्लिम देशों का सबसे प्रमुख सदस्य साबित करने में लगा रहता है और इसके नेता अक्सर मुस्लिम उम्मा का जिक्र करते हुए अरब देशों के साथ अपनी नजदीकी का दिखावा करते रहते हैं लेकिन अरब के लोग पाकिस्तान को जरा भी पसंद नहीं करते हैं। सर्वे के अनुसार अरब देशों के युवाओं की नजर में पाकिस्तान से ज्यादा सम्मान भारत का है। अरब देशों के युवाओं के बीच किया गए सर्वे के अनुसार भारत सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं बल्कि अमेरिका से भी ऊपर है। एएसडीए ए बीसीडब्ल्यू के द्वारा 2023 में कराए गए अरब यूथ सर्वे के आंकड़ों के अनुसार इन देशों का युवा भारत को अपने सहयोगी के रूप में देखते हैं। सर्वे में युवाओं से देश का नाम बताकर पूछा गया कि क्या वे उसे अपने सहयोगी के रूप में देखते हैं। पाकिस्तान का नाम आने पर 69 प्रतिशत युवाओं ने उसे सहयोगी माना जबकि अमेरिका को 72 प्रतिशत ने अपना सहयोगी स्वीकार किया। सर्वे में जब भारत का नाम लिया गया तो 73 प्रतिशत ने नई दिल्ली को सहयोगी बताया। हालांकि, इस लिस्ट में सबसे टॉप पर तुर्की है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश को लगा झटका, पहले मैच में चोटिल शोरफुल का खेलना मुश्किल

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 की शुरुआत से पहले बांग्लादेश को एक बड़ा झटका लगा जब उनके स्टार तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम शनिवार को न्यूयॉर्क में भारत के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हो गए। चोट के कारण शोरफुल का 6 जून को श्रीलंका के खिलाफ बांग्लादेश के शुरुआती मैच में खेलना संदिग्ध है। 3.5 ओवर में सिर्फ 26 रन देकर एक विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शोरफुल खेल के दौरान बांग्लादेश के सबसे प्रभावी गेंदबाज थी। शुरुआती सूजन और उसके बाद की मेडिकल जांच से पता चला कि उनकी हथेली और तर्जनी के बीच टांके लगाने पड़े। शोरफुल का 7 जून को डलास में श्रीलंका के खिलाफ बांग्लादेश के शुरुआती मैच में खेलना संदिग्ध है, क्योंकि मेडिकल स्टाफ ने संकेत दिया है कि उन्हें ठीक होने में कम से कम एक सप्ताह का समय लगेगा। तंजीम शाकिब, तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान के साथ गेंदबाजी लाइनअप के एक महत्वपूर्ण सदस्य शोरफुल का ना होना टीम के लिए एक बड़ी बाधा है। संभावित चोटों की आशंका को देखते हुए बांग्लादेश के प्रबंधन ने समझदारी से दो रिजर्व खिलाड़ियों को शामिल किया था, जिसमें तेज गेंदबाज हसन महमूद भी शामिल थे। यह एहतियात अब समझदारी भरा कदम लगता है, क्योंकि अगर शोरफुल टूर्नामेंट के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाते हैं, तो हसन को टीम में शामिल किया जा सकता है। टीम तस्कीन अहमद की रिकवरी पर भी नजर रख रही है, क्योंकि उन्हें पहले मैच के लिए तैयार रहना चाहिए।

प्रज्ञानंद ने दूसरे नंबर के खिलाड़ी कारुआना को हराया, हासिल की ये विशेष उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रज्ञानंद अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) की विश्व रैंकिंग में शीर्ष–10 में शामिल हो जाएंगे। 18 वर्ष के भारतीय ग्रैंडमास्टर ने इससे पहले तीसरे दौर में कार्लसन को हराया था। भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फाबियानो कारुआना को क्लासिकल शतरंज के पांचवें दौर में हराया। इस जीत के साथ प्रज्ञानंद ने क्लासिक शतरंज में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन और दूसरे नंबर के खिलाड़ी कारुआना को पहली बार हराया है। प्रज्ञानंद अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) की विश्व रैंकिंग में शीर्ष–10 में शामिल हो गए हैं। 18 वर्ष के भारतीय ग्रैंडमास्टर ने इससे पहले तीसरे दौर में कार्लसन को हराया था। फिड शतरंज विश्व कप के गत उपविजेता प्रज्ञानंद ने शानदार चाल चलते हुए कार्लसन को मात दी थी।

39 साल के दिनेश कार्तिक ने क्रिकेट को कहा अलविदा

जन्मदिन पर लिखा भावुक पोस्ट

धोनी से पहले किया डेब्यू

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टार क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से रिटायरमेंट ले लिया है. विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक ने 1 जून (शनिवार) को अपने 39वें जन्मदिन पर संन्यास का ऐलान किया. कार्तिक हालिया आईपीएल सीजन में आरसीबी के लिए खेलते दिखे थे. कार्तिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके अपने दो दशक से ज्यादा लंबे क्रिकेटिंग करियर को याद किया है. कार्तिक ने लिखा, पिछले कुछ दिनों में मुझे जो स्नेह, समर्थन और प्यार मिला है, उससे मैं अभिभूत हूं. इस चीज को संभव बनाने वाले सभी प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी कृतज्ञता और हार्दिक धन्यवाद. काफी समय तक इस पर विचार करने के बाद मैंने क्रिकेट से हटने का निर्णय लिया है. मैं आधिकारिक तौर पर अपने संन्यास की घोषणा करता हूं.अपने खेल के दिनों को पीछे छोड़कर आगे आने वाली नई चुनौतियों के लिए तैयार हो रहा हूं.

कार्तिक कहते हैं, मैं अपने कोचों, कप्तानों, चयनकर्ताओं, टीममेट्स और सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने इस लंबी यात्रा को सुखद और आनंददायक बनाया है. मैं खुद को उन कुछ भाग्यशाली लोगों में से एक मानता हूं जिन्हें देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला. इतने सारे प्रशंसकों और दोस्तों की सद्भावना अर्जित करने के लिए मैं और भी भाग्यशाली हूं. कार्तिक ने आगे कहा, इन सभी वर्षों में मेरे माता-पिता मेरी ताकत और समर्थन के स्तंभ रहे हैं और उनके आशीर्वाद के बिना मैं आज जो कुछ भी हूं, वह नहीं होता. मैं दीपिका (पत्नी) का भी बहुत आभारी हूं, जो खुद एक पेशेवर खिलाड़ी हैं. हमारे महान खेल के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत धन्यवाद. आपके समर्थन और शुभकामनाओं के बिना क्रिकेट और क्रिकेटर्स का अस्तित्व वैसा नहीं होता.

दिनेश कार्तिक का इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू एमएस धोनी से पहले हुआ था. कार्तिक ने नवंबर 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था. वहीं वनडे डेब्यू 5 सितंबर 2004 को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में किया. वहीं टी20 डेब्यू 1 दिसंबर 2006 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ जोहालिसबर्ग में किया था. वहीं धोनी ने अपना टेस्ट डेब्यू चेन्नई में श्रीलंका के खिलाफ दिसंबर 2005 में किया. धोनी का वनडे डेब्यू दिसंबर 2004 में बांग्लादेश के खिलाफ चटगांव में था.

आईपीएल 2024 में भी दमदार प्रदर्शन किया

कार्तिक ने आईपीएल 2024 में भी दमदार प्रदर्शन किया और फिनिशर की भूमिका निभाते हुए 15 मैचों में 326 रन बनाए. कार्तिक ने अपने प्रदर्शन से खुद को टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने की दौड़ में वापस ला दिया था. भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने अनुभवी विकेटकीपर के साथ मैदान पर मजाक में कार्तिक से यह भी कहा था कि डीके अभी वर्ल्ड कप खेलना है, यह वीडियो खूब वायरल हुआ था.देखा जाए तो दिनेश कार्तिक ने अपने आईपीएल करियर में छह टीमों का प्रतिनिधित्व किया. 2011 में पंजाब जाने से पहले उन्होंने 2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स के साथ शुरुआत की.

टी-20 वर्ल्डकप के मैच में रिकॉर्ड्स की बरसात, अमेरिकी क्रिकेटर ने रचा इतिहास

टी-20 विश्व कप 2024 का धमाकेदार आगाज हुआ है। टूर्नामेंट के ओपनिंग मैच में मेजबान यूएसए ने कनाडा को 14 गेंद पहले सात विकेट से हरा दिया। यूएसए के सामने 195 रन का विशाल लक्ष्य था, लेकिन 29 साल के दाएं हाथ के बल्लेबाज आरोन जोन्स की तूफानी 94 रन की पारी के आगे यह टोटल बौना साबित हो गया। जोन्स ने अपनी इस विस्फोटक पारी से एक के बाद एक कई रिकॉर्ड तोड़े। सिर्फ 40 गेदों में 10 गगनचुंबी छक्के और चार चौके की मदद से उन्होंने कनाडाई गेंदबाजों के होश उड़ा दिए। टी-20 विश्व कप के इतिहास में यह तीसरा सबसे बड़ा रनचेज भी है। चलिए एक नजर डालते हैं

सबसे बड़ी पार्टनरशिप

इस मैच में आरोन जोन्स ने सिर्फ 40 गेंदों पर 4 चौके, 10 छक्के की मदद से नाबाद 94 रन बनाए। इस दौरान एंड्रीज गौस के बीच उन्होंने तीसरे विकेट के लिए 131 रन की पार्टनरशिप की। यह अमेरिका के लिए टी-20 क्रिकेट में सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड है। गौस ने सात चौके और तीन छक्के की मदद से 46 गेंदों पर 65 रन बनाए।

तीसरा सबसे सफल रनचेज

195 रन के लक्ष्य को यूएसए ने किसी मजाक की तरह चेज कर दिया। यह टी-20 विश्व कप के इतिहास में तीसरा सबसे बड़ा रन चेज है। सबसे बड़ा रन चेज इंग्लैंड के नाम है, जब उसने 2016 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 230 रन बनाए थे। दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका का नाम है, जोबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ 206 रन का लक्ष्य साधा था।

क्रिस गेल की बराबरी

आरोन जोन्स ने इस मैच में 10 छक्के लगाकर खतरनाक कैरेबियाई बल्लेबाज क्रिस गेल की बराबरी कर ली। 2007 टी-20 विश्व कप में गेल ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 117 रन की पारी के दौरान 10 छक्के मारे थे। हालांकि टी-20 विश्व कप के एक मैच में सबसे ज्यादा 11 छक्के लगाने का कीर्तिमान भी गेल के ही नाम है, जो उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2016 एडिशन में लगाए थे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-0 से हराया

लंदन, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी को एफआईएच प्रो लीग के मुकाबले में शनिवार को 3-0 से हरा दिया। ली वैली हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत की तरफ से हरमनप्रीत सिंह (16), सुखजीत सिंह (41) और गुरजंत सिंह (44) ने गोल किये। भारत ने इस लीग के अपने अंतिम चरण की सकारात्मक शुरुआत की। दोनों टीमों ने पहले क्वार्टर में काफी एक्शन दिखाया। सुखजीत सिंह और मनदीप सिंह ने कुछ मौके बनाये जबकि गोलकीपर पीआर श्रीजेश जर्मनी के पेनल्टी कॉर्नरों के सामने चट्टान की तरह डटे रहे।

श्रीजेश ने साबित कर दिया कि वह भारत की रक्षा की आधारशिला क्यों बने हुए हैं। गोंज़ालो पेइलाट की शक्तिशाली फ्लिक पर उन्होंने अपना दाहिना हाथ ऊपर उठाकर जो बचाव किया, वह विशेष रूप से भारत के प्रशंसकों के लिए एक खुशी का क्षण था। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत स्कोरबोर्ड पर 0-0 से करते हुए, भारत ने पहली सफलता हासिल की - कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने जर्मन कीपर अलेक्जेंडर स्टैडलर के बाईं ओर निशाना साधा। मिडफील्ड में हार्दिक सिंह ने सर्कल में शानदार पास देकर यह मौका बनाया।

गेंद को बहुत अच्छे से नियंत्रित करते हुए, सुखजीत ने भारत को पहला पीसी दिलाया। अगले कुछ मिनटों में, ऐसा महसूस हुआ कि खेल की गति थोड़ी कम हो गई थी और किसी ने भी मौके का फायदा नहीं उठाया। हालाँकि जर्मनी ने पीसी हासिल किया, लेकिन डेंजरमैन पेइलाट को श्रीजेश ने दूर रखा। भारत आधे समय के ब्रेक में 1-0 की मामूली बढ़त के साथ गया। तीसरा क्वार्टर भारत के लिए महत्वपूर्ण था क्योंकि उन्होंने अपनी बढ़त बढ़ा ली थी। उन्होंने तात्कालिक गेंद पर कब्ज़ा और तेज़ आक्रमण से अपना दबदबा बनाया। 41वें मिनट में भारत के दूसरे गोल के लिए सुखजीत और अभिषेक जिम्मेदार थे। शानदार फॉर्म में चल रहे स्ट्राइकर सुखजीत ने बाएं फ्लैंक पर गेंद प्राप्त की और अभिषेक को पकड़ने के लिए सर्कल की ओर ड्रिबल किया। जर्मन डिफेंडरों को छकाते हुए गेंद को ड्रिब्लिंग करते हुए, अभिषेक ने शानदार 3डी कौशल दिखाया और गेंद को सुखजीत के पास वापस भेज दिया, जिन्होंने शानदार फिनिश हासिल की।

चैम्पियन लीग: डॉर्टमुंड को हराकर रियल मैड्रिड बना चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल मैड्रिड के लिए डानी ने टोनी क्रूस के कॉर्नर पर 74वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद विनिसियस जूनियर ने 83वें गोल कर रियल मैड्रिड की बढ़त को दोगुना किया। डानी कारवाजल और विनिसियस जूनियर के एक-एक गोल की मदद से रियल मैड्रिड ने फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को हराकर यूएफा चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। रियल मैड्रिड ने डॉटमुंड को 2-0 से हराया और 15वीं बार इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस तरह रियल मैड्रिड ने अपने पिछले नौ यूरोपियन कप फाइनल्स जीते हैं और पिछले 11 सीजन में से छह बार टूर्नामेंट जीता है। रियल मैड्रिड के लिए डानी ने टोनी क्रूस के कॉर्नर पर 74वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद विनिसियस जूनियर ने 83वें गोल कर रियल मैड्रिड की बढ़त को दोगुना किया। अंतिम सीटी बजने तक डॉर्टमुंड की टीम एक भी गोल नहीं कर सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा। निकलास फुएलक्रुग के पोस्ट पर करीम अदेयेमी गोल करने में नाकाम रहे। डॉर्टमुंड ने कई मौके गंवाए जिसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा।

फ्रेंच ओपन: मुसेटी को कड़े मुकाबले में हराकर जोकोविच अगले दौर में पहुंचे

पेरिस, एजेंसी। जोकोविच को हालांकि इटली के लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ जीत दर्ज करने में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन 24 बार के इस ग्रैंडस्लैम विजेता खिलाड़ी ने अपना दबदबा बनाते हुए पांच सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज कर यहां खिताब का बचाव करने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। महिला और पुरुष मिलाकर सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने वाले सर्बिया के विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। जोकोविच को हालांकि इटली के लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ जीत दर्ज करने में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन 24 बार के इस ग्रैंडस्लैम विजेता खिलाड़ी ने अपना दबदबा बनाते हुए पांच सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज कर यहां खिताब का बचाव करने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा।

जोकोविच और मुसेटी के बीच पुरुष सिंगल्स वर्ग के तीसरे दौर का चार घंटे और 30 मिनट तक चला जिसमें आखिरकार जोकोविच ने बाजी मारी। जोकोविच ने मुसेटी को 7-5, 6-7 (6), 2-6, 6-3, 6-0 से हराया। मुसेटी ने जब लगातार दो सेट जीते तो लग रहा था कि जोकोविच के लिए वापसी करना आसान नहीं होगा लेकिन सर्बिया के इस खिलाड़ी ने इसके बाद शानदार खेल दिखाया तथा खुद को रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम और फ्रेंच ओपन में अपने चौथे खिताब की दौड़ में बनाए रखा। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, मैं वास्तव में बड़ी मुश्किल में था और मुझे कोर्ट पर असहज बनाने का श्रेय लोरेंजो को जाता है। उसने वास्तव में शानदार खेल का प्रदर्शन किया। एक समय वास्तव में मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या करना है।

जोकोविच की ग्रैंडस्लैम में 369वीं जीत

जोकोविच की ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में यह 369वीं जीत है और इस तरह से उन्होंने स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। जोकोविच सोमवार को यह रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं, जब उनका सामना अर्जेंटीना के 23वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा। अगर जोकोविच इस मैच को जीतने में सफल रहे तो वह ग्रैंडस्लैम में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

ट्रोलिंग से निपटने के लिए उर्वशी ने दिया मंत्र

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने ट्रोलिंग को लेकर कहा है कि इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका है कि इस पर बिल्कुल भी ध्यान न दिया जाए। उर्वशी से जब पूछा गया कि वह ट्रोलिंग से कैसे निपटती हैं, तो उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि ट्रोलिंग से निपटने का सबसे अच्छा तरीका है कि इससे बिल्कुल भी न निपटें। एक्ट्रेस ने आगे कहा, इसके अलावा, मेरे पास जिस तरह का व्यस्त शेड्यूल है, उसे देखते हुए मेरे पास वास्तव में उन चीजों पर सोचने और बर्बाद करने के लिए समय नहीं है, इसलिए जब आप किसी चीज पर ध्यान ही नहीं दे रहे हैं, तो ट्रोल होने का कोई सवाल ही नहीं उठता। तो हां, मैं इसी तरह से इससे निपटती हूं।

उर्वशी एक फैशन शो के लिए राष्ट्रीय राजधानी में थीं। एक्ट्रेस ने शो में एक शोस्टॉपर के रूप में वॉक किया। अब अगली बार जेएनयू- जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी फिल्म में नजर आएंगी। अपनी आगामी फिल्म के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने कहा, मैं फिल्म में जेएनयू की छात्रा का किरदार निभा रही हूं। असल जिंदगी में मेरे पिता मेरे स्कूल के दिनों से ही चाहते थे कि मैं जेएनयू में जाऊं। इसलिए यह स्क्रीन पर एक सपने के सच होने जैसा है। हाल ही में जेएनयू- जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी का टीजर सामने आया था। जिसमें विरोध प्रदर्शन के साथ आपराधिक साजिश और आतंकवाद समर्थक भावनाओं के बारे में दिखाया गया था। यह फिल्म जेएनयू के अंदर की कहानी को पर्दे पर उतारती है। फिल्म में उर्वशी रौतेला के अलावा लीड एक्टर्स में रवि किशन, विजय राज, पीयूष मिश्रा हैं। इस फिल्म में कॉमेडी, रोमांस, ड्रामा और गाने के अलावा छात्र राजनीति पर भी खास फोकस किया गया है। एक्ट्रेस ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत सिंह साहब द ग्रेट फिल्म से की थी। इस फिल्म में उर्वशी के साथ सनी देओल ने भूमिका निभाई थी। इसके बाद एक्ट्रेस फेमस रैपर हनी सिंह के अंतर्राष्ट्रीय वीडियो एल्बम लव डोज में नजर आई थी। अभिनेत्री के पास वर्तमान में एनबीके109 टाइटल वाली एक और फिल्म भी है, जिसमें नंदमुरी बालकृष्ण मुख्य भूमिका में हैं।

सलमान खान पर हमले की साजिश नाकाम

• AK-47 से अटैक करने वाले थे गिरफ्तार हुए शूटर्स

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट पर बीती 14 अप्रैल को फायरिंग हुई थी। इस मामले में मुंबई पुलिस ने कई गिरफ्तारी की थीं। अब एक बार फिर सलमान खान पर हमला करने की प्लानिंग हो रही थी लेकिन मुंबई पुलिस ने इसे पहले ही नाकाम कर दिया है। दरअशल, नवी मुंबई पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है जो पनवेल में सलमान खान की कार पर हमला करने की प्लानिंग कर रहे थे। सलमान खान पर हमला करने के लिए पाकिस्तानी हथियार सप्लायर से हथियार मंगवाने की प्लानिंग थी। ये लोग सलमान खान पर हमला करते कि पहले ही मुंबई पुलिस की मुस्तैदी ने इनकी प्लानिंग फेल कर दी।

मुंबई पुलिस ने इन चार लोगों को किया गिरफ्तार

मुंबई पुलिस ने लॉरेंस विश्नोई के जिन चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है, उनकी पहचान धनंजय उर्फ अजय कश्यप, गौरव भाटिया उर्फ नहवी, वासपी खान उर्फ वसीम चिकना और रिजवान खान उर्फ जावेद खान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है इन लोगों ने सलमान खान के फार्म हाउस और कई शूटिंग लोकेशन की रेकी की थी। कि इन चारों को सलमान खान पर एके-47 सहित कई अन्य हथियारों से फायरिंग करने का आदेश दिया गया था। मुंबई पुलिस को इन लोगों को इन लोगों को मोबाइल से कई ऐसे वीडियोज मिले हैं। मुंबई पुलिस की गिरफ्त में आए धनंजय उर्फ अजय कश्यप पाकिस्तान में डोगा नाम के एक शख्स के संपर्क में था जो हथियार खरीदने के लिए काम करता था।

इंडियन 2 में नहीं दिखेंगी काजल अग्रवाल

सुपरस्टार कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 जल्द ही रिलीज होने वाली है। हाल ही में, फिल्म का ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम हुआ, जिसमें एक बहुत बड़ा अपडेट सामने आया है। चेन्नई में आयोजित हुए ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम में इंडियन 2 फिल्म से जुड़े तमाम लोग शामिल हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मौके पर फिल्म का निर्देशन करने वाले शंकर शनमुगम ने अपनी घोषणा से सभी को चौंका दिया। इंडियन 2 पर नजर बनाए हुए लोग जानते होंगे कि इस फिल्म में अभिनेत्री काजल अग्रवाल भी अभिनय कर रही हैं, लेकिन शंकर ने अपने एलान में कुछ और ही खुलासा कर दिया।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में संजीदा ने कहा कि वह सेट पर अपने मासिक धर्म के बारे में बहुत खुली रही हैं और अक्सर निर्देशक को बताती हैं कि वह मासिक धर्म से गुजर रही हैं। उन्होंने इसका श्रेय अपनी मां को दिया।

संजीदा ने मुश्किल दिनों के दौरान शूट किया था मुजरा सीक्वेंस

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार में कई कलाकारों ने काम किया है। ऐसे में जाहिर है कि शूटिंग के दौरान सबके अपने-अपने अनुभव रहे होंगे और सभी के पास बताने के लिए अलग-अलग किस्से भी होंगे। हाल ही में, सीरीज में वहीदा की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री संजीदा शेख ने बताया कि उन्होंने अपने मुजरे वाला सीन पीरियड्स के पहले दिन शूट किया था। इसके अलावा अभिनेत्री ने शूटिंग से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए हैं।

संजीदा ने पीरियड्स के दौरान शूट किया था मुजरा सीन

हाल ही में, एक इंटरव्यू में संजीदा ने कहा कि वह सेट पर अपने मासिक धर्म के बारे में बहुत खुली रही हैं और अक्सर निर्देशक को बताती हैं कि वह मासिक धर्म से गुजर रही हैं। उन्होंने इसका श्रेय अपनी मां को दिया और बताया,÷मेरी मां को जब मासिक धर्म हुआ तो उन्होंने सबसे पहले अपने अब्बा को इस बारे में बताया। इसलिए जब मेरी मां ने अपने पिता से इस बारे में कहा, तो मेरे लिए किसी निर्देशक या निर्माता या मेरे सह-कलाकारों से इस बारे में कहना कोई बड़ी बात नहीं थी। मुझे लगा कि यह बहुत सामान्य बात है।

भंसाली से शेयर करती थीं सारी बातें

अभिनेत्री ने शूटिंग से अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, मैंने अपने पीरियड्स के पहले दिन हीरामंडी के लिए अपना मुजरा शूट किया। जब पीरियड्स का दूसरा दिन होता है तो मेरे पूरे शरीर में काफी दर्द रहता है। मैं काफी असहज भी हो जाती हूं, लेकिन, मैं जो कुछ भी कर रही थी उसमें इतनी तल्लीन थी कि मैं सारा दर्द भूल जाती थी। संजीदा ने आगे बताया कि वह भंसाली से सारी चीजें शेयर करती थी। अभिनेत्री ने कहा, पीरियड्स को देखते हुए भंसाली मुझे जल्दी पैक भी कर देते थे।

इंजीनियरिंग गर्ल्स सीज़न 1 को पूरे हुए 6 साल

जैसा कि हम पॉपुलर सीरीज इंजीनियरिंग गर्ल्स की एनिवर्सरी का जश्न मना रहे हैं, ऐसे में चलिए इसके दर्शकों पर पड़े इंपैक्ट पर एक नजर डालते हैं। खास कर बरखा सिंह द्वारा निभाई गई साबू की यादगार भूमिका पर। वेब की दुनिया की पॉपुलर स्टार में से एक बरखा को माजा मा, गर्ल्स ऑन टॉप, प्लीज फाइंड अटैच्ड और मसाबा मसाबा के सीजन 2 जैसे कई पॉपुलर शो में उनके शानदार किरदारों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इंजीनियरिंग गर्ल्स में उनकी भूमिका ने कई लोगों का दिल जीता। स्ट्रीमिंग कंटेंट के आम होने से पहले ही यह सीरीज़ बहुत पॉपुलर हो गई थी, जिसकी वजह से इसकी पॉपुलैरिटी की वजह से इसका दूसरा सीज़न भी आया। इतना ही नहीं, अब भी दर्शक लगातार सीजन 3 की मांग कर रहे हैं। इंजीनियरिंग गर्ल्स के 6 साल पूरे होने पर बरखा याद करती हैं, मैं जिन लोगों से मिलती हूं, उनमें से बहुत से लोग मुझसे पूछते हैं कि इंजीनियरिंग गर्ल्स का तीसरा सीजन कब आएगा। उन्होंने आगे कहा, असल में, इंजीनियरिंग गर्ल्स ने मुझे साबू नाम के किरदार निभाने का मौका दिया, जो कि मेरे द्वारा पहले निभाए गए किसी भी दूसरे किरदार या उसके बाद निभाए गए किसी भी किरदार से बहुत अलग है। लोगों ने मुझे उस अवतार में देखकर एंजॉय किया। यह बहुत मजेदार था। भले ही लोगों ने मुझे इंजीनियरिंग गर्ल्स के बाद बहुत सारी फिल्मों और शो में देखा हो, फिर भी वे मुझसे पूछते हैं साबू कैसी हो या जब मैं किसी कॉलेज इवेंट में जाती हूँ तो मुझे सुनने को मिलता है कि साबू सबसे बेस्ट था।

सुहागन चुड़ैल में हार्नेस स्टंट सीन को लेकर काफी नर्वस थीं निया शर्मा

निया शर्मा टीवी की मोस्ट पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक हैं। इन दिनों वह फैंटसी-थ्रिलर-रोमांस से भरपूर शो सुहागन चुड़ैल में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने किरदार चुड़ैल को दमदार बनाने के लिए कई हार्नेस स्टंट सीन किए। निया ने कहा, चुड़ैल की भूमिका निभाकर मैं खुद को बेहद मजेदार तरीके से आगे बढ़ा रही हूं। उन्होंने कहा, सबसे बेहतरीन हिस्सों में से एक है हार्नेस स्टंट सीन करना। आप मुझे हार्नेस इक्विपमेंट के जरिए पेड़ों पर बैठे, हवा में उड़ते और यहां तक कि अपने शिकार पर हमला करते देखेंगे। शुरू में, एक्ट्रेस फिजिकली रूप से हार्नेस स्टंट को लेकर थोड़ी नर्वस थी। एक्ट्रेस ने कहा, लेकिन अब मुझे यह पसंद है! अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना और ऐसी चीजें करना जो मैंने पहले कभी नहीं की, यही एक एक्टर के रूप में मेरे पैशन को बढ़ाता है। निया ने कहा, यह निश्चित रूप से उन सभी स्टंट और वीएफएक्स सीन्स को सीखने और शूट करने का एक दिलचस्प सफर है।

अभिनेता मनोज बाजपेयी को मिला मूवीफाइड बेस्ट एक्टर अवॉर्ड

अपनी हालिया रिलीज भैया जी के लिए काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया बटोरने वाले बॉलीवुड एक्टर मनोज बाजपेयी ने सिर्फ एक बंदा काफी है में अपने काम के लिए मूवीफाइड बेस्ट एक्टर अवॉर्ड अपने नाम किया है। बता दें कि 'सिर्फ एक बंदा काफी है' और 'भैया जी' दोनों का ही निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है।

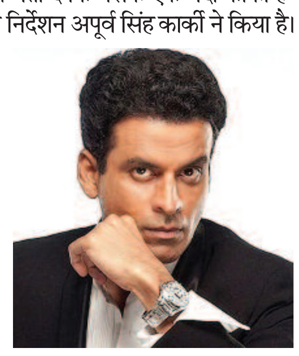

अवॉर्ड मिलने पर आभार व्यक्त करते हुए मनोज ने कहा, इस सम्मान के लिए मूवीफाइड, दर्शकों और मेरे लिए वोट करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। मुझे सिर्फ एक बंदा काफी है के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। मार्केट में बहुत कम वास्तविक पुरस्कार हैं, लेकिन जब आपको कोई ऐसे पुरस्कार मिलता है तो आपकी खुशी की कोई सीमा नहीं होती।

फिल्म उद्योग की चकाचौंध और ग्लैमर के बीच अभिनेता ने विनम्रतापूर्वक अपनी सफलता के पीछे के गुमनाम नायकों और अपने परिवार का नाम लिया। उन्होंने कहा, मैं यह पुरस्कार अपने परिवार को समर्पित करता हूं। वे मेरे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वह मेरा ख्याल रखते हैं ताकि मैं बाहर जा सकूं और वास्तव में काम में खुद को डुबो सकूं। मनोज बाजपेयी ने अपूर्व सिंह कार्की के प्रति भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अपूर्व सिंह कार्की एक युवा निर्देशक हैं, जिन्होंने मुझे उस समय बहुत सहयोग दिया जब मैं दीपक किंगरानी नामक लेखक और सह-कलाकार की भूमिका निभा रहा था। 'सिर्फ एक बंदा काफी है' एक कोर्टरूम ड्रामा थ्रिलर है। इसमें मनोज बाजपेयी ने एक वकील की भूमिका निभाई है। फिल्म की कहानी एक सच्ची घटना पर आधारित है, जिसे जोधपुर पर दर्शाया गया है।

भक्षक के बाद एक और दमदार किरदार में भूमि पेडनेकर दलदल की शूटिंग हुई शुरू

भूमि पेडनेकर उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने बहुत कम समय में अपने अभिनय से लोगों में मन में गहरी छाप छोड़ी है। दम लगाके हईशा से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली भूमि, जल्द ही दलदल नाम की वेब सीरीज में दिखने वाली हैं। यह उनकी पहली वेब सीरीज है। फैंस को उनके इस शो का बेसब्री से इंतजार है। इस बीच इस सीरीज को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल, भूमि ने दलदल की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी खुद अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से दी है। सेट पर अपने पहले दिन की एक तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने लिखा, लंबे समय तक अतीत कभी भी दफन नहीं रहता। रीता की यात्रा आज से दलदल के साथ शुरू होती है। इस शो का निर्देशन अमृत राज गुप्ता कर रहे हैं। प्राइम वीडियो पर इसे आने वाले समय में स्ट्रीम किया जा सकेगा। शूटिंग से पहले भूमि अपने किरदार पर बात कर चुकी हैं। एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने खुलासा किया था रीता का किरदार उन्हें बहुत पसंद आया था। इसमे वह मुंबई की डीसीपा की भूमिका निभा रही हैं।

पश्मीना को लेकर बोले निर्माता

नहीं मालूम था वह कौन है नए चेहरे की थी तलाश

जून के महीने में कई फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। इसी कड़ी में एक और फिल्म है इश्क विश्क रिबाउंड, जो कि रिलीज होने जा रही है। इश्क विश्क रिबाउंड साल 2003 में आई शाहिद कपूर और अमृता राव की फिल्म इश्क विश्क का रिबूट है। अब निर्माता रमेश तौरानी एक बार फिर से यंग लव स्टोरी ला रहे हैं। इस फिल्म में राजेश रोशन की बेटी और ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन डेब्यू करने जा रही हैं।

लेकिन उनके डेब्यू से पहले नेपोटिज्म का मुद्दा उठ रहा है। कहा जा रहा है कि पश्मीना को यह फिल्म उनके सरनेम की वजह से मिली है। अब मेकर्स ने इस पर सफाई दी है। बातचीत के वक्त इश्क विश्क रिबाउंड के निर्माता रमेश तौरानी ने पश्मीना रोशन को लेकर कहा, 'हमें नहीं पता था कि वह कौन थी। पश्मीना उन 15 लड़कियों में से एक थीं, जिन्हें हमने चुना था। हमें पहले नहीं पता था कि वह कौन थी। जब हमने उनको साइन करना शुरू किया तो पता चला कि वह रोशन हैं। मैंने उनके पिता राजेश रोशन के साथ काम किया है, लेकिन उन्होंने मुझे कभी भी फोन करके उनके बारे में बात नहीं की थी'। रमेश तौरानी ने आगे कहा, 'इंडस्ट्री में टैलेंट सबसे मायने रखता है, चाहे कोई मशहूर परिवार से हो या नहीं'।